PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शुक्रवार
06.12.2024
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 11, अंक : 300

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

हेमंत सोरेन सरकार का विस्तार: झारखंड में 11 मंत्रियों ने ली शपथ

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार का कैबिनेट विस्तार गुरुवार को हो गया। कैबिनेट विस्तार में 11 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल कर गठबंधन की साझेदारी को संतुलित किया गया है। हेमंत सोरेन सरकार में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक राधाकृष्ण किशोर को सबसे पहले मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। उन्होंने राज्य के छतरपुर विधानसभा सीट से जीत हासिल की है और विधानसभा में यह उनका चौथा टर्म है। उनके अलावा जेएमएम के दीपक बिरुवा, चाईबासा सीट से चौथी बार विधायक, दूसरे स्थान पर शपथ लेने वाले मंत्री बने। चमरा लिंडा (जेएमएम) ने बिशुनपुर सीट से लगातार तीसरी बार विधायक चुने जाने के बाद पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। आरजेडी के संजय प्रसाद यादव, गोड्डा सीट से विधायक, पहली बार कैबिनेट में शामिल हुए। कांग्रेस के इरफान अंसारी, जामताड़ा से तीसरी बार विधायक, कैबिनेट में जगह पाने वाले प्रमुख चेहरों में से एक रहे। हफीजुल हसन (जेएमएम) ने उर्दू में शपथ ली, जो अपनी अल्पसंख्यक पहचान और अनुभव के कारण कैबिनेट में लगातार तीसरी बार शामिल किए गए हैं। कैबिनेट में कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी के विधायकों को उचित प्रतिनिधित्व देकर एक संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। हेमंत सोरेन ने सभी नए और पुराने मंत्रियों को बधाई देते हुए उनसे राज्य के विकास और जनता की सेवा के प्रति निष्ठा बनाए रखने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

हर रेलवे जोन में आईटीएमएस मशीनें तैनात की जाएंगी : रेल मंत्री

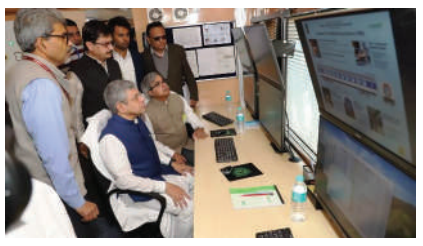

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भारतीय रेलवे में उन्नत प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि अब हर रेलवे जोन में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) मशीनें तैनात की जाएंगी। रेल मंत्री वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) और सड़क सह रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ये मशीनें नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ट्रैकमैन के जीवन को बेहतर बनाएंगी। उन्होंने कहा कि व्यापक ट्रैक निगरानी के लिए सभी रेलवे जोनों में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव में सुधार के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। उन्होंने ट्रैक रखरखाव के लिए जिम्मेदार कर्मियों, ट्रैकमैन के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीएमएस और आरसीआरआईवी के उपयोग से अब ट्रैकमैन के पास सटीक, वास्तविक समय के डेटा तक पहुंच होगी, जिससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल हो जाएगा। रेलवे ट्रैक सिस्टम पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि करीब 2-2.5 साल पहले रेलवे में तीन और आईटीएमएस मशीनें लगाई गई थीं। ये मशीनें रेलवे ट्रैक का सटीक माप देती हैं। ऐसी मशीनें अब हर रेलवे जोन में लगाई जाएंगी।

नाटो बढ़ा रहा चोरी-छिपे अपनी ताकत, क्या यह तीसरे विश्वयुद्ध की है तैयारी?

मॉस्को। रूस और यूक्रेन का युद्ध और फैल सकता है। नाटो और उसके सदस्य देश रूस से युद्ध करने की तैयारी कर रहे हैं। यह तीसरे विश्वयुद्ध की दस्तक दे सकता है। रूस उसकी सीमा के करीब के देशों पर हमले की चेतावनी दे रहा है। इस कारण यूरोप के देशों में रक्षा से जुड़े उपाय किए जा रहे हैं। जर्मनी की विदेशी खुफिया सेवा के प्रमुख ने कहा था कि रूस पश्चिमी देशों के साथ युद्ध की तैयारी कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि नाटो के कारण यह एक बड़ा हमला नहीं करेगा। नाटो पूर्ण युद्ध और गठबंधन के सदस्यों को कमजोर करने के लिए उठाए गए कदम के लिए तैयारी में जुटा है। विशेषज्ञों के मुताबिक नाटो एकजुट है या नहीं, इसका टेस्ट करने के लिए रूस के पास कई तकनीकें हैं। इसमें रूस की सीमित भूमि पर कब्जा भी शामिल है। यूरोपीय संघ के रक्षा आयुक्त ने पहले कहा था कि रक्षा मंत्री और नाटो कमांडर इस बात पर सहमत है कि पुतिन छह से आठ सालों में नाटो और यूरोपीय संघ के साथ टकराव के लिए तैयार हो सकते हैं। नाटो के पूर्वी सदस्य, जैसे पोलैंड और बाल्टिक देश अपनी सुरक्षा को बढ़ा रहे हैं। एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया ने रूस और उसके सहयोगी बेलारूस से संभावित घुसपैठ के खिलाफ सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा जर्मनी दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान के अपने बंकरों को फिर से बेहतर बनाने में जुट गया है।

हेमा मालिनी ने संसद में उठाया मुद्दा बोलीं- बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। उनके घरों और

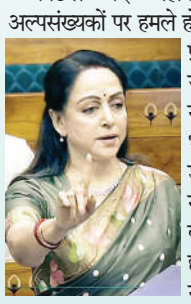

प्रतिष्ठानों को जलाए जाने की खबरें भी आ रहीं है। अब यह मुद्दा भारतीय संसद में भी उठाया जा रहा है। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंदू संत चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी की बुधवार को संसद में निंदा की। लोकसभा में शून्य काल के दौरान हेमा मालिनी ने कहा, कि मैं स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयायी हूं। मैं कृष्ण की पावन नगरी मथुरा की प्रतिनिधि हूं। हम धर्म पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह विदेश नीति का विषय नहीं है, बल्कि हमारी भावना का विषय है। बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने सरकार से अनुरोध किया है कि वह कार्रवाई करे और हमारे इस्कॉन भक्तों, हिंदू भाइयों को सुरक्षा दे। हम चुप नहीं रह सकते। यह कूटनीति का मुद्दा नहीं है, बल्कि हमारी भावनाओं और श्री कृष्ण के प्रति भक्ति से जुड़ा है। असम के दारांग-उदलगुड़ी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सदस्य दिलीप सैकिया ने कहा, कि हम चाहते है कि संसद एक प्रस्ताव पारित करे, जिससे बांग्लादेश सरकार को संदेश दिया जा सके कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार पूरी तरह से बंद हो। साल 1971 में बांग्लादेश के गठन के बाद से लाखों बांग्लादेशी मुसलमान असम में घुसपैठ कर चुके हैं और राजनीतिक और चुनावी प्रणाली में निर्णायक कारक बन गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और भूटान नरेश ने की द्विपक्षीय बैठक, संबंधों की लगातार मजबूती को लेकर जताई प्रतिबद्धता

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने भारत-भूटान के बीच साझेदारी लगातार मजबूत करने को लेकर प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने सात लोक कल्याण मार्ग स्थित सरकारी आवास पर भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और रानी जेत्सुन पेमा वांगचुक का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने दोनों को शुभकामनाएं देते हुए इसी वर्ष मार्च में अपनी राजकीय यात्रा के दौरान भूटान की सरकार और लोगों द्वारा दिए गए असाधारण गर्मजोशी भरे

आतिथ्य को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी और भूटान नरेश ने द्विपक्षीय संबंधों की उत्कृष्ट स्थिति पर संतोष व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संपर्क बढ़ाने में हुई प्रगति की समीक्षा की तथा गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी पहल पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जो भूटान के विकास को गति देने तथा भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए महामहिम द्वारा संचालित एक दूरदर्शी परियोजना है। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान में आर्थिक विकास को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा 13वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए भूटान को भारत द्वारा दिए जाने वाले विकास सहयोग को दोगुना करने पर प्रकाश डाला। भूटान नरेश ने भूटान की खुशहाली, प्रगति और समृद्धि की आकांक्षाओं के लिए दृढ़ समर्थन के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान नरेश और रानी के सम्मान में मध्याह्न भोज का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। आज सुबह नई दिल्ली पहुंचने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

भारतीय वायुयान विधेयक 2024 राज्यसभा से पारित

नई दिल्ली। गुरुवार को राज्यसभा से भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पारित हो गया। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने गुरुवार को राज्यसभा में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पेश किया। यह विधेयक एयर क्राफ्ट एक्ट 1934 का स्थान लेगा। लोकसभा विधेयक को पिछले सत्र में पारित कर चुकी है। विधेयक में विमान के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव, अधिकार, उपयोग, संचालन, बिक्री, निर्यात और आयात के विनियमन और नियंत्रण तथा उससे जुड़े मामलों का प्रावधान है। राज्यसभा में भोजनवकाश के बाद इस भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पर चर्चा शुरू हुई। व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने और विमानन क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए 90 साल पुराने विमान अधिनियम को बदलने की मांग करने वाले 'भारतीय वायुयान विधेयक, 2024' पर चर्चा में भाग लेते हुए टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने विधेयक के हिन्दी नाम का विरोध किया। इस बीच भाजपा के सांसद भीम सिंह ने इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि पुराने विधेयक में अबतक 21 संशोधन किए जा चुके थे। उसमें सिर्फ 19 खंड थे। मौजूदा विधेयक में 43 धाराएं शामिल की गई हैं।

श्री सांवलिया सेठ के दरबार में पैसों की भारी बारिश गिनने में छूट रहा पसीना,बन सकता है रिकॉर्ड

एजेंसी। उदयपुर

श्री सांवलिया सेठ मंदिर की भंडारे की गिनती अब करीब 21 करोड़ 96 लाख 75000 तक पहुंच गई है खबर लिखे जाने तक यह गिनती जारी है। बुधवार को चौथे राउंड में करीब 2 करोड़ 73 लाख 90000 रुपए की राशि की गिनती की गई। दान पत्र से निकले हुए रुपए के अलावा भेंट कक्ष में जमा ऑनलाइन रुपय मनी आर्डर का हिसाब अभी बाकी है। साथ ही सोने और चांदी का तोल भी अभी नहीं किया गया है। अभी की काउंटिंग में 3 दिसंबर को 4 करोड़ 27 लाख 80 लाख रुपए की गणना हुई थी, जबकि बुधवार को चौथे राउंड में 2 करोड़ 73 लाख 90 हजार रुपए की गिनती कर दी गई। इस तरह से अभी तक करीब 21 करोड़ 96 लाख और 75000 तक यह नोटों की गिनती

पहुंच गई है, लेकिन अभी भी भंडारे की राशि की गिनती बाकी है। सांवलिया सेठ के मंदिर ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार, 21 करोड़ रुपए अभी तक की सबसे ज्यादा राशि है। वहीं अभी भी इसकी काउंटिंग बाकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार दान पत्र से निकले खजाने का एक नया रिकॉर्ड बनने वाला है। करीब 2 महीने के बाद श्री सांवलिया सेठ मंदिर के दान पत्र खोले गए, तो इस तरीके से नोटों की लगातार बरसात हो रही है कि चार राउंड में गिनती करने के बावजूद भी अभी भी दान पत्र की राशि की गिनती नहीं हो पाई है।

इसरो ने फिर रचा इतिहास : प्रोबा-3 मिशन की सफल लॉन्चिंग

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर अपनी तकनीकी क्षमता और वैश्विक साझेदारी की मिसाल पेश करते हुए इतिहास रचने जैसा काम कर दिया है। गुरुवार शाम 4:04 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी59 रॉकेट के जरिए प्रोबा-3 मिशन की सफल लॉन्चिंग की गई। यह मिशन यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के सहयोग से सूर्य के कोरोना के बीच के रहस्यमयी हिस्से की गहन अध्ययन करेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 5 दिसंबर गुरुवार शाम 4:04 बजे प्रोबा-3 मिशन की सफल लॉन्चिंग कर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। यह लॉन्चिंग पीएसएलवी-सी59 रॉकेट के जरिए सतीश धवन स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड-1 से की गई। यह मिशन इसरो और यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) का साझा प्रयास है, जिसमें सौर अध्ययन के लिए विशेष तकनीक से लैस दो सैटेलाइट्स को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया है। प्रोबा-3 मिशन में दो सैटेलाइट्स—कोरोनाग्राफ स्पेसक्राफ्ट और ऑक्लटर स्पेसक्राफ्ट—को अंतरिक्ष में 600 बाई 60,530 किमी की अंडाकार कक्षा में स्थापित किया गया। ये दोनों सैटेलाइट्स 150 मीटर की सटीक दूरी पर एक लाइन में सूर्य के कोरोना (सूरज के बाहरी परत) का अध्ययन करेंगे। यह सैटेलाइट सूर्य की तरफ मुंह करके खड़ा होगा और सौर कोरोना की संरचना व उसकी गहराई का अध्ययन करेगा।

अमेरिका यूं ही नहीं बना रहा भारत को शक्तिशाली

एजेंसी। नई दिल्ली

एक तरफ दुनियां तृतीय विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ अमेरिका तकनीक के क्षेत्र में भारत को शक्तिशाली बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। दरअसल अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका में निर्मित एमएच-60 रोमिया मल्टीरोल हेलीकॉप्टर डील का एलान कर चुके थे और अब दूसरी बार ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने से पहले ही रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों की बिक्री को एक तरह से मंजूरी प्रदान कर दी है। इसे लेकर कहा जा रहा है कि आखिर अमेरिका ऐसा क्यों कर रहा है, इसका सीधा जवाब है भारतीय बाजार और ट्रंप के पीएम मोदी से दोस्ताना ताल्लुकात।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी

डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने फॉरन मिलेट्री सेल के तहत 1.17 बिलियन डॉलर कीमत के कम्युनिकेशन, सेंसर और लॉजेस्टिक भारतीय नौसेना के रोमियो हैलिकॉप्टर की ताक़त को और बढ़ाएगी। नौसेना के लिए करोड़ 2.6 बिलियन की कीमत से 24 एमएच-60 रोमिया मल्टीरोड हेलीकॉप्टर की खरीद की है। रोमियो हैलिकॉप्टर चौथी जेनेरेशन के हैलिकॉप्टर में सबसे बेहतर तकनीक है। ये एक मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यानी एक साथ कई टास्क को अंजाम दे सकता है। रडार और सोनार इस हैलिकॉप्टर को दुनिया में पंडुब्बियों के लिए सबसे ख़तरनाक बनाती है। इसे एंटी-सबमरीन एडवांस हैलिकॉप्टर के तौर पर जाना जाता है। इसकी दो सबसे बड़ी खासियत यह है कि पानी में छिपी पनडुब्बियों पर हमला करना और एयर टू सरफेस यानी हवा से जमीन पर हमला करना है। वहीं हेलफायर एयर टू सरफेस मिसाइल जहाजों को निशाना बनाती है। ख़ास बात है कि जिस तरह के कॉन्फ़िगरेशन को अमेरिका नेवी इस्तेमाल में लाती है। पहले 9 हैलिकॉप्टर जो भारत में आए है वह उसी कॉन्फ़िगरेशन के साथ हैं। बाकी के हैलिकॉप्टर में कुछ बदलाव भी किए जा सकते है। अभी तक भारतीय नौसेना को 9 हैलिकॉप्टर मिले हैं और इसका पहला स्क्वाड्रन कोच्चि में स्थापित भी किया जा चुका है। चीन लगातार अपनी मौजूदगी भारतीय समुद्री इलाक़ों में बढ़ा रहा है।

दिल्ली मेट्रो की केबल चोर काटकर ले गए, ब्लू लाइन पर सेवाएं हुईं बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर गुरुवार को केबल चोरी की वजह से सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मोती नगर और कीर्ति नगर के बीच इस घटना के कारण मेट्रो ट्रेनों की गति धीमी कर दी गई, जिससे यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रभावित खंड पर मरम्मत कार्य आज रात परिचालन घंटों के बाद पूरा किया जाएगा। डीएमआरसी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा के लिए अतिरिक्त समय का प्रावधान रखें। दिल्ली मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना विलंब को ध्यान में रखकर बनाएं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

बीएसएल में अधिकारियों का दो-दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता। बोकारो : बीएसएल (बोकारो स्टील लिमिटेड) के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में बोकारो इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के 22 अधिशासी अधिकारियों के लिए दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण गुरुवार को शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में फैकल्टी के रूप में वे अधिकारी शामिल हो रहे हैं, जिन्होंने पूर्व में मेसर्स एएसके-ईएचएस द्वारा "ट्रेन द ट्रेनर" कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा) बीके सरतापे, महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) एसके भगत उपस्थित थे। बीके सरतापे ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाई और कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में श्री सरतापे ने स्टील प्लांट में सुरक्षा की अहमियत पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम से सीखी बातों को अपने सहकर्मियों से भी साझा करने की अपील की। एसके भगत ने भी सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग से वरिष्ठ ओपरेटिव राकेश कुमार, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह तथा इंस्ट्रक्टर अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा।

भाकपा के सक्रिय सदस्य लालजी मांझी का निधन

गोमिया (बोकारो) : झारखंड आंदोलनकारी तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सियारी शाखा के सक्रिय सदस्य लालजी मांझी का 58 साल की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया। वे झारखंड आंदोलन में भाग लेने वाले पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे। झारखंड अलग राज्य के आंदोलन के क्रम में उन्हें यातना का भी सामना करना पड़ा था। उनके निधन पर पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड आंदोलनकारी इफ्तिखार महमूद सहित पार्टी के अंचल सचिव सोमर मांझी, खुर्शीद आलम, खिरोधर गंझू, रामजी मांझी, नरेश मरांडी, सोहन भुइयां आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

बेड़ो में जाम से लोग परेशान, कुछ दूरी तय करने में लग रहा काफी समय

राजू कुमार सिंह बेड़ो:- रांची गुमला मुख्य मार्ग में महावीर चौक से लेकर बाजार टांड़ व देवी मंडप चौक पर जाम से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को सुबह से शाम तक थोड़े समय के अंतराल में जाम लगने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। वहीं प्रतिदिन लग रहे जाम से लोग परेशान हैं। इसके कारण राहगीर व चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जाम का मुख्य कारण सड़क पर जहां-तहां वाहनों को खड़ा करना है। सबसे ज्यादा जाम महावीर चौक के पास लगता है। प्रतिदिन यहां पर जाम लगा रहता है। सप्ताहिक बाजार सोमवार, गुरुवार और शनिवार को स्थिति और बदतर हो जाती है। यहां कई बार जाम के कारण वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। वहीं प्रखंड प्रशासन की अनदेखी के चलते बेड़ो में यातायात व्यवस्था बिगड़ती नजर आ रही है। यहा नियम-कायदों को ताक पर रखकर बेखौफ दौड़ते वाहनों के खिलाफ न तो कार्रवाई की जाती है और न ही चालकों को कायदे सिखाने की जहमत उठाई जाती है। इसी का नतीजा है कि बेडो वासियों को दिन-भर जाम का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दुकानदार भी जाम के दौरान वाहनों से निकलने वाले धुएं से परेशान हो रहे हैं। वहीं प्रत्येक दिन दर्जनों बार लगने वाले जाम की समस्या आमजनों को परेशानी में डाले रहता है। प्रखंड मुख्यालय में लगातार लग रहे जाम के बावजूद प्रशासन जाम की समस्या के निदान में नाकाम साबित हो रही है। बेड़ो बाजार के दिन लगने वाली जाम अब प्रतिदिन लग रही है। समय रहते अगर इस समस्या का स्थायी निदान नहीं किया गया, तो आने वाले समय में बेड़ो चौक व बाजार से होकर गुजरने वाले सहित आमजन बेहाल हो जाएंगे। इधर बड़ी व भारी वाहन के आने पे तो जाम की समस्या भीषण हो जाती, जिसे हटाने के लिए लोगों को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ता है। इस दौरान स्कूली वाहन हो, एंबुलेंस हो या पैदल चलने वाले सभी जाम में परेशान हो जाते है।

बिना निष्पक्ष जांच के एसएससी-सीजीएल परिणाम जारी करना छात्रों के साथ क्रूर मजाक : अजय साह

रांची। हाल ही में जारी एसएससी-सीजीएल परीक्षा परिणाम को लेकर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इसे छात्रों के भविष्य के साथ "क्रूर मजाक" करार दिया है और कहा कि यह हेमंत सोरेन सरकार की उदासीनता और अहंकार को दर्शाता है। साह ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कहा कि हमने उम्मीद की थी कि भारी जनादेश के साथ यह सरकार छात्रों और युवाओं के प्रति अधिक संवेदनशीलता दिखाएगी लेकिन इसके बजाय, सरकार का रवैया अहंकारी और गैर-जिम्मेदाराना होता जा रहा है। सरकार ने निष्पक्ष जांच का वादा किया था, लेकिन बिना किसी उचित प्रक्रिया और जांच के परिणाम जारी करना, इस सरकार की लापरवाही का परिचायक है। अजय साह ने सोशल मीडिया पर वायरल एक संदेश का जिक्र करते हुए कहा कि परिणाम से पहले एक वायरल संदेश में दो विशेष रोल नंबर का उल्लेख था और परिणामों में वही रोल नंबर दिखाई दिए हैं। भाजपा इस संदेश की सत्यता की पुष्टि नहीं करती, लेकिन जब लाखों छात्रों के भविष्य का सवाल है, तो इस संदेश समेत सभी संबंधित तथ्यों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने सरकार की संवैधानिक प्रक्रिया के उल्लंघन की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब कई छात्रों द्वारा यह मामला न्यायालय में ले जाया गया है, तो न्यायालय के निर्णय का इंतजार किए बिना परिणाम जारी करना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि छात्रों के अधिकारों का हनन भी है। इसके अलावा, यह भी स्पष्ट है कि परिणाम ऐसे समय में जारी किया गया जब चुने हुए प्रतिनिधि मंत्रिमंडल विस्तार में व्यस्त थे। यह दर्शाता है कि वर्तमान सरकार पर अफसरशाही का दबदबा है, जो मंत्रिमंडल के विस्तार का भी इंतजार नहीं कर सकी। उन्होंने छात्रों के आक्रोश के प्रति अपना समर्थन जताते हुए कहा कि पार्टी इस मुद्दे को सदन में उठाएगी। साह ने कहा कि भाजपा पूरी तरह से छात्रों के साथ खड़ी है। जब तक छात्रों के साथ न्याय नहीं होता, हम उनके आंदोलन का समर्थन करते रहेंगे।

कल होगी हेमंत कैबिनेट की बैठक

रांची। झारखंड में गुरुवार को कैबिनेट के विस्तार के बाद शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक रखी गई है। बैठक में कई जनकल्याणकारी योजनाओं पर फैसले लिए जा सकते हैं। बैठक दोपहर तीन बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से गुरुवार को यह जानकारी दी गयी है। उल्लेखनीय है कि झारखंड में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के छह दिन बाद गुरुवार को राजभवन के अशोक उद्यान में 11 मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शपथ दिलायी। झामुमो से छह, कांग्रेस से चार और राजद से एक विधायक को मंत्री बनाया गया है।

कौन हैं इरफान अंसारी, जिन्हें हेमंत मंत्रिपरिषद में फिर शामिल किया गया

रांची। जामताड़ा के कांग्रेस विधायक डॉ इरफान अंसारी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक बार फिर अपनी मंत्रिपरिषद में शामिल किया है। उन्होंने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की टिकट पर जामताड़ा विधानसभा सीट से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार सीता सोरेन को पराजित किया था। वर्तमान में वह हज कमेटी के चेयरमैन भी हैं। अक्टूबर 2009 से अप्रैल 2023 तक जामताड़ा कांग्रेस जिला कमेटी के सचिव रह चुके हैं। डॉ इरफान अंसारी ने एमबीबीएस, एमडी की डिग्री हासिल की है। वह जनवरी 2002 से अक्टूबर 2004 तक सरकारी चिकित्सक के रूप में सेवा दे चुके हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार में डॉ इरफान को ग्रामीण विकास मंत्री बनाया गया था। वह जुलाई 2024 से नवंबर 2024 तक इस पद पर रहे। साथ ही डॉ इरफान अंसारी अगस्त 2019 से अगस्त 2021 तक झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रह चुके हैं। 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार इरफान अंसारी 112,829 वोट हासिल कर विजयी हुए। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, भाजपा के बीरेंद्र मंडल को 74,088 वोट मिले, जबकि स्वतंत्र उम्मीदवार तरुण कुमार गुप्ता को 6,219 वोट मिले। 2014 के विधानसभा चुनाव में इरफान अंसारी ने 67,486 वोटों के साथ जामताड़ा सीट जीती, उन्होंने भाजपा के बीरेंद्र मंडल को हराया, जिन्होंने 58,349 वोट प्राप्त किए और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बिष्णु प्रसाद ने 52,029 वोट प्राप्त किए।

कहां हुआ जन्म?

डॉ इरफान अंसारी मूल रूप से देवघर जिले के सोनारायठाड़ी प्रखंड के नानीडीह गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में वह कोर्ट रोड जामताड़ा में रहते हैं। खेती-किसानी और किताब पढ़ना उनका सौक है। डॉ इरफान अंसारी का जन्म 29 मार्च 1975 को देवघर जिले के नानीडीह में हुआ था। इरफान अंसारी राज्य के कद्दावर कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद फुरकान अंसारी के पुत्र हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ रामगढ़ में निकला आक्रोश मार्च

रामगढ़: बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और इस्कॉन प्रमुख की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को रामगढ़ में एक बड़ा प्रदर्शन हुआ। बांग्लादेश के खिलाफ आक्रोश मार्च निकाला गया, जिसमें विश्व हिंदू परिषद, दुर्गा वाहिनी, भाजपा युवा मोर्चा और विभिन्न हिंदू संगठनों के सदस्य, साथ ही आम नागरिक भी शामिल हुए। इस दौरान बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में मजबूती से मुद्दा उठाने की मांग की गई।

आक्रोश मार्च की शुरुआत और रैली का मार्ग

रैली का आयोजन राष्ट्रीय सनातन समाज के बैनर तले किया गया था। सैकड़ों लोग सिद्धू-कान्हू मैदान पर एकत्रित हुए और हाथ में बैनर, तख्ती और भगवा ध्वज लेकर सड़क पर उतरे। यह रैली चट्टी बाजार, झंडा चौक, थाना चौक, मेन रोड और सुभाष चौक होते हुए फुटबॉल ग्राउंड तक पहुंची। रैली में राजनीतिक दलों, संगठनों और बड़ी संख्या में मातृशक्तियों का समर्थन प्राप्त हुआ। पूरे मार्ग में भगवा ध्वज लहराते हुए प्रदर्शनकारियों ने अपनी आवाज उठाई।

आक्रोश का कारण और मांगें- रैली के दौरान अनामिका श्रीवास्तव ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों से संपूर्ण हिंदू समाज में गहरा आक्रोश है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार से बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने की मांग की ताकि वहां के दंगाइयों पर कठोर कार्रवाई की जा सके। उनका कहना था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही घटनाओं को तुरंत रोका जाना चाहिए और इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

आक्रोश मार्च में शामिल लोगों ने बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों को लेकर गहरी चिंता जताई और बांग्लादेश सरकार से सख्त कार्रवाई की अपील की। साथ ही, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार से इस मुद्दे को वैश्विक मंचों पर उठाने का आग्रह किया।

यह प्रदर्शन रामगढ़ में बांग्लादेश के खिलाफ गुस्से और भारत सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग का प्रतीक बनकर सामने आया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ रामगढ़ में निकला आक्रोश मार्च

रामगढ़। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और इस्कॉन प्रमुख की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को रामगढ़ में बड़ा प्रदर्शन किया गया। बांग्लादेश के खिलाफ आक्रोश मार्च निकाला गया। विश्व हिंदू परिषद, दुर्गा वाहिनी , भाजपा युवा मोर्चा और विभिन्न हिंदू संगठनों के सदस्यों के अलावा आम नागरिक भी इस आक्रोश मार्च में शामिल हुए। इस दौरान बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ यूएन में मजबूती से मुद्दा उठाने की मांग भारत सरकार से की गई। आक्रोश मार्च में शामिल लोगों ने संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार से बांग्लादेश के दंगाइयों पर दबाव बनाने की मांग की।

सिद्धू-कान्हू मैदान से फुटबॉल ग्राउंड तक निकाली गई रैली- रामगढ़ में राष्ट्रीय सनातन समाज के बैनर तले लोग शहर के सिद्धू-कान्हू मैदान में एकत्रित हुए। सैकड़ों लोग हाथ में बैनर, तख्ती और भगवा ध्वज लेकर सड़क पर उतरे। यह लोग चट्टी बाजार, झंडा चौक, थाना चौक, मेन रोड, सुभाष चौक होते हुए फुटबॉल ग्राउंड तक पहुंचे। रैली में राजनीतिक पार्टियों और सकल हिंदू समाज के अलावा बड़ी संख्या में मातृशक्तियां भी मौजूद थीं। पूरी रैली में भगवा ध्वज लहराते नजर आए। अनामिका श्रीवास्तव ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों से संपूर्ण हिंदू समाज में आक्रोश है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार से बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने और दंगाइयों पर तुरंत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रही घटनाएं रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास जरूरी हैं।

मंत्री पद की शपथ लेकर रामगढ़ पहुंचे योगेंद्र प्रसाद, भाजपा पर कसा तंज

सरदार वल्लभभाई पटेल और शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रामगढ़। हेमंत सोरेन की सरकार में गोमिया के विधायक योगेंद्र प्रसाद को मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। गुरुवार को वे मंत्री पद की शपथ लेने के बाद काफिले के साथ रामगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने पटेल चौक पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा और कोठार चौक पर शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि झारखंड में 17 वर्षों तक भाजपा की सरकार रही। लेकिन ना तो जनमानस की सुनी गई, ना ही समस्याएं दूर हुई। विकास के नाम पर सिर्फ झारखंड को लूटने का काम किया गया। पिछले पांच वर्षों में हेमंत सोरेन की सरकार ने जनता के लिए काफी कुछ किया है। कुछ कार्य शेष रह गए हैं, जिसे हेमंत 2.0 के कार्यकाल में पूरा करने की जिम्मेदारी निभायेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिया और कहा कि गोमिया क्षेत्र को मंत्रिमंडल में स्थान मिलना बड़ी बात है। वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

ठंड में कंपकपा रहे बच्चे, अबतक नहीं मिले स्वेटर

राजू कुमार सिंह बेड़ो

- बच्चों के बीच स्वेटर वितरण में देरी का जिम्मेवार कौन?
- विभागीय अफसर कागजी आंकड़े तैयार करने में जुटे हैं, लेकिन हकीकत से कोसो दूर?

मौसम वैज्ञानिक रोजाना कह रहे हैं कि कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है। तापमान भी रोज गिर रहा है पर शिक्षा विभाग को इससे मतलब नहीं है। प्रखंड के आंगनबाड़ी, प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के बच्चों को अभी तक स्वेटर नहीं दिए गए हैं। वहीं प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्र जहां बच्चों को स्वेटर दिए भी गए हैं, वह मानक के अनुरूप स्वेटर नहीं दिए जा रहे है साथ ही बिना नाप के बांट दिए गए। वहीं विभागीय अफसर कागजी आंकड़े तो बखूबी तैयार कर लेते हैं पर हकीकत से रूबरू नहीं होते। बच्चे सुबह ठिठुरते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी आ रहे हैं, जबकि अफसर स्वेटर और जैकेट पहनकर अपने दफ्तर पहुंच रहे हैं। इस लापरवाही के लिए जो जिम्मेदार हैं, उन पर भी कार्रवाई नहीं होती। जिसके कारण स्वेटर वितरण में देरी हुई है। प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड ने दस्तक दे दी है। लेकिन सैंकडों बच्चे अभी भी बिना स्वेटर के ठंड सहने को मजबूर हैं। प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों को दिसंबर महीने की शुरुआत होने के बावजूद गांव के नौनिहालों को स्वेटर नहीं मिल पाया है। वहीं कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों ने स्वेटर वितरण शुरू किया है, लेकिन अधिकांश बच्चों तक यह सुविधा नहीं पहुंची है। इस देरी के पीछे शिक्षकों और आंगनबाड़ी सेविकाओं ने आचार संहिता के कारण बच्चों को स्वेटर मिलने में देरी हुई है। उनका कहना है कि चुनाव प्रक्रिया के कारण स्वेटर वितरण बाधित हुआ, लेकिन अब इसे जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया है। वहीं ठंड में बिना स्वेटर स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र आने वाले बच्चों की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। बच्चों के अभिभावकों ने इसे गंभीरता से लेते हुए मांग की है कि जल्द से जल्द स्वेटर वितरित किए जाएं। इनका कहना है कि प्रशासनिक उदासीनता से बच्चों के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। मिली जानकारों के अनुसार,चुनाव से पहले ही स्वेटर वितरण के लिए धनराशि वेंडरों के खातों में स्थानांतरित कर दी गई थी। लेकिन इसके बावजूद स्वेटर उपलब्ध नहीं कराना शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। इधर स्वेटर वितरण में देरी होने से लोगों का मानना है कि बेड़ो के अधिकारियों को केवल बहाने बनाने और समय टालने में रुचि है। सरकारी अधिकारियों की यह लापरवाही बच्चों के भविष्य और उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ है। ठंड के इस मौसम में स्वेटर वितरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि बच्चे सुरक्षित और आरामदायक माहौल में शिक्षा प्राप्त कर सकें।

ऑल डीवीसी फुटबॉल टूर्नामेंट आज से

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : ऑल डीवीसी फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 6 दिसंबर से बोकारो थर्मल स्थित बोकारो क्लब के स्वामी विवेकानंद फुटबॉल मैदान में किया जाएगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया दोपहर दो बजे करेंगे। टूर्नामेंट में मेजबान डीवीसी बोकारो थर्मल की टीम के अलावा चंद्रपुरा, मेजिया, मैथन, कोडरमा, दुर्गापुर, डीएसटीपीएस अंडाल की टीम शामिल होंगी। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 12 दिसंबर को खेला जाएगा।

झारखंड आंदोलनकारी **हाजी गुलाम ख्वाजा** ने सभी मंत्रियों को व्यक्तिगत तौर पर बधाईयां दीं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर बोकारो में हिन्दू राष्ट्र समन्वय समिति का धरना, केन्द्र से हस्तक्षेप की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा और चिन्मय कृष्णदास की रिहाई की मांग को लेकर गुरुवार को हिन्दू राष्ट्र समन्वय समिति एवं सनातन धर्म जागरण समिति की ओर से बोकारो समाहरणालय के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया गया। इसके पूर्व समिति की ओर से पदयात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों सनातनी शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए कानूनी रूप से आंदोलन करने वाले इस्कॉन के स्वामी चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी को देशद्रोह के आरोप में अन्यायपूर्ण तरीके से गिरफ्तार किये जाने का कड़ा विरोध किया। कहा कि यह गिरफ्तारी अल्पसंख्यक हिन्दुओं के अधिकारों को दबाने का एक और प्रयास है, जिसकी हम तीव्र शब्दों में निंदा करते हैं। हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति एवं सनातन धर्म जागरण समिति ने भारत सरकार से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर स्वामी चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी की बिना शर्त रिहाई सुनिश्चित कराने और बांग्लादेश सरकार को अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए बाध्य करने की मांग की। इस संबंध में उपायुक्त बोकारो के माध्यम से एक ज्ञापन भी दिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि, बांग्लादेश में हिंदू समाज पिछले कई दशकों से धार्मिक अत्याचार, मंदिरों पर हमले, महिलाओं पर अत्याचार और संपत्तियों की लूट का सामना कर रहा है। स्वामी चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारी ने ऐसे अन्याय का विरोध करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की मांग की। लेकिन, उनकी गिरफ्तारी ने बांग्लादेश के हिंदुओं के धार्मिक स्वतंत्रता को गंभीर खतरे में डाल दिया है। कहा कि, जैसे भारत सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के माध्यम से बांग्लादेश के पीड़ित अल्पसंख्यक हिंदुओं को भारत की नागरिकता प्रदान करने का एक सराहनीय कदम उठाया है, वैसे ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार भारत के लिए केवल एक पड़ोसी देश का मुद्दा नहीं, बल्कि हिंदुओं के अस्तित्व, मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता का संवेदनशील विषय है। यदि इन अत्याचारों को नहीं रोका गया, तो इसका असर भारत पर भी पड़ेगा। इसलिए भारत सरकार इस मामले में कड़े कदम उठाकर निर्णायक भूमिका निभाये। आंदोलन में भाजपा नेत्री परिंदा सिंह, सनातन धर्म जागरण समिति से राजेन्द्र विश्वकर्मा, अभय जी, धीरेन्द्र जी, हिन्दू राष्ट्र समन्वय समिति से राजेश सिंह राजू, अरुण कुमार केशरी, शक्ति जी, प्रदीप जी, विद्या भारती से अवधेश राय, राजेश कुमार तथा हिन्दू जनजागृति समिति से रंजीत सिंह के अलावा साथ ही 300 से भी अधिक धर्मनिष्ठों एवं हिंदुत्वनिष्ठों ने भाग लिया।

योगेंद्र प्रसाद के मंत्री बनने से क्षेत्र में खुशी की लहर, लोगों ने दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : गोमिया विधायक योगेंद्र प्रसाद को झारखंड सरकार के नए मंत्रिमंडल में शामिल करने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। रांची में योगेंद्र प्रसाद के मंत्री पद की शपथ लेने के बाद झामुमो कसमार प्रखंड अध्यक्ष सह प्रखंड बीस सूत्री कमिटी अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं की काफिला के साथ मंत्री योगेंद्र प्रसाद सबसे पहले मुरूबंदा स्थित अपने पैतृक आवास पहुंचे एवं अपनी मां से आशीर्वाद लिया। इसके बाद जुलूस की शक्ल में कार्यकर्ता पेटरवार स्थित झामुमो के गोमिया विधानसभा के प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों समर्थकों व ग्रामीणों ने उन्हें फूल मालाओं से लादकर व बुके देकर स्वागत किया। योगेंद्र प्रसाद के मंत्री बनने पर कसमार प्रखंड प्रमुख नियोति कुमारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, शेरे आलम, पूर्व मुखिया सिकंदर कपरदार, नरेश महतो, ज्ञानेश जायसवाल, पूर्व पंसस स्वर्णलता जायसवाल, पूर्व प्रमुख विजय किशोर गौतम, मेहरुल होदा, कुलदीप करमाली, मिथिलेश जायसवाल, सोहेल अंसारी, फारुख अंसारी, अब्बास अंसारी, रामसाय मांझी, विनीत जायसवाल, जगेश्वर हेम्ब्रम, नवीन जायसवाल, देवाशीष मुखर्जी समेत अन्य लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

दाखिल-खारिज के लंबित मामलों को लेकर सभी अंचलाधिकारियों को शो-कॉज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : जिले के विभिन्न अंचलों में भूमि के दाखिल-खारिज से संबंधित मामलों के निष्पादन में अंचलाधिकारियों (सीओ) की सुस्ती एवं लापरवाही पर उपायुक्त विजया जाधव ने नाराजगी व्यक्त की है। इसे लेकर जिले के सभी 09 अंचलों के अंचलाधिकारियों, उनके राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उपायुक्त द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि, झारभूमि पोर्टल पर दाखिल खारिज के प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति की समीक्षा के क्रम में यह पाया गया है कि राजस्व उप निरीक्षक, अंचल निरीक्षक एवं अंचल अधिकारी के द्वारा दाखिल-खारिज के मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरती जा रही है। पोर्टल पर कई आवेदन लंबित हैं, जबकि कई आवेदनों को बिना किसी ठोस वजह के अस्वीकृत किया जा रहा है। वहीं, कुछ मामलों में बिहार टेनेंट्स होल्डिंग (मेंटेनेंस ऑफ़ रिकार्ड्स) एक्ट 1973 के सेक्शन 15 का उल्लंघन भी किया जा रहा है, जो सही नहीं है।

उपायुक्त ने सभी अंचलों में दाखिल-खारिज के लंबित आवेदनों की संख्या पर कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि कार्यालय द्वारा झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 के अनुपालन को लेकर स्पष्ट निर्देश दिया गया है। बावजूद इसके दाखिल-खारिज से संबंधित आवेदनों का ससमय एवं पारदर्शितापूर्ण निष्पादन नहीं करना, कार्य निष्पादन में सुस्ती/लापरवाही को दर्शाता है। उपायुक्त ने सभी नौ अंचलाधिकारियों, उनके राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षकों से स्पष्टीकरण का जवाब 24 घंटे के अन्दर मांगा है।

वेदांता ईएसएल ने बोकारो में ग्रामीण युवाओं को किया सम्मानित, 33 प्रतिभाओं को मिली पहचान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपने सामाजिक और सामुदायिक विकास की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए चास और चंदनकियारी ब्लॉक के ग्रामीण युवाओं के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सियालजोरी स्थित वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी में हुआ, जहां शिक्षा, कौशल विकास और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 33 युवाओं को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह का आयोजन और भागीदारी- इस कार्यक्रम में लगभग 200 लोग शामिल हुए, जिनमें प्रमुख अतिथि जिला परिषद प्रतिनिधि सुसैन राजवार और अलकुशा के मुखिया रोहित रजक थे। साथ ही, वेदांता ईएसएल के वरिष्ठ अधिकारी, जैसे रवीश शर्मा (मुख्य परिचालन अधिकारी), अमल घोष (निदेशक, इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट), और डॉ. सरोज कुमार सिंह (निदेशक, स्टील), भी इस मौके पर उपस्थित रहे। दर्शकों में छात्रों, उनके माता-पिता, कोच, और 24 से अधिक पीआरआई सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सम्मानित किए गए युवाओं की सफलता की कहानियां

शैक्षणिक क्षेत्र में योगदान- प्रोजेक्ट प्रेरणा के तहत 13 छात्रों को सम्मानित किया गया। इनमें से 4 छात्रों ने झारखंड पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में सफलता पाई, जबकि 9 छात्रों ने एसएससी ग्रुप डिस्कशन के लिए क्वालीफाई किया। इसके अलावा, आस विद्यालय से जुड़े छात्रों को भी सराहा गया, जिनमें कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और नियमित मूल्यांकन प्रतियोगिताओं में सफल छात्र शामिल हैं।

कौशल विकास कार्यक्रम- वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल के तहत सोलर पीवी इंस्टालर कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो प्रतिभागियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस कौशल केंद्र ने 80% से अधिक छात्रों को प्रमुख उद्योगों में रोजगार प्रदान किया है।

तीरंदाजी में उपलब्धियां- तीरंदाजी अकादमी से 6 तीरंदाजों को उनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। सियालजोरी की 13 वर्षीय कृतिका कुमारी ने विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने अखिल भारतीय स्कूल चैंपियनशिप में रजत पदक जीता और राष्ट्रीय तीरंदाजी खेलों के लिए क्वालीफाई किया।

वेदांता ईएसएल की सामुदायिक प्रतिबद्धता- मुख्य परिचालन अधिकारी रवीश शर्मा ने कहा कि कंपनी स्थानीय समुदायों को प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य अपने समुदायों को सशक्त बनाना और उत्कृष्टता की खोज में उन्हें प्रेरित करना है। हम एक सार्थक प्रभाव छोड़ना चाहते हैं जो हमारे कर्मचारियों और साझेदारों की उन्नति में योगदान करे।"

वेदांता ईएसएलः एक परिचय- बोकारो जिले के सियालजोरी में स्थित वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड, स्टील उत्पादों का एक प्रमुख निर्माता है। कंपनी 2.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) की क्षमता वाले ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील प्लांट का संचालन करती है, जो पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए उच्च गुणवत्ता के उत्पाद प्रदान करती है।

इस भव्य समारोह ने न केवल ग्रामीण युवाओं की उपलब्धियों को सम्मानित किया, बल्कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान किया।

नया मोड़ बस स्टैंड पर यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करे बीएसएल प्रबंधन : उपायुक्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त विजया जाधव ने चास नगर निगम क्षेत्र एवं बोकारो स्टील सिटी क्षेत्र में शहरवासियों को उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा की। बैठक में अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, अपर नगर आयुक्त, चास संजीव कुमार, मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं, बीएसएल कुंदन कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रियंका कुमारी आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने चास नगर निगम एवं बीएस सिटी को सुंदर एवं व्यवस्थित करने को लेकर क्रमवार विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिया। इस दौरान शहरवासियों से नयामोड़ स्थित बस स्टैंड की अव्यवस्था को लेकर मिल रही शिकायतों को लेकर बीएसएल प्रबंधन पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने बस स्टैंड पर मूलभूत सुविधाओं (पेयजल, शौचालय, पार्किंग, फुटपाथ आदि) को अविलंब सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। मौके पर उपस्थित जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने कहा कि जिला मुख्यालय स्थित एकमात्र बस स्टैंड है, राज्यीय-अंतरराज्यीय बसों का आवागमन प्रतिदिन होता है, लेकिन यात्री सुविधाएं नदारद हैं। इस पर उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं कुंदन कुमार को बस स्टैंड का निरीक्षण करते हुए यात्री सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में त्वरित कार्रवाई करने को कहा। वहीं, सड़कों की नियमित साफ-सफाई, घरों से निकलने वाले कचड़ों का सही से निस्तारण आदि को लेकर भी जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने भारत सरकार द्वारा चास नगर निगम क्षेत्र एवं बीएस सिटी को हाउस होल्ड मैपिंग-डिजिटलाइजेशन को लेकर चिन्हित किये जाने को लेकर दोनों (नगर निगम प्रशासन/बीएसएल नगर) प्रबंधनों को सिनोप्सिस (सार/विवरण) जिसमें क्षेत्रफल, जनसंख्या, कुल वार्ड/सेक्टर आदि की जानकारी का उल्लेख करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी जरूरी दिशा-निर्देश दिये।

चास रोटरी के दंत जांच शिविर में स्कूली बच्चों को दी गई जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, चास के बच्चों के लिए मुफ्त दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 1200 बच्चों की दांतों की जांच की गई। इसमें 70% बच्चों की दांतों में सड़न सहित अन्य दंतरोग से ग्रस्त पाए गए। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए बच्चों का स्वस्थ रहना आवश्यक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजीव कुमार चंदन ने बच्चों को दांतों की नियमित सफाई एवं देखभाल के लिए प्रेरित किया। डॉ संजीव ने दांत सुरक्षा के उपायों की जानकारी बच्चों को देते हुए कहा कि चेहरे की खूबसूरती और अच्छी सेहत का संबंध सुंदर एवं स्वास्थ्य दांतों से है।

डॉ प्रशांत कुमार ने कहा कि शरीर के अन्य अंगों के साथ दांत की हिफाजत किया जाना अति आवश्यक है।

गुरु गोविंद सिंह विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजीव कुमार ने रोटरी क्लब चास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम के निरंतरता की जरूरत है। दंत जांच शिविर को लेकर बच्चे काफी उत्साह दिखाई दे रहे थे। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह ने भी शिविर का जायजा लिया। शिक्षिका उषा कुमार ने

कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बोकारो डेंटल एसोसिएशन के डॉ सुमित कुमार, डॉ प्रवीण प्रभाकर, डॉ संतोष कुमार, डॉ सीताराम महतो, डॉ अमित कुमार, डॉ देवेंद्र राय, डॉ प्रवीण मिश्रा, डॉ जॉन लिय्यू, डॉ संजय कुमार, डॉ आदर्श पाराशर, डॉ अभिषेक अरुणदीप, डॉ शालू कुमारी, डॉ विशाखा शर्मा, डॉ ऋचा, डॉ ईशा, डॉ को शिल, डॉ अन्नु आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। रोटरी क्लब के संजय बैद, कुमार अमरदीप, चनप्रीत सिंह, विनय सिंह, उषा कुमार, पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, रितु अग्रवाल, भी उपस्थित थे।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद का भव्य स्वागत, शपथ लेने के बाद कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नव निर्वाचित विधायक और झारखंड सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद का शपथ ग्रहण समारोह के बाद उनके गृह क्षेत्र पेटरवार में भव्य स्वागत किया गया। मंत्री बनने के बाद जब वे पेटरवार स्थित झामुमो के प्रधान कार्यालय पहुंचे, तो कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके देकर और फूलमाला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया, वहीं जमकर आतिशबाजी की गई।

मंत्री पद की शपथ के बाद योगेंद्र प्रसाद ने लिया मां का आशीर्वाद- योगेंद्र प्रसाद ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद सबसे पहले मां का आशीर्वाद लिया और फिर पेटरवार स्थित झामुमो कार्यालय पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मंत्री ने इस गौरवमयी पद को प्राप्त करने का सारा श्रेय गोमिया विधानसभा के मतदाताओं को दिया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

मंत्री ने कहा- हर कसौटी पर खरा उतरूंगा- मंत्री बनने के बाद मीडिया से बातचीत में योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जो विश्वास और जिम्मेवारी उन्हें सौंपी है, वे उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वे विकास के पथ पर मुख्यमंत्री के सहयोगी के रूप में एक नया आयाम स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

योगेंद्र प्रसाद ने गोमिया विधानसभा और राज्य की जनता का आभार व्यक्त किया, जिनकी वजह से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी मिली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने गोमिया को सम्मान और जिम्मेवारी सौंपकर उन्हें गर्व महसूस कराया है।

शपथ ग्रहण समारोह और बधाई- योगेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन के अशोक वाटिका में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कैबिनेट मंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ लेने के बाद राज्यपाल ने उन्हें बुके भेंटकर बधाई दी। मंत्री ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्रिपरिषद के साथी सदस्यों से भी बधाई प्राप्त की और उन्हें आभार व्यक्त किया।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी मेahनत करेंगे और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

नहाने की जगह हटाने पर महिलाओं ने किया हंगामा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : गुरुवार को तेनु- बोकारो नहर की मरम्मत के दौरान नहाने की जगह हटाये जाने के विरोध में महिलाओं व ग्रामीणों ने कार्य स्थल पर जाकर संवेदक के खिलाफ हंगामा किया। महिलाओं व ग्रामीणों ने नहाने की जगह को बंद कर वहां ढलाई कर देने पर जमकर हंगामा करते हुए वहां पहले की तरह सीढ़ी बनाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के लोग रोजाना नहर में नहाते हैं। यहां पर सीढ़ी बनी हुई थी, जिसमें ठेकेदार ने मिट्टी भरने के बाद सीमेंट सरिया देकर रात के अंधेरे में ढलाई कर दी है। ज्ञात हो कि विगत पांच दिनों से नहर में मरम्मति का काम चल रहा है और आमजन नहर में नहाने के लिए सीढ़ी बनाने के नाम पर रोज संवेदकों से उलझ जाते हैं।

डीपीएस बोकारो में तीन-दिवसीय फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

मनमोहक रूप-सज्जा के साथ बच्चों ने दिया संस्कृति, पर्यावरण एवं जीवों की रक्ष का संदेश

बोकारो : विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ उनमें कलात्मक व रचनात्मक गुणों के विकास को लेकर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय के प्राइमरी विंग में आयोजित तीन-दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता में शामिल नन्हें छात्र-छात्राओं की मनोहारी वेशभूषा, उनकी सुंदर रूप-सज्जा, मासूम अदाकारी और तोतली जुबान में उनके संवाद-प्रेषण ने खूब लुभाया। तीन दिनों की अवधि में 400 से अधिक बच्चों ने अलग-अलग समूहों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अपनी प्रस्तुतियां देकर सबकी भरपूर सराहना बटोरी। अलग-अलग रूपों में सज-संवरकर अपनी प्रस्तुतियों के जरिए नन्हें विद्यार्थियों ने देश की समृद्ध संस्कृति, पर्यावरण और समस्त प्राणियों की रक्षा का सुंदर संदेश दिया।

प्रतियोगिता के पहले दिन प्रथम कक्षा के कई विद्यार्थी शेर, हाथी, अजगर, उल्लू दरियाई घोड़ा, बाघ, पांडा, मछली सहित भांति-भांति के पशु-पक्षी, जलीय जीव व पेड़-पौधे का रूप धर आए और लुप्तप्राय प्राणियों की अस्तित्व-रक्षा तथा प्रकृति बचाने का संदेश दिया। कई बच्चे नेताजी सुभाषचंद्र बोस, झांसी की रानी, स्वामी विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मदर टेरेसा, आइंस्टीन एवं विश्व की अन्य प्रसिद्ध हस्तियों के वेश में आए। इसके अलावा, जूट, पेपर क्राफ्ट, अखबार, बोरा आदि वस्तुओं से बने परिधानों में बच्चों की अप्रतिम साज-सज्जा, उनकी और उनके अभिभावकों की मेहनत बयां कर रही थी। इसके जरिए उन्होंने अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोग के लायक बनाने की कला समझाई।

दूसरे दिन कक्षा प्रेप के कुछ प्रतिभागी झारखंडी, राजस्थानी, आदिम जनजाति, पंजाबी आदि वेशभूषा में सजकर आए, जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक विविधता का जीवंत चित्रण किया। कुछ बच्चे ऑक्टोपस, जेलीफिश, कछुआ, डॉल्फिन आदि का रूप धरकर आए और जलीय जीवों तथा सागर के संरक्षण की महत्ता को रेखांकित किया। वहीं, कई प्रतिभागी अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर, जैसे-स्पाइडर मैन, छोटा भीम, बैट मैम, डोरेमोन, अलादीन आदि के वेश में आए, तो कई ने प्रकृति बचाने तथा प्रदूषण-नियंत्रण का भी संदेश दिया। वहीं, तीसरे दिन गुरुवार को नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों ने पायलट, पुलिसकर्मी, कूली, चिकित्सक, चालक, ग्वाला आदि सामुदायिक सहयोगियों के रूप में उनकी महत्ता व उनके सम्मान पर बल दिया। बच्चों ने कीट-पतंगों तथा फूल व पेड़ों के रूप में भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। प्रतियोगिता में समूहवार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

बच्चों में कलात्मक गुणों का विकास आवश्यक : डॉ. गंगवार- विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल बच्चों की प्रतिभा विकसित होती है, बल्कि वे अपने आसपास के वातावरण, समाज आदि से अवगत भी हो पाते हैं। उन्होंने कहा कि हर एक बच्चे में कुछ न कुछ कलात्मक प्रतिभा छिपी होती है, जिसे उभारकर निखारने की जरूरत है। ऐसे आयोजन बच्चों के समग्र विकास में सहायक हैं और डीपीएस बोकारो इस दिशा में सतत प्रयासरत है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतियोगिता में हार-जीत मायने नहीं रखती, प्रतिभागिता महत्वपूर्ण है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

जिला समन्वय समिति की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में भवन निर्माण विभाग, लघु सिंचाई विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पथ प्रमंडल, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, विद्युत आपूर्ति विभाग, वन प्रमंडल, नगर परिषद, नगर पंचायत, जेएसएलपीएस, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग, जल संसाधन, स्वास्थ्य विभाग समेत कई विभागों में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।योजना के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं को भी लेकर चर्चा की गई।

उपायुक्त ने विधि व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जिनमें उपायुक्त ने अंतर राज्यीय चेक नाकों पर गहन परिवहन जांच करने दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

परिवहन विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित

करते हुए कहां कि वह हर दूसरे- तीसरे दिन अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर गहनता पूर्वक वाहन जांच चलाने हेतु निर्देशित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिला में दिनांक 08 दिसंबर से तीन दिनों तक पल्स पोलियों का अभियान चलाया जाएगा।

भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा के क्रम में प्रकुलेशन टैंक निर्माण हेतु जमीन चिन्हित करने हेतु अपर समाहर्ता को निर्देशित किया गया। जिला में प्रस्तावित एकलव्य महाविद्यालय एवं मेडिकल कॉलेज निर्माण हेतु जमीन चिन्हित कर हैंड ओवर करने हेतु निर्देशित किया गया।

उपायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि थाना एवं मलखानो मे लंबे समय तक पड़ी वाहनों की नीलामी कर दिया जाए एवं प्रत्येक सप्ताह शनिवार को थाना दिवस के रूप में मनाया जाए जिसमें संबंधित थाना प्रभारी, अंचलाधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों को ससमय सुलझाएंगे।

बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योजना का सफल क्रियान्वयन करने व कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करते हुए योजना का क्रियान्वयन एवं विकास के कार्यों को गति प्रदान करने की बात कहीं।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी विभागीय योजनाओं में प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए गए लक्ष्यों के बारे में अब तक के कार्यों की जानकारी ली।उन्होंने कृषि पदाधिकारी को धान अधिप्राप्ति योजना के अंतर्गत 20 हजार किसानों को निबंधन करने हेतु निर्देशित किया ।

वहीं नगर परिषद को निर्देशित करते हुए शहर के शेडो एरिया में हाई मास्क लाईट लगाने को कहा गया जिससे रात के समय कोई अपराधिक घटनाएं ना हो।

भवन प्रमंडल के कार्यों कि समीक्षा कर सभी कार्यों को समय अनुकूल करने हेतु कहा गया वहीं भवन प्रमंडल को राधा नगर क्षेत्र में पुलिस बैरक का निर्माण हेतु प्रस्ताव समर्पित करने को कहा गया।

वन प्रमंडल विभाग की समीक्षा कर उपायुक्त ने तालझारी प्रखंड बीपीएचयू निमार्ण हेतु एन.ओ.सी. प्रदान करने से संबंधित लंबित मामलों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

समाज कल्याण विभाग के समीक्षा के क्रम में जिला में निर्माणाधीन 129 आंगनबाड़ी के कार्यों कि समीक्षा की एवं कार्य को ससमय पूर्ण करने को कहा गया।

बैठक में अधिग्रहण, अतिक्रमण वाद,भूमि विवाद, राजस्व, आपदा व उनके स्तर से किए जाने वाले कार्यों पर संबंधित पदाधिकारियों के समन्वय से कार्य त्वरित गति से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा उपायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों का कायाकल्प एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ लाभार्थियों को देना सुनिश्चित करेंगे। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ सभी सुयोग्य लाभुक तक अवश्य पहुंचे व सभी प्रखंडों में दिनांक 07 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सभी प्रखंड में आयुष्मान कैंप लगाए जाएंगे जिसमें युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, जिला परियोजना निदेशक ITDA संजय कुमार दास,उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अंगार नाथ स्वर्णकार, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल कपिल कुमार, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन प्रवीन कुमार संथालिया, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव , जिला सुचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार हर्ष, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा, सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सभी अंचलाधिकारी, सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

68वीं राष्ट्रीय विद्यालय अंडर 19 कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जिले के 02 खिलाड़ी एवं 01 टीम मैनेजर रवाना

टीम के साथ आरती कुमारी, रिया कुमारी एवम मैनेजर बिरेंद्र कुमार रांची से हरियाणा के लिए हुए रवाना

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया एवम हरियाणा सरकार द्वारा आगामी 07 से 11 दिसम्बर तक हरियाणा के भिवानी शहर में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय अंडर 19 कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आरती कुमारी एवम रिया कुमारी (+2 उच्च विद्यालय,कोदरजन्ना) 27 से 05 दिसम्बर तक रांची में आयोजित विशेष कैंप के उपरान्त रांची से हरियाणा के लिए रवाना हो गए।

वहीं +2 उच्च विद्यालय कोदरजन्ना, साहेबगंज के शारीरिक शिक्षक बिरेंद्र कुमार झारखंड राज्य टीम के साथ मैनेजर का दायित्व का निर्वहन करने के लिए टीम के साथ हरियाणा रवाना हुए ।

उपायुक्त हेमंत सती, जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार झा,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा, जिला ओलम्पिक संघ के राजेश यादव, माधव चंद्र घोष, कल्याण श्रीवास्तव, संतोष उर्फ टिंकू, खेल विभाग के प्रशिक्षक योगेश यादव,अशोक साहनी,निमाई चौधरी,आदित्य कुमार, बमबम कुमार प्रभारी प्रधानाध्यापिका वंदना कुमारी,सोने लाल,आलोक कुमार,चंदन कुमार, प्रणव शर्मा, तोहिद आलम, महफूज सुभाषित, कुमार, संतोष कुमार,नवनीत कुमार सोनू ,अरुण कुमार दास,गौरव झा समेत जिले वासियों ने बेहतर प्रदर्शन हेतु जिले के दोनों खिलाड़ियों एवं मैनेजर को शुभकामना दी ।

साहिबगंजः ट्रेड यूनियन चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान, वोटिंग जारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंजः ट्रेड यूनियन के मान्यता प्राप्त संगठनों को लेकर बृहस्पतिवार के दूसरे दिन चुनाव के तहत सुबह 8:00 बजे से मतदान शुरू हुआ और शाम 6:00 बजे तक बैलेट पेपर से वोट डाले गए। दूसरे दिन भी मतदान में रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाले। नॉर्थ कॉलोनी के लिए रेलवे इंस्टीट्यूट बूथ नंबर-6 जबकि गेस्ट हाउस में बूथ नंबर-7 बनाए गए हैं। जानकारी के अनुसार पहले दिन 40 फीसदी मतदान हुआ। बूथ नंबर-6 पर 782 में 304, बूथ नंबर 7 पर 840 में 359 मतदाताओं ने वोट डाले। चुनाव आयुक्त के रूप में मालदा के सीनियर डीईएन-टू विद्युत मंडल की निगरानी में चुनाव कराया जा रहा है। वहीं दोनों बूथों पर क्रमशः पोलिंग अधिकारी के रूप में एएमई साहिबगंज पीके सिंह व एईई/टीआरडी एस हेंब्रम मौजूद रहे। रेलवे के अनुसार शाम 4 बजे तक लगभग 42% वोट डाले जा चुके थे। वहीं वोटिंग शुक्रवार को भी जारी रहेगी। चुनाव अधिकारी के नेतृत्व में 100 मीटर की दूरी पर प्रवेश निषेध था। केवल मतदाता ही मतदान केंद्र पर जाकर वोट डालने जा रहे थे। सुरक्षा व्यवस्था के रूप में आरपीएफ इंस्पेक्टर क्रिस्टोफर किस्कू व उप निरीक्षक सरोज कुमार दलबल के साथ मतदान केंद्र पर मौजूद थे। ट्रेड यूनियन से मान्यता प्राप्त करने के लिए पांच संगठन मैदान में हैं, जिनमें ईस्टर्न रेलवे मेंस कांग्रेस, ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन, ईस्टर्न रेलवे कर्मचारी यूनियन, ईस्टर्न रेलवे तृणमूल मेंस कांग्रेस व ईस्टर्न रेलवे कर्मचारी संघ शामिल हैं। वहीं सभी संगठन के सदस्यों द्वारा मतदाताओं को पर्ची वितरण कर सभी सुविधा उपलब्ध करायी जा रही थी।

अलीनगर में बम फूटने की घटना से लोगों में दशहत

मोहल्ले के लोगों की शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः नगर थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड के समीप स्थित अलीनगर में बुधवार की देर रात तकरीबन 12 बजे बम फटने की घटना घटित हुई, जिससे वहां काफी देर तक भय और अफरातफरी माहौल रहा। मामले को लेकर मोहल्ले के आधा दर्जन से अधिक लोगों ने इसकी लिखित शिकायत नगर थाना में की है। मिली शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन में शुरू कर दी है। प्रभारी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार महतो की अगुवाई में पुलिस टीम घटनास्थल में पहुंचकर मामले की छानबीन की। मोहल्ले के मो. रजाक एवं मो. सफीउल्लाह ने बताया कि बीती रात तकरीबन 12 बजे घर की खिड़की पर तेज रोशनी के साथ एक जोरदार धमाका

की आवाज सुनाई पड़ी। जिसे वेलोग काफी भयभीत हो गए। कुछ देर बाद उन लोगों ने हिम्मत जुटाकर जब वहां छानबीन किया तो पाया कि वहां कोई बम को फोड़ा गया था, हालांकि इस घटना में किसी प्रकार का जानमाल का नुकसान नहीं हुआ लेकिन इस घटना से मोहल्ले के लोग काफी भयभीत हैं। बताया कि दीपावली के दौरान भी कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा उन लोगों के घर की खिड़की पर रखकर एक बम को फोड़ा गया था, उस समय भी वेलोग काफी भयभीत हुए थे। इधर पुलिस के अनुसार मिली शिकायत पर मामले की छानबीन में शुरू कर दी गई है। मोहल्ले में लगे सीसीटीवी को ढूंढा जा रहा है, ताकि उसके सहारे वैसे असामाजिक तत्वों की खोज कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

बाल विकास परियोजना कार्यालय बरहेट में आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए स्वेटर का किया गया वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः अर्पित आनंद

बरहेट/ साहेबगंज : गुरुवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय बरहेट में प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी की सेविकाओं के बीच स्वेटर वितरण किया गया । बता दें कि स्वेटर वितरण प्रखंड के 252 केंद्रों की सेविकाओं को आंगनबाड़ी केंद्र में जाने वाले बच्चों के लिए किया गया । उपस्थित सेविकाओं के बीच कुल12500 स्वेटर उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही महिला पर्यवेक्षिका द्वारा सेविकाओं को निर्देश दिया गया कि सभी अपने-अपने आंगनबाड़ी केंद्रों में दो दिनों के अंदर बच्चों को स्वेटर वितरण करें. इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे ने कहा कि सरकार ठंड को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी केंद्र में पहुंचने वाले बच्चों के लिए निशुल्क स्वेटर उपलब्ध करा रही है. ताकि ठंड से बच्चों को राहत मिले. इसलिए समय और स्वेटर के महत्व को समझते हुए बच्चों के बीच स्वेटर वितरण में विलंब ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए ।

इस मौके पर महिला पर्यवेक्षिका फुल मुनी मरांडी ,नूतन ठाकुर,सुमित्रा देवी के अलावा अन्य आंगनबाड़ी केंद्र के सेविका मौजूद थी।

योगेंद्र को मंत्री बनाए जाने पर माकपा कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया (बोकारो) : गोमिया विधानसभा के विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो के मंत्री पद की शपथ लेने पर माकपा गोमिया प्रखंड कमेटी की ओर से उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी गईं। गुरुवार को एक बैठक के दौरान माकपा नेताओं ने कहा कि यह गोमिया विधानसभा के लिए गौरव की बात है कि गोमिया विधानसभा के नेतृत्व को झारखंड के मंत्रिमंडल में शामिल किया जा रहा है। बहुत लंबे अरसे से गोमिया विधानसभा के निर्वाचित विधायक को मंत्री बनने का मौका नहीं मिला था।

श्री महतो की कार्यशैली से प्रभावित होकर झारखंड सरकार में उन्हें मंत्री बनने का मौका मिला है। बधाई देने वालों में माकपा राज्य सचिव मंडल के सदस्य रामचंद्र ठाकुर, जिला सचिव मंडल के सदस्य प्रदीप कुमार विश्वास, श्याम सुंदर महतो, जिला कमेटी सदस्य राकेश कुमार, विनय महतो, गोमिया प्रखंड सचिव बिनय स्वर्णकार समेत माकपा नेता लखन महतो, सहदेव महतो, राजेंद्र प्रजापति, अरुण प्रजापति, पुराण मांझी, भोला स्वर्णकार, शंकर प्रजापति, केशु कमार, अजय कुमार, घनश्याम महतो, भुनेश्वर महतो, गौतम पांडे, धनेश्वर सिंह, शंकर यादव आदि शामिल हैं।

झारखंड पुलिस चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी महासंघ के कार्यालय का हुआ शुभारंभ

जिले के एसपी सह प्रभारी जैप कमांडेंट ने फीता काटकर किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः सुजीत कुमार

साहिबगंजः झारखंड पुलिस चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी संघ के साहिबगंज शाखा के कार्यालय का शुभारंभ कार्यालय परिसर में हुआ। इसका उद्घाटन जिले के एसपी सह प्रभारी जैप कमांडेंट अमित कुमार सिंह नारियल फोड़ने के बाद फिता काटकर किया। इस दौरान कर्मचारी संघ के शाखा अध्यक्ष पंकज ठाकुर की अगुवाई में पूजा अर्चना भी की गई। कार्यक्रम के दौरान संघ के सदस्यों की ओर से एसपी सह कमांडेंट मोमेंटो देने के बाद शॉल ओढाकर सम्मानित किया गया। दरअसल झारखंड पुलिस चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी संघ के सहायक की कार्यालय के निर्माण को लेकर तकरीबन 7 - 8 साल पूर्व इसकी आधारशिला तत्कालीन जप कमांडेंट हरिनारायण महली ने रखी थी। बाद में संघ के सदस्यों के सहयोग सेधीरे-धीरे इस कार्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया। मौके पर संघ के शाखा अध्यक्ष पंकज ठाकुर ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यालय का शुभारंभ होने से कर्मचारियों का वर्षों का सपना पूरा हो चुका है। संघ के सदस्य अब यहां बैठकर अपनी समस्याओंसे संघ के बढ़िया पदाधिकारी को अवगत करा सकेंगे, ताकि उन

समस्याओं को विवाह के बढ़िया पदाधिकारी के समक्ष रखा जा सके। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि कार्यालय का उद्घाटन जिले एसएसपी सह प्रभारी जैप कमांडेंट के कर कमलों के द्वारा हुआ है। कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद जिले के एसपी सह जैप कमांडेंट अमित कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्यालय विभाग के कर्मचारी के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। यहां से संघ के पदाधिकारी जो भी समस्याओं को विभाग के बड़े पदाधिकारी के समक्ष रखेंगे उनके समाधान के लिए वे लोग उसे उचित फार्म पर रखकर उनकी समस्याओं का समाधान करवाने का पूरा पूरा प्रयास करेंगे।

मौके पर बतौर अतिथि संघ के प्रदेश अध्यक्ष बलराम ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष कपिलेश्वर गोप और दिलीप गुप्ता, प्रदेश संगठन मंत्री विशाल चौधरी, प्रदेश संयोजक लक्ष्मण कुमार, प्रदेश संयुक्त मंत्री सुनील मालदी, शाखा मंत्री जीतन किस्कू, शाखा कोषाध्यक्ष विजय ठाकुर, संयुक्त मंत्री जयप्रकाश सुमन, संगठन मंत्री कृष्ण कुमार दोपायन, मुख्यालय प्रतिनिधि मनोज यादव समेत संघ के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

संजय यादव को मंत्री बनाए जाने पर राजद नेता मुन्ना यादव ने दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः गोड्डा राजद विधायक संजय प्रसाद यादव को झारखंड मंत्रिमंडल में शामिल किये जाने पर शहर के मछुआ सोसाइटी में राजद के प्रदेश महासचिव मुन्ना यादव के नेतृत्व में राजद कार्यकर्ताओ ने आपस में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों का इजहार किया।इस मौके पर झारखंड राजद प्रदेश सचिव मुन्ना यादव ने मीडिया से बातें करते इंडिया गठबंधन के नेताओं को बधाई दी।साथ ही राहुल गांधी,हेमंत सोरेन,कल्पना सोरेन,राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के सभी नेताओं को धन्यवाद दिया।वही मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजद नेता मुन्ना यादव ने कहा कि गोड्डा विधायक संजय यादव के जिम्मे जो भी विभाग सरकार निर्धारित करेगी।श्री यादव झारखंड की जनता की सेवा शत प्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करेंगे।मौके पर राजद जिला महासचिव सोनू यादव,नीतीश यादव,आनंद सिंह,आदित्य सिंह, छोटू यादव,प्रीतम कुमार,नीतीश यादव,विकास चौबे,मुन्ना कुरैशी, अमन सिंह समेत दर्जनों आरजेडी महागठबंधन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

बीएसएल पर्यावरण, सामाजिक और शासन सिद्धांतों पर कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बीएसएल के एसएमएस -2 एवं सीसीएस विभाग में ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) सिद्धांतों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा धृति नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक अरविन्द कुमार ने की। महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथि का स्वागत किया और आधुनिक व्यावसायिक परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) सिद्धांतों पर जागरूकता के लिए कार्यशालाओं

की एक श्रृंखला शुरू की गई है। कार्यशाला का उद्देश्य टिकाऊ और जिम्मेदार व्यवसाय प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यशाला में एसएमएस -2 एवं सीसीएस विभागों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने ईएसजी सिद्धांतों पर एक प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी और एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के महाप्रबंधक अशोक तिवारी तथा राहुल तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अफ्रीका के कैमरून में फंसे है झारखंड के 47 प्रवासी मजदूर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया (बोकारो) : झारखंड के प्रवासी मजदूरों के विदेश में फंसे होने का मामला एक बार फिर सामने आया है। इस बार अफ्रीका के कैमरून में झारखंड के 47 प्रवासी मजदूर फंसे हैं। इनमें गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिले के मजदूर शामिल हैं। बता दें कि झारखंड के 47 प्रवासी मजदूर कैमरून में फंसे हैं। पिछले 4 महीने से इन मजदूरों को कंपनी द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण मजदूरों के सामने खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर अपनी दुर्दशा बताई और सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है। प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकन्दर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों की सकुशल वतन वापसी के लिए ठोस कूटनीतिक पहल करने की मांग करते हुए कहा कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी कई बार प्रवासी मजदूर अधिक पैसे कमाने की लालच

में विदेश जाकर फंस चुके हैं। इससे पूर्व कैमरून से 27 मजदूरों की काफी मशक्कत के बाद उनकी वतन वापसी कराई गई। इसके बावजूद प्रवासी मजदूर पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं। सरकार को मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए रोजगार की व्यवस्था की आवश्यकता है।

हजारीबाग (बिष्णुगढ़) के ये मजदूर फंसे- रेवतलाल महतो (जोबर), कमलदेव कुमार महतो (जोबर), विजय कुमार महतो (जोबर), जय नारायण कुमार महतो (जोबर), उमेश महतो (जोबर), राजेंद्र कुमार (नागी), चिंतामणि महतो (अम्बाटांड़), भागीरथ महतो (अम्बाटांड़), प्रेमचंद महतो (अम्बाटांड़), पिंटू कुमार महतो (अम्बाटांड़), दशरथ महतो (खरकी), सुरेश महतो (मडमों), मनोज कुमार महतो (सिरैय), बलदेव महतो (बलकमक्का), रोहित महतो (केंदुवाडीह), टेकलाल महतो (बसरिया), निर्मल महतो (बसरिया), छोटी यादव (बसरिया).

भूखलाल महतो (बसरिया), किशोर कुमार (बसरिया), योगेंद्र महतो (बसरिया), रामचंद्र महतो (बसरिया), निर्मल यादव (बसरिया), लोकनाथ यादव (बसरिया), हीरालाल मांझी (चलकरी), धानेश्वर किस्कु (लमकीटांड), मनोज मरांडी (दुमुहान), अशोक महतो (गोविंदपुर), भुवनेश्वर महतो (गोविंदपुर), भरथ महतो (बंदखारों), दिनेश टुडू (चानो)

बोकारो (गोमिया) के फंसे हैं ये मजदूर- खिरोधर महतो (मुंगो), नारायण महतो (मुंगो), नीलकंठ महतो (सीधाबारा), महेश महतो (नरकंडी), राजेश कुमार महतो (तुसको), रोहित महतो (तिसकोपी), द्वारिका महतो (तुईयो) सत्येंद्र कुमार महतो (रजडेरवा), छोटन टुडू (नावडंडा), छोटन किस्कू (नावडंडा), गणेश महतो (बड़की सीधाबारा), चेतलाल महतो (बड़की सीधाबारा), चंद्रदेव महतो (बड़की सीधाबारा), संतोष महतो (नावाडीह)

गिरिडीह (बगोदर) से दो मजदूर- गिरिडीह के बगोदर निवासी रूपलाल महतो (महुरी) तथा मुकेश महतो (हेंसला) अफ्रीका में फंसे हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

जनता को परेशान कर राजस्व जुटाने में लगी राज्य सरकार: सीपी सिंह

रांची, एजेंसी। रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार अब जनता को परेशान कर राजस्व जुटाने में लगी है। रांची के सैकड़ों लोगों ने मुझसे शिकायत की है कि मामूली गलती पर भी धड़ाधड़ ऑनलाइन ट्रैफिक चालान काटे जा रहे हैं। किसी का 9, किसी का 12 चालान काटे जा रहे हैं। कुछ लोगों ने बताया कि उन्हें 15 से 20 हजार रुपए तक का चालान अब तक मिल चुका है। सवाल यह उठता है कि क्या केवल कचहरी चौक, किशोरगंज चौक, रातु रोड चौक जैसे कुछ इलाकों को चिह्नित कर ही चालान काटे जा रहे हैं या फिर रतन टॉकिज, कर्बला चौक और कांटाटोली चौक पर भी ऐसे ही चालान काटे जा रहे हैं? यह सरकार का जनता पर सीधा हमला है। अगर सरकार को राजस्व चाहिए, तो पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से काम करे, न कि जनता को लूटने का यह घटिया तरीका अपनाए। जनता सब देख रही है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के फ्लाइंग किस ने गिरिडीह को किया क्रेजी

गिरिडीह, एजेंसी। बॉलीवुड को कई हिट फिल्में देने वाली अभिनेत्री करिश्मा कपूर की एक झलक पाने के लिए गिरिडीह के लोग उमड़ पड़े। एक शो रूम के उद्घाटन में आईं करिश्मा कपूर ने फ्लाइंग किस दी, तो वहां मौजूद लोग दीवाने हो गए। सीटियां बजाने लगे। इस दौरान करिश्मा कपूर की बड़ी बहन करिश्मा कपूर, जिन्हें लोग प्यार से लोलो बुलाते हैं, ने गिरिडीह की खूब तारीफ की। कहा कि यहां आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। लोगों का भरपूर प्यार मिला। कार्यक्रम में अभिनेत्री ने 'हीरो नंबर वनज' गाने पर डांस करके सबका दिल जीत लिया। कुछ देर के लिए प्रशासन को सदर अस्पताल से जरासंध चौक तक ट्रैफिक रोक देनी पड़ी। करिश्मा के मंच पर पहुंचते ही दर्शकों ने तालियों से उनका स्वागत किया। अभिनेत्री ने दर्शकों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

20 लाख चोरी कांड का रामगढ़ पुलिस ने किया खुलासा, मध्यप्रदेश से अपराधी गिरफ्तार

रामगढ़, एजेंसी। 20 लाख रुपया चोरी कांड का रामगढ़ पुलिस ने खुलासा किया है। एसपी अजय कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश से घटना में शामिल अपराधी आकाश धानक को गिरफ्तार किया। सोमवार को एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि बीते 29 नवंबर की रात रामगढ़ थाना क्षेत्र में रहने वाले वेब्स रेस्टुरेंट के मालिक संजीव कुमार चड्ढा के घर का अलमीरा तोड़कर नगद करीब 20 लाख रूपया और सोने, चांदी, हीरे के जेवरात की चोरी कर ली गयी थी। मामले के खुलासे के लिए एसपी ने एक टीम का गठन किया और पुलिस की टीम को जांच के लिए मध्य प्रदेश का सागर जिला भेजा गया। पुलिस की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग आकाश धानक को गिरफ्तार किया। उसके पास से 14।31 लाख रूपया और जेवरात को बरामद किया गया है।

मंईयां सम्मान योजना में बरती जा रही लापरवाही : बाबूलाल मरांडी

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंईयां सम्मान योजना में व्याप्त लापरवाही की ओर बुधवार को हेमंत सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। साथ ही कहा कि मंईयां योजना के भुगतान में भी भारी लापरवाही बरती जा रही है।मरांडी ने कहा कि पिछले दो दिनों से धनवार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर रहा हूं। इस दौरान धनवार प्रखंड के कोड़ादीह, जगदीशपुर सहित एक दर्जन से भी ज्यादा अन्य गांवों की अधिसंख्य महिलाओं ने अपनी समस्याओं को साझा किया। अधिकांश महिलाओं ने कहा कि वे मंईयां सम्मान योजना के लाभ से वे अब तक वंचित हैं। कई पात्र महिलाओं के फॉर्म भरे ही नहीं गए हैं, जिसके कारण उन्हें योजना का कोई लाभ नहीं मिल पाया है। मरांडी ने कहा कि इसके अतिरिक्त वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन भी कई महीनों से लंबित है। राशन वितरण में भी भारी अनियमितता की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध किया कि धनवार विधानसभा क्षेत्र सहित राज्य के दूसरे इलाकों में भी विशेष शिविर का आयोजन कर मंईयां सम्मान योजना से वंचित सभी महिलाओं के फॉर्म भरे जाएं और उन्हें योजना का भुगतान ससमय दिया जाए।

सर्व सनातन समाज का बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में धरना-प्रदर्शन

लोहरदग्गा, एजेंसी। लोहरदगा के समाहरणालय मैदान में सर्व सनातन समाज के तत्वावधान में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्व सनातन समाज के संयोजक मनोज दास ने बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर किये जा रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक है।

बांग्लादेश सरकार केवल मूक दर्शक बनी हुई है

बांग्लादेश सरकार केवल मूक दर्शक बनी हुई है। यह चिंता का विषय है। बांग्लादेश सरकार को तुरंत कार्रवाई करना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए दीपक कर्मकार ने कहा कि आज संपूर्ण विश्व को इस विषय पर चिंता करनी चाहिए। अमेरिका को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। मनोज पांडे ने कहा कि बांग्लादेश के निर्माण में भारत का भरपूर योगदान रहा है, आज बांग्लादेश इस बात को भूल गया है। वहां रह रहे अल्पसंख्यकों पर जिस तरह हिंसा की जा रही है, यह पूरा विश्व देख रहा है, यह निंदनीय है।

सारे विश्व के हिंदुओं को एक होने की आवश्यकता है। सनातन धर्म पर प्रहार अब हम नहीं सहेंगे। लक्ष्मी नारायण भगत ने कहा कि अल्पसंख्यकों पर प्रहार बंद होना चाहिए कट्टरपंथी उग्रवादियों को समाप्त करना चाहिए। महिला प्रतिनिधि कलावती ने कहा कि मानव बांग्लादेश में जो हो रहा है। यह घोर चिंता का विषय है। सभा को आर्य समाज के शरद चंद्र आर्य, पूर्व विधान पार्षद प्रवीण कुमार सिंह, सुषमा सिंह ने संबोधित किया, कार्यक्रम के बाद लोहरदगा उपायुक्त को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम पर ज्ञापन सौंपा गया।

धरना प्रदर्शन में उपस्थित सदस्य

समाहरणालय मैदान पर आयोजित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में संजय बर्मन, स्वामी चैतन्य ब्रह्मचारी, अजय मित्तल, दीपक शर्राफ, लाल ओंकार नाथ शाहदेव, सुमित साहू, रोहित साहू, प्रवीण ठाकुर, अशोक कुमार सिंह, आदित्य साहू, बिंदिया देवी,सतीश पांडे, अजय सोनी, अजय सोनी, उमेश कांस्यकार, अजय मित्तल, प्रमेंद्र सिंह, प्रणव कुमार पाठक, देवेंद्र मंडल, विपुल विक्रांत ठाकुर, सीताराम साहू, लाल विकास नाथ शाहदेव, उत्तम सिंह, लाल विवेक नाथ शाहदेव, देवाशीष कार, ब्रजमनी पाठक, प्रमोद नाथ, विपिन कुमार दास, सुरेश चंद्र पांडे, सुरेश लोहार, मनोहर मोदी, मुकेश साहू, संतोष कुमार, विकास कुमार, विक्की साहू, सामेला भगत, नवीन कुमार टिंकू, छवि सिंह, बालकृष्णा सिंह, किनेश्वर महतो, सचिदानंद लाल अग्रवाल समेत अन्य लोग मौजूद थे।

रांची डीसी ने कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा की, कई दिशा निर्देश जारी किये

रांची, एजेंसी। डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बुधवार को समाहरणालय में बैठक कर कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में परियोजना निदेशक, समेकित जनजाति विकास अभिकरण रांची संजय कुमार भगत, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी एवं कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य और सभी सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीसी ने साइकिल वितरण, वित्तीय वर्ष- 2024-25 प्री मैट्रिक छात्रवृति, शहीद ग्राम विकास योजना एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, कल्याण विभागीय छात्रावास (एसटी/एससी/अल्पसंख्यक) के मरम्मती एवं जीर्णोद्धार की क्रमवार समीक्षा करते हुए सम्बंधित सभी पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डीसी ने साइकिल वितरण वित्त वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 का वितरण में तेजी लाने का निर्देश सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को देते हुए कहा की छात्रों को विद्यालय आने- जाने में कोई परेशानी ना हो इसके लिए साइकिल वितरण में तेजी लायें।

छात्रवृति प्री मैट्रिक (वित्त वर्ष 2024-25) को लेकर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को निर्देश : डीसी ने छात्रवृति प्री मैट्रिक (वित्त वर्ष 2024-25) की समीक्षा करते हुए विद्यालय द्वारा ई कल्याण में पंजीकृत छात्र/छात्राओं को अपने स्तर से अनुमोदन कराने के लिए सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया ताकि छात्रवृति का भुगतान ससमय किया जा सकें।

शहीद ग्राम विकास योजना : शहीद ग्राम विकास योजना की समीक्षा करते हुए डीसी ने सम्बंधित पदाधिकारी को इसके तहत निर्माणाधीन शहीद आवास को जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की समीक्षा करते हुए डीसी ने इस योजना के तहत प्राप्त होने वालें आवेदन को जल्द से जल्द डीएलसी की बैठक करते हुए लाभुकों को चिकित्सा लाभ से लाभान्वित कराने का निर्देश दिया गया।

डीसी ने कल्याण विभागीय छात्रावास (एसटी/एससी/अल्पसंख्यक) के मरम्मती एवं जीर्णोद्धार की क्रमवार समीक्षा करते हुए कहा की मरम्मती योग्य छात्रावास की जल्द से जल्द मरम्मती करवाने को कहा। साथ ही कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य ने डीसी को कई समस्या से अवगत कराया।

भारतीय नौसेना दिवस पर झारखंड नौसेना यूनिट वन एनसीसी ने रैली निकाली

रांची, एजेंसी। झारखंड नौसेना यूनिट वन एनसीसी रांची ने बुधवार को भारतीय नौसेना दिवस मनाया। कार्यक्रम में यूनिट ने एक मोटरसाइकिल रैली आयोजित की। रैली मोरहाबादी मैदान से शुरू होकर हरमू चौक, रेडिसन ब्लू होते हुए कांटाटोली फ्लाईओवर होते हुए अपने गंतव्य खेलगांव में समाप्त हुई। इस कार्यक्रम में कुल 170 कैडेट, 15 नौसेना सैनिक और 10 सेवानिवृत्त नाविक शामिल हुए। रांची यातायात विभाग ने रैली को समुचित सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन औपचारिक केक काटने के साथ हुआ कैडेटों को जीवन में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया।

झारखंड नेवी एनसीसी झारखंड राज्य की एकमात्र नौसेना इकाई है। यह यूनिट खेलगांव सोसायटी में स्थित है और 2100 कैडेटों को प्रशिक्षण प्रदान करती है। इकाई पतरातू में जल प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन करती है।

यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट एसके अवस्थी ने बताया कि जब कैडेटों को भारतीय नौसेना रैली में भाग लेने के लिए चुना गया तो वे गर्व और उत्साह से भरे हुए थे। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान कराची बंदरगाह पर बमबारी की याद में भारत नौसेना दिवस मनाया जाता है। कराची का जलना पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका साबित हुआ था और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए विवश होना पड़ा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 16 दिसंबर तक व्यक्तिगत उपस्थिति से मिली छूट, झारखंड हाई कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बुधवार को झारखंड हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका एमपी-एमएलए कोर्ट से खारिज किए जाने के मामले की सुनवाई बुधवार को हाई कोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने 16 दिसंबर तक समन अवहेलना मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एमपी-एमएलए कोर्ट में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट प्रदान की है। मामले के सुनवाई हाई कोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की बेंच में हुई। अदालत ने मामले में ईडी से जवाब मांगा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश को रद्द करने का आग्रह करते हुए हाई कोर्ट में मंगलवार को याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई हुई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट से संबंधित सीआरपीसी की धारा 205 के तहत दाखिल पिटीशन को एमपी-एमएलए मामले के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की बेंच ने खारिज कर दिया था। साथ ही हेमंत सोरेन को मामले में व्यक्तिगत रूप से चार दिसंबर को बुलाया है, जिसे हेमंत

सोरेन ने हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए इस आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया है। मामले में हेमंत सोरेन के खिलाफ उपस्थिति को लेकर एमपी-एमएलए कोर्ट से समन जारी है।

क्या है मामला

ईडी ने समन की अवहेलना करने के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में 19 फरवरी को शिकायत वाद दर्ज कराया था। इस पर गत चार मार्च को सीजेएम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए संज्ञान लिया था और मुकदमा चलाने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत को बताया था कि जमीन की खरीद-बिक्री मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को दस बार समन जारी किया था। आठवें समन पर 20 जनवरी और दसवें समन पर 31 जनवरी को ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे। ईडी का कहना है कि आठ समन पर उपस्थित नहीं होना समन की अवहेलना है। गत तीन जून को सीजेएम कृष्णकांत मिश्रा ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था।

गुमला में भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत

गुमला, एजेंसी। जिले के बसिया अनुमंडल मुख्यालय के थाना गेट के समीप बुधवार की देर रात भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

बताया जा रहा है कि बसिया चेक नाका के समीप खड़े बीड़ी पत्ता लोड ट्रक को कार ने पीछे से टक्कर मार दी,जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। सभी मृतक पिस्का मोड़ हेसल देवी मंडपरोड के रहने वाले है। सभी रांची से सिमडेगा शादी समारोह में शामिल होने गए थे ,जहाँ से लौटने के क्रम में यह हादसा हुआ है। मृतकों में प्रवीण कुमार, रतन घोष व पवन साहू है। जबकि विश्वजीत घोष एवं असीम घोष घायल है। बताया जा रहा है कि सभी लोग एक ही कार में रांची से सिमडेगा शादी समारोह में गए थे। शादी समारोह संपन्न होने के बाद सभी रांची लौट रहे थे तभी बसिया के समीप खड़े ट्रक से उनकी कार जा टकरायी। रात को ही पुलिस पहुंची और सभी को उठाकर अस्पताल ले गयी, जहाँ डॉक्टर ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बारात लौटने के दौरान कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी : घटना के संबंध में बताया जा रहा है, कि रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र स्थित देवी मंडप रोड से बुधवार की शाम सिमडेगा बारात गयी थी। बारात लौटने के दौरान देर रात कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी,। जिसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

शहरी क्षेत्र में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए टास्क फोर्स के गठन को लेकर डीसी ने बैठक की

रांची, एजेंसी। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बुधवार को समाहरणालय में शहरी क्षेत्र में विभिन्न जल स्रोतों के संरक्षण हेतु अतिक्रमण मुक्त एवं प्रदूषण मुक्त कराने हेतु टास्क फोर्स का गठन से संबंधित बैठक आयोजित की। बैठक में एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी राजकुमार मेहता एवं एसडीओ उत्कर्ष कुमार, अपर नगर प्रशासक रांची (नगर निगम रांची) संजय कुमार, उप समाहर्ता सह प्रभारी जिला विधि शाखा रांची संजय कुमार उपस्थित थे।

जल स्रोतों के आस-पास अतिक्रमण हटाने का निर्देश : डीसी ने सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को विभिन्न जल स्रोतों के आस-पास अतिक्रमण

हटाने एवं प्रदूषण को रोकने के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्र के सभी जल स्रोतों की उनके मूल नक्शा के आधार पर उनका आकार चिन्हित करते हुए जल क्षेत्र की भूमि तथा के आसपास की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, झारखंड भवन उप विधि का उल्लंघन कर बनाये गये अवैध निर्माण को चिन्हित करने को कहा गया।

अतिक्रमण मुक्त कराये गये क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन किया जाये : अतिक्रमण मुक्त कराये गये क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन किया जाये ताकि दोबारा इस क्षेत्र पर अतिक्रमण होने पर आसानी से इसे चिन्हित किया जा सके एवं इसे अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं नगर प्रबंधक की व्यक्तिगत जवाब देने निर्धारित की जाये। इनके द्वारा ऐसे क्षेत्रों का नियमित अंतराल पर निरीक्षण किया जाये एवं अधिग्रहण की स्थिति ये जाने पर तत्काल संबंधित वरीय पदाधिकारी को रिपोर्ट करने को कहा।

डीसी ने सभी सम्बंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहाकि शहरी क्षेत्र में विभिन्न जल स्रोतों के संरक्षण हेतु अतिक्रमण मुक्त एवं प्रदूषण मुक्त कराने के लिए सभी सम्बंधित जगह से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया जिसमें भूसूर नदी, हिनू, कांके डैम एवं सभी जगह जहां अतिक्रमण हैं वहां पर कार्रवाई करें।

दीक्षांत समारोह में ऑनर्स टॉपरों को मिलेगा गोल्ड मेडल

धनबाद, एजेंसी। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में अंडर ग्रेजुएट (यूजी) में हर विषय के ऑनर्स टॉपर को भी गोल्ड मेडल दिया जायेगा। इस निर्णय को यूजी सत्र 2018 -21 से लागू किया जायेगा। इस सत्र के विद्यार्थियों को जनवरी में होने वाले दीक्षांत समारोह में डिग्री सर्टिफिकेट दिया जायेगा। इनके साथ ही यूजी सत्र 2019- 22 और 2020-23 में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को भी डिग्री दी जायेगी। यह निर्णय बुधवार को कुलपति प्रो राम कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई दीक्षांत समारोह कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। साथ ही यूजी जेनरल के हर संकाय के टॉपर को भी गोल्ड मेडल देने का निर्णय लिया गया। इससे पहले केवल ओवर ऑल यूजी टॉपर (बेस्ट ग्रेजुएट) को ही गोल्ड मेडल दिया जाता रहा है। इधर पीजी में हर विषय के टॉपर, एलएलबी, एमबीबीएस, बीएड, एमएड और सभी यूजी स्तर के अलग अलग वोकेशनल कोर्स के टॉपर को भी गोल्ड मेडल दिया जायेगा। जनवरी में होने वाले दीक्षांत समारोह में इस वर्ष 200 से अधिक गोल्ड मेडल टॉपर छात्रों को दिये जाएंगे। परीक्षा विभाग को जल्द हर कोर्स में विषय वार गोल्ड मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की सूची तैयार करने को कहा गया है।

बीबीएमकेयू का दूसरा दीक्षांत समारोह जनवरी 2025 के अंत तक आयोजित किया जाएगा। इससे पहले विवि परिसर में बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए इच्छुक छात्रों को रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

बालिका गृह में चार वर्षों से चल रहा था यौन शोषण का खेल

पलामू, एजेंसी। पलामू बालिका गृह में नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण का मामला सामने आने के बाद इसके संचालक रामप्रताप गुप्ता और महिला काउंसलर प्रियंका कुमारी को जेल भेज दिया गया है। प्रशासन ने बालिका गृह को सील कर यहां की बच्चियों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया है। सीडब्ल्यूसी व जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पर कार्रवाई की गयी है। इस बीच सीडब्ल्यूसी जिला बीस सूत्री की उपाध्यक्ष विमला कुमारी ने बुधवार को सनसनीखेज खुलासा करते हुए कहा कि पलामू बालिका गृह में पिछले चार वर्ष से यौन शोषण का खेल चल रहा था।

जांच के बाद कार्रवाई के लिए शिकायत की गयी थी, लेकिन पलामू के तत्कालीन डीडीसी व डीएसडब्लूओ ने कार्रवाई के नाम पर केवल कोरम पूरा किया था। इस मामले में दोनों की भूमिका संदेहास्पद है। ऐसे में इन दोनों की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। उन्होंने बालिका गृह और कस्तूरबा विद्यालय की निगरानी के लिए स्पेशल कमेटी बनाने की मांग की।विमला ने पत्रकारों को बताया कि बालिका गृह के संबंध में कई शिकायतें मिली थीं। 16 मार्च 2023 को बालिका गृह की जांच की थी, जिसमें कई गड़बड़ियां पाई गई थीं।

लेकिन पलामू की तत्कालीन समाज कल्याण पदाधिकारी संध्या रानी ने अपने स्तर से जांच कर बालिका गृह को क्लीन चिट दे दी थी। तब तत्कालीन डीसी तक मामले को पहुंचाया गया। डीसी ने डीडीसी से जांच रिपोर्ट मांगी, लेकिन डीडीसी ने मामले को रफा-दफा कर दिया। जांच के क्रम में डीडीसी ने कुछ कागजात और सीसीटीवी का डीबीआर जब्त किया था। उसकी भी जांच की जाए। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ वहां की वार्डन को हटाने का निर्देश बालिका गृह को दिया गया था।

विमला ने बताया कि एक बच्ची जिसके दो और नाबालिग भाई-बहन थे, उसे गढ़वा से रेस्क्यू कर डालटनगंज के दिव्यांग स्कूल में रखा गया था। किसी कारण से स्कूल बंद होने के बाद दोनों बच्ची को बालिका गृह में रखा गया, जब बच्ची बालिग हो गयी तो उसे किसी अंजान व्यक्ति के हाथों शादी के नाम पर पैसे लेकर बेच दिया गया, जबकि कानूनी रूप से अनाथ बच्ची होम में रहते हुए अगर बालिग होती है, तो उसके कानूनन अभिभावक एसडीओ या डीडीसी होते हैं, लेकिन इसकी अनदेखी की गयी।

5 माह पहले 2 सगी बहनें हुई थीं फरार

बीस सूत्री उपाध्यक्ष विमला ने कई अन्य घटना क्रम पर भी सवाल उठाये और बालिका गृह को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने बताया कि पांच महीने पहले बालिका गृह से दो नाबालिग सगी बहनें फरार हो गयी थीं। दोनों को अघोर आश्रम रोड से बरामद किया गया था। बड़ी बहन के साथ बालिका गृह में दुराचार हुआ था। छोटी बहन इसकी प्रत्यक्षदर्शी थी। दो दिन बाद उसकी मौत हो गयी। मामले को रफा-दफा करके पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिर्गी बता दिया गया। इसकी पुनः जांच होनी चाहिए। विमला कुमारी ने इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से की है, ताकि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो।

इंडिया गठबंधन के आगे गंभीर प्रश्न

लोकसभा चुनाव में जो नुकसान हुआ, अब ऐसा लगता है कि अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इससे इंडिया गठबंधन के आगे अपनी भूमिका तय करने का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। इंडिया गठबंधन के सामने कठिन प्रश्न हैं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से यह सवाल गहरा गया है कि क्या ये गठबंधन बनने के डेढ़ साल बाद भी अपना कोई साझा उद्देश्य तय कर पाया है? हर चुनाव से पहले शामिल दलों के बीच सीटों को लेकर धींगामुश्ती, मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा पेश कर पाने के मुद्दे पर मतभेद और चुनाव अभियान में समन्वय का अभाव आम कहानी बन गया है। गठबंधन बनने के बाद नवंबर- दिसंबर 2023 में जब पहले चुनाव हुए, तो दलों का मनमुटाव खुल कर जाहिर हुआ। लोकसभा चुनाव में जरूर चीजें कुछ संभलती नजर आईं, लेकिन जैसे ही बात हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की आई, पुरानी खींचतान उभर आई। किसी साझा न्यूनतम कार्यक्रम की जरूरत तो गठबंधन ने आरंभ से ही नहीं समझी। नरेंद्र मोदी- अमित शाह से मुक्ति की चाहत के अलावा उनके बीच किसी मुद्दे और सहमति की तलाश करना कठिन बना रहा है। ऐसी नकारात्मक राजनीति कभी कारगर नहीं होती। लोकसभा चुनाव में बिजली चमकने जैसी उम्मीद जगी, तो उसके पीछे भी उनके अपने प्रयासों का कम ही योगदान था। अब ऐसा लगता है कि तब जो नुकसान हुआ, अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इसका बड़ा कारण यह है कि इंडिया गठबंधन यह संदेश देने में नाकाम है कि उसके पास देश के विकास एवं आम जन की बेहतरी का कोई बेहतर एजेंडा है। इसके अभाव में गठबंधन महज सीटों के तालमेल का माध्यम बन कर रह जाता है। इस रूप में कुछ खास परिस्थितियों में यह प्रयास लाभदायक हो सकता है, लेकिन सत्ता पक्ष के लिए कोई गठबंधन कोई निर्णायक चुनौती पेश नहीं कर पाएगा। महाराष्ट्र का चुनाव नतीजा आने के बाद गठबंधन के अंदर की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस आलोचना के केंद्र में आई है, तो उसकी भी ठोस वजहें हैं। बड़ी पार्टी होने का सिर्फ लाभ नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसे अब भी कांग्रेस नेतृत्व नहीं समझ पाया, तो पार्टी की भूमिका पर सवाल गहराते जाएंगे। वैसे अपनी-अपनी भूमिका से जुड़ा सवाल गठबंधन में शामिल सभी दलों के सामने है।

कार्बन न्यूट्रीलिटी के पक्ष में महत्त्वपूर्ण आकांक्षी कमीटमेंट

कॉप -29 पिछले दिनों समाप्त हो गया जिसकी आर्थिकी बहुत कुछ पेट्रोल के उत्पादन पर निर्भर है। इसने कॉप-29 में सारी आलोचनाओं के बीच भी तेल-गैस क्षेत्र का बचाव जारी रखा हुआ है। कॉप-28 भी ऐसे देश में ही हुआ था। दूसरी तरफ, भारत और चीन तथा अमेरिका कोयले को अपने आर्थिक विकास का इंजन बनाए हुए हैं। इसको वो निकट भविष्य में छोडऩे वाले भी नहीं हैं किंतु जलवायु संकट के बीच अधिकांश देशों की ही तरह यह यथार्थ उन्हें स्वीकारना होगा कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कारोबारी बिरादरी से अलग-थलग होने से बचने के लिए देर-सबेर उन्हें कार्बन न्यूट्रल होना ही पड़ेगा। यूरोपियन संघ, जापान, कोरिया गणतंत्र सहित 110 से ज्यादा देशों ने 2050 तक कार्बन न्यूट्रीलिटी पाने की वचनबद्धता व्यक्त की हुई है। चीन 2060 तक ऐसा कर लेगा। भारत 2070 तक ही ऐसा कर पाएगा। यूरोपियन यूनियन तो उन आयातों पर भी कार्बन टैक्स लगाने का सोच रहा है, जिनके निर्माण में थ्रेशहोल्ड वैल्यू से ज्यादा उत्सर्जन होता है। ऐसे में मजबूरन ही सही विभिन्न देश अपने-अपने यहां जीवाश्म ईंधन के उपभोग, उपयोग, उत्पादन पर कड़े से कड़े नियम लागू कर रहे हैं। डिकाबरेनाइजेशन या कार्बनरहित होना इसलिए भी आवश्यक है कि वैकि तापक्रम बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेलसियस पर ही बांधने की महती जरूरत के बाद भी कोयला समेत फोसिल ईंधनों के लगभग निर्बाध उपयोग की छूट सभी चाहते हैं। हालांकि आईपीसीसी का मानना है कि पृथ्वी का गरम होना कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के आनुपातिक होता है। वर्तमान में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता बढ़ती जा रही है। अमेरिका की संस्था एनओएए के अनुसार मई, 2023 में वायुमंडल में मासिक कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता रिकार्ड ऊंचाई पर पूर्व औद्योगिककाल की सघनता से पचास प्रतिशत ज्यादा थी। विश्व में 85 प्रतिशत ऊर्जा जीवाश्म ईधनों कोयला, पेट्रोलियम और गैस से प्राप्त की जाती है। पेट्रोलियम और गैस से जुड़े उद्योग तो हैं किंतु लोहा, इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेंट, बिजली, हाइड्रोजन, उर्वरक, रसायन के उद्योग भी कार्बन इंटेंसिव हैं। स्टील, सीमेंट, रसायन क्षेत्र के उद्योगों से वायुमंडल में करीब बीस प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड पहुंचता है। बड़ी-बड़ी उत्सर्जन कटौतियों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड को तो वायुमंडल से हटाना ही पड़ेगा परंतु पेड़ों के जिम्मे ही कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने का काम सौंप कर हम जलवायु संकट की व्यापकता और गहनता का सामना नहीं कर सकते। वृक्ष चूंकि कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग फोटोसिंथेसिस और बायोमास बढ़ाने में करते हैं, इसलिए वे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड हटाने में प्रभावी रहते हैं। इनसे जमीन के भीतर कार्बन भंडारण भी होता है। बहुत ज्यादा बायोमास बढ़ाना पड़ेगा। जंगलों में आग लगने जैसी घटनाएं भी होती हैं। हालांकि बड़ी-बड़ी कंपनियां, एयरलाइंस आदि भी जंगलों से कार्बन कैप्चर का ही सहारा ले रही हैं। अपनी ग्रीनहाउस गैसों के एमिशन को न्यूट्रलाइज करने यानी नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य पाने के लिए इसी का सहारा ले रही हैं। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ताओं का नेतृत्व करने के लिए घोषित कॉप-28 के मनोनीत अध्यक्ष यूएई के उद्योग एवं एडवांस टैक्नोल़ॉजी मंत्री डॉ. सुल्तान-अल-जबेर का बिना लाग लपेट यह कहना रहा कि जलवायु गणित जोडज़ाड़ से कुछ खास नहीं होता, यदि उसमें कार्बन कैप्चर की प्रक्रियाएं शामिल नहीं हैं। वैकल्पिक ऊर्जा के सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग भी गर्मी कम करने में कारगर नहीं हो सकते। 11 मई, 2023 को 1500 से ज्यादा वैकि पॉलिसी निर्माताओं, इंडस्ट्रियल लीडर्स, इनोवेटर्स को यूएई क्लाइमेट टेक कॉन्फ्रेंस में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था : हमें तेजी से उन तकनीकी समाधानों को ढूंढना होगा जो आर्थिकी को डिकाबरेनाइज करें।

आम्बेडकर, समरसता और संघ

डॉ. सौरभ मालवीय

देश में सामाजिक समता एवं सामाजिक न्याय के लिए प्रमुखता से स्वर मुखर करने वालों में डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर का नाम अग्रणी है। उन्होंने बाल्यकाल से ही अस्पृश्यता का सामना किया था। विद्यालय से लेकर नौकरी तक उन्होंने भेदभाव का दंश झेला। इससे उनकी आत्मा चीत्कार उठी। उन्होंने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने देशभर की यात्रा की तथा दलितों के अधिकारों के लिए स्वर मुखर किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अस्पृश्यता के उन्मूलन के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि सेवक बनकर ही कोई बड़ा कार्य किया जा सकता है। इसलिए वह कहते थे- "एक महान आदमी एक आम आदमी से इस तरह से अलग है कि वह समाज का सेवक बनने को तैयार रहता है।" डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने सामाजिक समरसता का जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभियान चला रहा है। वास्तव में संघ अपने स्थापना काल से ही सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगवार ने सामाजिक समरसता, एकता, अखंडता एवं सशक्त समाज के निर्माण के उद्देश से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उनका कहना था कि हमारा निश्चय एवं स्पष्ट ध्येय ही हमारी प्रगति का मूल कारण है। हम लोगों को हमेशा सोचना चाहिए कि जिस कार्य को करने का हमने प्रण किया है, और जो उद्देश्य हमारे सामने है, उसे प्राप्त करने के लिए हम कितना कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक अधिकारी एवं शिक्षक को प्रत्येक के मन में यह विचार भर देना चाहिए कि मैं स्वयं ही संघ हूं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने चरित्र पर विचार करना चाहिए। अपने चरित्र को कभी भी कमजोर व क्षीण न होने दें। आप इस भ्रम में न रहें कि लोग हमारी ओर नहीं देखते। वे हमारे कार्य तथा हमारे व्यक्तिगत आचरण की ओर आलोचनात्मक दृष्टि से देखते हैं। हमें केवल अपने कार्य में व्यक्तिगत चाल-चलन की दृष्टि से सावधानी नहीं बरतनी चाहिए, अपितु सामूहिक एवं सार्वजनिक जीवन में भी इसका ध्यान रखना चाहिए। वह कहते थे कि बिना कष्ट उठाए और बिना स्वार्थ त्याग किए, हमें कुछ भी फल मिलना असंभव है। अपने समाज में संगठन निर्माण कर उसे बलवान तथा अजेय बनाने के अतिरिक्त हमें और कुछ नहीं करना है। इतना कर देने पर सारा कार्य स्वयं ही हो जाएगा। हमें आज सताने वाली सारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। अनुशासन अपने संगठन की नींव है, इसी पर हमें विशाल इमारत को खड़ा करना है। किसी भी भूल से यदि नींव जरा सी भी कच्ची रह गई, तो इमारत का उस ओर का भाग ढल जाएगा। इमारत में दरार पड़ जाएगी और आखिर में वह संपूर्ण इमारत ढह जाएगी। जीवन में निस्वार्थ भावना आए बिना खरा अनुशासन निर्माण नहीं होता। सामाजिक समरसता के बारे में उनका कहना था कि संघ का लक्ष्य भारत राष्ट्र को पुनः परम वैभव तक ले जाना है। समरसता के बिना, समता स्थायी नहीं हो सकती, और दोनों के अभाव में राष्ट्रीयता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारा कार्य अखिल हिंदू समाज के लिए होने के कारण, उसके किसी भी अंग की उपेक्षा करने से काम नहीं चलेगा। सभी हिंदू भाइयों के साथ फिर वह किसी भी उच्च या नीच श्रेणी के समझे जाते हों, हमारा व्यवहार हर एक से प्रेम का होना चाहिए। किसी भी हिंदू भाई को नीच समझकर उसे दुत्कारना पाप है। वह कहते थे कि संघ का कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए हमें लोक संग्रह के तत्वों को भली भांति समझ लेना होगा। संघ केवल स्वयंसेवकों के लिए नहीं, अपितु संघ के बाहर जो लोग हैं, उनके लिए भी है। हमारा यह कर्तव्य हो जाता है कि उन लोगों को हम राष्ट्र के उद्धार का सच्चा मार्ग बताएं। वयोवृद्ध लोगों का संघ कार्य में काफी महत्वपूर्ण स्थान है। वे संघ के महत्वपूर्ण कार्यों का दायित्व उठा सकते हैं। यदि प्रौढ़ लोग अपने प्रतिष्ठा और व्यवहार कुशलता का उपयोग संघ कार्य किए तो करें, तो युवा अधिक उत्साह से कार्य कर सकेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को उत्साह और हिम्मत से आगे आना चाहिए, और संघ कार्यों में जुट जाना चाहिए। इस समाज को जागृत एवं संगठित करना ही राष्ट्र का जागरण एवं संगठन है। यही राष्ट्र धर्म है। ध्येय पर अविचल दृष्टि रखकर, मार्ग में मखमली बिछौने हो या कांटे बिखरे हों, उनकी चिंता न करते हुए निरंतर आगे ही बढ़ने को दृढ़ निश्चय वाले क्रियाशील तरुण खड़े करने पड़ेंगे। पूर्ण संस्कार दिए बिना, देशभक्ति का स्थाई स्वरूप निर्माण होना संभव नहीं है तथा इस प्रकार की स्थिति का निर्माण होने तक सामाजिक व्यवहार में प्रमाणिकता भी संभव नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ने सामाजिक समरसता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि समरसता के लिए आत्मग्लानि दूर करने के लिए आत्मबोध को जगाना पड़ेगा, स्वार्थ के स्थान पर निस्वार्थ भाव का निर्माण करना पड़ेगा। सभी भेदों को भुलाकर एकात्मकता का भाव जागृत करना पड़ेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। महात्मा गांधी भी संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्होंने वर्ष 1934 में वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शिविर देखा था, जिसमें सभी जातियों के लोग सम्मिलित हुए थे। इसमें दलित समाज के लोग भी थे। उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था कि आपके संगठन में अस्पृश्यता का अभाव देखकर मैं बहुत संतुष्ट हूं। इसी प्रकार डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्हें वर्ष 1939 में पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अनुभव किया कि शिविर में सभी जातियों के लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसमें दलित समाज के लोग भी सम्मिलित थे। शिविर में सबके साथ समान व्यवहार किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हमारे पवित्र धार्मिक ग्रंथों में समरसता का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। भगवदगीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा है- "पंडिताः समादर्शिनः" अर्थात विद्वान सबको समान दृष्टि से देखते हैं। कहने का अभिप्राय है कि विद्वान सबको समान मानते हैं तथा वे किसी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करते। भीमराव आम्बेडकर समानता पर सर्वाधिक बल देते थे। वह कहते थे कि अगर देश की अलग-अलग जातियां एक दूसरे से अपनी लड़ाई समाप्त नहीं करेंगी, तो देश एकजुट कभी नहीं हो सकता। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते , हमारे पास यह आजादी इसलिए है ताकि हम उन चीजों को सुधार सकें, जो सामाजिक व्यवस्था, असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी है जो हमारे मौलिक अधिकारों के विरोधी हैं। एक सफल क्रांति के लिए केवल असंतोष का होना ही काफी नहीं है अपितु इसके लिए न्याय, राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों में गहरी आस्था का होना भी बहुत आवश्यक है। राजनीतिक अत्याचार सामाजिक अत्याचार की तुलना में कुछ भी नहीं है और जो सुधारक समाज की अवज्ञा करता है, वह सरकार की अवज्ञा करने वाले राजनीतिज्ञ से ज्यादा साहसी हैं। जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता हासिल नहीं कर लेते तब तक आपको कानून चाहे जो भी स्वतंत्रता देता है वह आपके किसी काम की नहीं। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते हैं तो सभी धर्म-शास्त्रों की संप्रभुता का अंत होना चाहिए। भीमराव आम्बेडकर ने दलित समाज के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उनका कहना था कि आप स्वयं को अस्पृस्य न मानें, अपना घर साफ रखें। पुराने और घिनौने रीति-रिवाजों को छोड़ देना चाहिए। हमारे पास यह आजादी इसलिए है ताकि हम उन चीजों को सुधार सकें जो सामाजिक व्यवस्था, असमानता, भेद-भाव और अन्य चीजों से भरी हैं जो हमारे मौलिक अधिकारों की विरोधी हैं। राष्ट्रवाद तभी औचित्य ग्रहण कर सकता है, जब लोगों के बीच जाति, नस्ल या रंग का अंतर भुलाकर उसमें सामाजिक भ्रातृत्व को सर्वोच्च स्थान दिया जाए। वह कहते थे कि आदि से अंत तक हम सिर्फ एक भारतीय है। हम जो स्वतंत्रता मिली हैं उसके लिए क्या कर रहे हैं? यह स्वतंत्रता हमें अपनी सामाजिक व्यवस्था को सुधारने के लिए मिली हैं। जो असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी हुई है, जो हमारे मौलिक अधिकारों के साथ संघर्ष करती है। स्वोतंत्रता का अर्थ साहस है, और साहस एक पार्टी में व्यक्तियों के संयोजन से पैदा होता है। वह यह भी कहते थे कि देश के विकास के लिए नौजवानों को आगे आना चाहिए। पानी की बूद जब सागर में मिलती है तो अपनी पहचान खो देती है। इसके विपरीत व्यक्ति समाज में रहता है पर अपनी पहचान नहीं खोता। इंसान का वन स्वतंत्र है। वह सिर्फ समाज के विकास के लिए पैदा नहीं हुआ, अपितु स्वयं के विकास के लिए भी पैदा हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि हम लोगों को समझना चाहिए कि लौकिक दृष्टि से समाज को समर्थ, सुप्रतिष्ठित, सद्धर्माघिष्ठित बनाने में तभी सफल हो सकेंगे, जब उस प्राचीन परंपरा को हम लोग युगानुकूल बना, फिर से पुनरुज्जीवित कर पाएंगे। युगानुकूल कहने का यह कारण है कि प्रत्येक युग में वह परंपरा उचित रूप धारण करके खड़ी हुई है। कभी केवल गिरि-कंदराओं में, अरण्यों में रहने वाले तपस्वी हुए तो कभी योगी निकले, कभी यज्ञ-यागादि द्वारा और कभी भगवद्-भजन करने वाले भक्तों और संतों द्वारा यह परंपरा अपने यहां चली है।

सुगम्य भारत अभियान : नौ वर्षों की प्रगति की झलक और आगे की राह

अरमान अली

इससे बेहतर संयोग नहीं हो सकता है, जैसे ही हम अति महत्वाकांक्षी सुगम्य भारत अभियान (सुगम्य भारत अभियान) के नौ साल पूरे होने का उत्सव मनाने, विश्लेषण करने और उस पर विचार करने की तैयारी कर रहे हैं, ठीक उसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया जो इसके उद्देश्य को मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 नवंबर को केंद्र सरकार को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 40 के तहत अनिवार्य नियम बनाने का निर्देश दिया। यह निर्देश जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक स्थान और सेवाएं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों, भारत की समावेशिता की खोज को नया प्रोत्साहन प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में उत्साह और दूरदर्शिता के साथ सुगम्य भारत अभियान की शुरुआत की गई। अभियान का उद्देश्य देशभर में दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित और सुखद/अनुकूल वातावरण तैयार करना है। साथ ही परिवहन प्रणालियों और सूचना और संचार पारिस्थितिकी तंत्र में पहुंच सुनिश्चित करना है। यह अपनी तरह का पहला राष्ट्रव्यापी प्रयास था, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से टियर 1 शहरों में 50 सबसे महत्वपूर्ण भवनों और टियर 2 शहरों में 25 प्रमुख भवनों को पूर्ण रूप से सुगम्यता के लिए लक्षित किया गया था। मुझे राज्यों के मुख्य सचिवों द्वारा बुलाई गई कई उच्च-स्तरीय बैठकों में भाग लेने की बातें याद हैं। उन बैठकों में विभागों को प्रगति की निगरानी करने और अपने-अपने क्षेत्रों में सुगम्यता उपायों को अपडेट करने का काम सौंपा गया था। इन सत्रों ने सरकार के इरादे की गंभीरता को सुदृढ़ किया और ऐसी परिवर्तनकारी पहल के लिए आवश्यक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। चंडीगढ़ जैसे शहर जो अपनी बेहतर शहरी योजना के लिए जाने जाते हैं और भुवनेश्वर जो अपनी सुलभता पहल के लिए प्रसिद्ध हैं, इस अभियान के प्रेरक उदाहरण के रूप में उभरे कि इस अभियान द्वारा क्या हासिल किया जा सकता है। फिर भी अपने अभूतपूर्व दृष्टिकोण के बावजूद इस अभियान को विशेष रूप से राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सुगम्यता राज्य का विषय है, ऐसे में इसके कारण कार्यान्वयन का अधिकांश बोझ राज्यों पर पड़ता है, जिनमें से कई राज्यों को महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। सीमित जवाबदेही तंत्र और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी ने प्रगति को और बाधित किया। अभियान के महत्वाकांक्षी लक्ष्य कई क्षेत्रों में पूरे नहीं हुए जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को फिर से तैयार करना और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देना। समय पर सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से इस मिशन में नई तात्कालिकता आ गई। सिफारिशों को कानूनी अधिदेशों में परिवर्तित करके कोर्ट का निर्णय यह सुनिश्चित करता है कि सुगम्य भारत अभियान को गति खोने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

आगे बढऩे को लेकर व्यक्तिगत दृष्टिकोण–अभियान की यात्रा पर विचार करते हुए मेरा मानना है कि सुगम्य भारत 2.0 को स्वच्छ भारत अभियान जैसी सफल पहल के समान एक मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इसके दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए मजबूत

हितधारक जुड़ाव, स्पष्ट जवाबदेही तंत्र और प्राप्त करने योग्य समयसीमा महत्वपूर्ण हैं। प्रोत्साहन परिवर्तन के प्रमुख संचालक होंगे। उदाहरण के लिए विश्वविद्यालय एनएएसी मान्यता के लिए सुगम्यता को एक मानदंड बना सकते हैं, जबकि उद्योग, स्थानीय सरकार और सार्वजनिक संस्थानों को सार्वभौमिक डिजाइन सिद्धांतों को अपनाने के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। अभियान का फोकस भौतिक बुनियादी ढांचे से लेकर उत्पादों, सेवाओं और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तक होना चाहिए। निजी क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को पूरा करने की अपार संभावनाएं हैं। कंपनियां अपने कार्यालयों, उत्पादों और सेवाओं में समावेशी डिजाइन सिद्धांतों को अपना सकती हैं, जबकि दिव्यांग लोगों के संगठन (डीपीओ) के साथ साझेदारी दिव्यांग लोगों की जरूरतों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि या जानकारी प्रदान कर सकती है। सुगम्यता को सामाजिक प्रतिबद्धता और व्यावसायिक रणनीति दोनों के रूप में पहचानना परिवर्तनकारी होगा।

चिंतन से कार्रवाई तक–नौ वर्षों के सुगम्य भारत अभियान ने एक मजबूत नींव रखी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आकांक्षा से कार्रवाई की ओर बढऩे का एक स्पष्ट आह्वान है, जिससे सुगम्यता को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है। सफलता के लिए हमें हर स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को श्रेणीबद्ध तरीके से रणनीति बनानी चाहिए, नागरिक समाज संगठनों को इसे बढ़ावा देना चाहिए, निजी क्षेत्र को नवाचार करना चाहिए और सुगम्यता में निवेश करना चाहिए। साथ ही मीडिया को इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने पिछले कुछ वर्षों में सुगम्य भारत अभियान को विकसित होते देखा है, मैं इसकी क्षमता के प्रति काफी आशान्वित हूं। कार्यान्वयन, हितधारक गठबंधन और सतत प्रगति पर अधिक ध्यान देने के साथ सुगम्य भारत 2.0 एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन सकता है। एक ऐसे भारत का सपना जहां सुगम्यता केवल एक आदर्श नहीं है बल्कि सभी के लिए एक वास्तविकता है - अगर हम दृढ़ संकल्प और उद्देश्य के साथ इस क्षण का लाभ उठाते हैं।

लेखक कार्यकारी निदेशक (एनसीपीईडीपी) नई दिल्ली हैं

शब्द पहेली - 8333

■	1		2	■	3			4
5	■	■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	■	
24				■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8332 का हल

■	स	ज	ग	■	ह	सी	न	■
वा	दा	■	र	■	म	■	व	ध
प	■	फि	ल	हा	ल	■	■	मा
सी	र	त	■	नि	■	रु	ब	ल
■	■	र	ज	■	न	ख	■	■
नी	जा	त	■	जो	■	सा	हि	ल
र	■	■	क	र	ता	र	■	ह
व	श	■	स	■	मी	■	ता	जा
■	क	ल	म	■	ल	की	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेष राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। संतान के साथ रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज आपको पैतृक सम्पति मिल सकती है। आज आपको किसी पुराने स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा। आज आपका काम आसानी से पूरा होगा। कॉमर्स फील्ड के छात्रों को आज कुछ नया सीखने को मिलेगा... आपका ज्ञान बढेगा।

वृष राशिः आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। आज परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान कैंसिल होने की सम्भावना है। पारिवारिक सुख- सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों कों गति देंगे, अपनी योजना में जोडऩे के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है।

मिथुन राशिः आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। अपने गोल को अचीव करने के लिए आप कड़ी से कड़ी मेहनत करने का संकल्प करेंगे और पूरा करने के लिए आज से ही जुट जायेंगे, आज आपके अंदर अलग ही जोश दिखेगा। आज बाहर का ज्यादा मसालेदार खाना खाने से आपको बचना चाहिए। आज आपके बड़े भाई आपसे किसी इम्पोर्टेन्ट टॉपिक पर चर्चा करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपको किसी से दूरसंचार से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते है आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप दूसरों की हरसंभव मदद करेंगे। पारिवारिक जीवन में ताल मेल बना रहेगा। आज के दिन परिवार के साथ बाहर डिनर करने का प्लान बनायेंगे। आज आप अपनी डेली रूटीन में बुक पढऩे की हैबिट डाल सकते है। साहित्य के क्षेत्र में आपका रुझान हो सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। परिवार वाले आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे। छात्र एक शहर से दूसरे शहर शिक्षा ग्रहण करने जा सकते हैं। पैतृक संपत्ति से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। लम्बे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए चेंजेस भी कर सकते हैं। समाज में आपके द्वारा किए गए कार्यों की काफी सराहना होगी।

तुला राशिः आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशिया लाया है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बेवजह उलझने से बचें। आज संयम रखने से रुकी योजनायें सफल होंगी। डीप्रेशन की समस्या से आपको काफी हद तक आराम मिलेगा। आज आप कोई नई भाषा सीखने के बारे में विचार करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिये बहुत ही बढिय़ा रहने वाला है। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाईयों कों छुएंगे। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप को नई धार्मिक जगह का सुख प्राप्त होगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जायेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी अन्य व्यक्ति की दखल अंदाजी अपने जीवन में ना होने दें नहीं तो रिश्तो में समस्याएं आ सकती है। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे। अपने माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। आज आप कुछ निजी मामलो में थोड़ा भावुक हो सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे, जिससे पूरा दिन आपके अंदर पाजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे... वह समय से पूरा हो जायेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे, आपकों सफलता मिलेगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिवारजन आपसी सामजस्य द्वारा घर की किसी समस्या का समाधान निकालने में सक्षम रहेंगे, परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे, जहाँ आपको काफी शांति महसूस होगी। सेहत को फिट रखने के लिए मॉर्निंग वाक आपके लिए फायदेमंद साबित होगा इससे आप दिन भर तरोताजा महसूस करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को ख़ुशी होगी। आज आपको किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचना चाहिए, यह आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा ।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❋; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❋समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

जमुई में जदयू पार्टी दो हिस्सों में बटा : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह और पूर्व एमएलसी आमने सामने

जमुई, एजेंसी। जमुई में इन दिनों जदयू पार्टी दो भागों में बंटता हुआ दिख रहा है। एक और बिहार सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह है। तो दूसरी ओर पूर्व एमएलसी संजय सिंह आमने-सामने है। इसको लेकर जिले के चकाई प्रखंड में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसका नेतृत्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह कर रहे थे। दूसरी ओर पूर्व एमएलसी संजय सिंह 7 दिसंबर को श्री कृष्णा सिंह स्टेडियम के मैदान में होने वाले जदयू सम्मेलन की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग बैठक कर कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे है। वहीं दोनों नेताओं की ओर से अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जुटाया जा रहा है। वहीं बुधवार की देर शाम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह ने एमएलसी संजय सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यहां जल्द ही विधानसभा प्रभारी आ रहे है। जल्द ही सब कुछ साफ हो जाएगा।

छत से पानी गिरने पर मां-बेटे की हत्या : मुजफ्फरपुर में पड़ोसी ने दोनों को 5 गोलियां मारीं

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में छत से पानी गिरने को लेकर मां-बेटे की हत्या कर दी गई। नाली और छत से पानी गिरने को लेकर रोहित और जानकी देवी का पड़ोसी से विवाद हुआ था। बुधवार को रोहित और उसकी मां घर में अकेले थे। वार्ड पार्षद पिता मदन साह अपने बड़े बेटे के पास रांची गए थे। विवाद के दौरान पड़ोसियों ने फायरिंग कर दी, जिसमें 3 गोली रोहित कुमार और उसकी मां जानकी देवी को 2 गोली लग गई। घटना सदर थाना क्षेत्र के पताही गांव के हरि टोला की है। ये हत्या बुधवार देर रात हुई है। गोली लगने के बाद दोनों को परिजन अस्पताल लेकर भागे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दोनों को शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। डबल मर्डर के बाद से आरोपी पड़ोसी फरार हैं। सिटी एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि देर शाम को सूचना मिली कि दो पक्षों में लड़ाई हुई है। इसमें एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के लोगों पर फायरिंग की गई है। गोली लगने की वजह से रोहित कुमार और उसकी मां की मौत हो गई है। घटना का प्रारंभिक कारण सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पानी को लेकर विवाद हुआ है। छत से पानी दूसरे पक्ष के घर पर गिरता है। दो-तीन दिन से दोनों पक्ष में लड़ाई भी हो रही थी।

ओरियप की टीम ने भागलपुर को 30 रन से हराया

भागलपुर, एजेंसी। श्यामपुर पंचायत के जान मोहम्मदपुर में पंचायत स्तरीय शैलेंद्र कुमार सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का बुधवार को छठा लीग मैच खेला गया। भागलपुर वार्ड नंबर 28/29 और ओरियप की टीमों के बीच मैच हुआ। इसमें ओरियप की टीम ने भागलपुर को 30 रन से हराया। टॉस जीतकर ओरियप की टीम ने बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 10 ओवर में तीन विकेट के नुकसान ओरियप की टीम ने 159 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाज़ी करने उतरी भागलपुर की टीम 10वें ओवर तक खेलकर छह विकेट के नुकसान पर 129 रन हीं बना सकी। ओरियप पंचायत की टीम 30 रन से विजयी हुई। ओरियप के दीपक को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। जिसने बल्लेबाजी करते हुए 17 बॉल पर 64 रन बनाए तो गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी झटके।

बेटी ने मां के खिलाफ डीआईजी से की शिकायत कहा- दहेज के झूठे केस में मेरे पति को फंसाया

चाचा मां को फुसलाकर पुराने केस का लेना चाहते बदला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में बेटी ने अपनी मां पर उसे और उसके पति को दहेज और मारपीट के केस में फंसाने का आरोप लगाया है। युवती ने बुधवार को डीआईजी को ज्ञापन सौंपा है। युवती का कहना है कि 3 साल पहले उसके परिवार वालों ने प्रेम प्रसंग के बाद सहमति से उनकी शादी कराई थी। अब चाचा और उनके परिवार के बहकावे में आकर 3 लाख दहेज मांगने और दामाद द्वारा मारपीट करने का झूठा केस दर्ज कराया है।

युवती का नाम शाहीन परवीन है। पति का नाम मो, जावेद है। ये जजुआर (कटरा) थाना क्षेत्र के नगवारा गांव के रहने वाले हैं। युवती शाहीन का कहना है कि उसकी शादी 3 साल पहले ही दोनों परिवारों के आपसी सहमति के बाद हुई। इस शादी में पंचनामा भी बना है। पंचनामा पर लड़की की मां अजमेरी खातून,चाचा मो. कैश और लड़के के अभिभावक मो. मुबारक सहित 6 अन्य गवाहों ने साइन किए थे।

भाग कर शादी करने का झूठा आरोप

अब मेरी मां ने मो. शहाबुद्दीन के बहकावे में आकर मेरे पति के ऊपर 2 दिसंबर को मुकदमा किया है। मां अजमेरी खातूव के दिए आवेदन में कहा गया है कि मैंने साल 2021 में अपने प्रेमी जावेद संग भागकर शादी कर ली थी। इसके बाद से मेरी मां ने मुझसे बातचीत बंद कर ली और हमसे नाता भी तोड़ लिया। क्योंकि समाज

में उनकी बदनामी हो गई थी। जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ था। मेरी मां ने आवेदन में कहा कि मेरी पति जावेद अब तीन साल बाद घर वापस आकर दहेज की डिमांड कर रहे और दहेज नहीं देने पर एक कट्ठा जमीन पर कब्जा कर लिया है। मेरी मां ने जजुआर थानाध्यक्ष पर भी मुकदमा लिखने के एवज में 20 हजार रुपए घूस लेने का आरोप लगाकर डीआईजी को आवेदन दिया है। मेरी मां यह सब गांव के ही मेरे चाचा मो.शहाबुद्दीन के बहकावे में आकर कर रही।

युवक के चाचा पर लड़की के चाचा ने किया था जानलेवा हमला

क्योंकि मो. शहाबुद्दीन कटरा थाने में केस संख्या 156/2017 में मुख्य आरोपी है। इस मामले में सुलह कराने के लिए मेरे चचेरे ससुर पर दबाव बनाने लगे। जब वो नहीं माने तो मेरी मां को बहला फुसलाकर थाने में केस कराकर फंसा दिया। यहां तक कि मेरी मां ने मुझे जो एक कट्ठा जमीन घर बनाने के लिए दिया था, उस पर बन रहे घर को अवरुद्ध कर दिया है।

पति ने कहा- सास ने ही दी थी जमीन : पति मो. जावेद ने बताया कि हमारी शादी गांव के रिवाज के अनुसार हुई थी। हमारी शादी दोनों के परिवार की सहमति से हुई थी। उस वक्त मेरे पिता शादी के खिलाफ थे। मुझे हर चीज से बेदखल कर दिया था। उस वक्त शाहीन की मां ने कहा था कि कुछ नहीं मिलेगा तो हमलोग एक कट्ठा जमीन में घर बनाकर देंगे। एक माह पहले भी शाहीन की मां तैयार थी। शाही के चाचा पर केस है, उसे लेकर ही विवाद हुआ है। आज डीआईजी के पास आए हैं और न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

2017 में लड़के के चाचा पर हुआ था अटैक

पूरे मामले की शुरुआत साल 2017 में केस नंबर 156/17 से हुई है। शाहीन का पति मो.जावेद इस केस का गवाह था। जावेद का चाचा मो.तैयाब 22 दिसंबर 2017 को अपने घर पर सुबह के वक्त पेपर पढ़ रहे थे।तभी लड़की के चाचा मो.सहाबुद्दीन ने सात लोगों के साथ दरवाजे पर चढ़कर जानलेवा हमला कर दिया। उसे मारा-पीटा और अधमरा कर छोड़ दिया। वहां मौजूद जावेद ने सब देख लिया। उसी में मो.जावेद पुलिस की तरफ से गवाह बना, जिसके बाद सुलह का दबाब बनाते हुए जावेद को धमकी दी कि केस में मेरे खिलाफ गवाही मत दो, नहीं तो अंजाम बुरा होगा। वही 7 साल बाद 2024 के अक्टूबर में लड़की के चाचा मो.सहाबुद्दीन के खिलाफ वारंट इशू हुआ है। इधर, मो.जावेद ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया और कहा कि वह गवाही देगा तब मो.जावेद के सास ससुर को बहला फुसलाकर बेटी-दामाद पर केस करवाने का आरोप है।

3 साल बाद घर लौटी बेटी तो शुरू हुआ मामला : तीन साल बाद जब वह घर लौटी तो पति के साथ दहेज की डिमांड कर रही है। नहीं देने पर उसके एवज में 22 नवंबर को एक कट्ठा जमीन पर कब्जा कर लिया। उस जमीन पर बालु सीमेंट गिराकर भवन निर्माण शुरू कर दिया है। शाहीन की मां अजमेरी खातून ने बताया था कि हमारी लड़की ने परिवार के खिलाफ होकर गांव के लड़के से शादी रचा ली। शादी के बाद अपने? प्रेमी के साथ रहने लगी। तीन साल बाद गांव लौटी है। दामाद मोहम्मद जावेद मना करने पर अपने लोगों के साथ मारपीट करता है। पुलिस भी कुछ कार्रवाई नहीं कर रही है। एफआईआर के बदले मोटी रकम की डिमांड की जा रही है।

पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप : लड़की के चाचा मोहम्मद सहाबुद्दीन ने बताया था कि लगातार सभी कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। स्थानीय पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है। लगातार परिजनों को मारा पीटा जा रहा है। कॉल करने पर भी पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंचती है। जबरन निजी जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। पुलिस बड़ी घटना का इंतजार कर रही है।

2 दिसंबर को मां तिरहुत डीआईजी के पास पहुंची थी

इस पूरे मामले को लेकर शाहीन परवीन की मां अजमेरी खातून ने 2 दिसंबर को तिरहुत ष्ठद्बत्त बाबू राम से मुलाकात कर आवेदन सौंपा था। इसमें जजुआर थाना के पुलिस पदाधिकारियों के ऊपर भी आरोप लगाए गए हैं। प्राथमिकी दर्ज करने के एवज में 20 हजार रुपए मांग करने की बात कही है। घटना जजुआर थाना क्षेत्र के नगवारा की है। पीड़िता ने गांव के ही 6 लोगों को आरोपी बनाया था। इसमें मो.शमीम, मो.जाकिर उर्फ कालिया, मो. जावेद, मो.तैयब, मो. नसीम, मो. राहत शामिल है। बताया कि तीन साल पहले शाहीन का उसके पड़ोसी जावेद से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बीच परिजनों को इस बात की भनक लगी। साल 2021 में वह अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई और शादी रचा ली। इस घटना से गांव और रिस्तेदारों के बीच बड़ी बदनामी हुई। इससे आहत होकर अजमेरी खातून ने बेटी से रिश्ता नाता तोड़ कर लिया था। यहां तक कि परिवार के लोगों ने बातचीत भी करना बंद कर दिया।

ट्रेनिंग में 3 बार बायोमेट्रिक अटेंडेंस बनाएंगे टीचर्स : पोस्टिंग वाले जिले में ही होगा सेवाकालीन प्रशिक्षण

पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का सेवाकालीन ट्रेनिंग कार्यरत जिलों में ही होगा। ट्रेनिंग की सूचना एक सप्ताह पहले ही शिक्षकों को दी जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान 3 बार बायोमेट्रिक अटेंडेंस बनाना होगा। इसके आधार पर ही शिक्षकों को ट्रेनिंग सर्टिफिकेट दिया जाएगा। जिन शिक्षकों का बायोमेट्रिक अटेंडेंस नहीं बनेगा, उनका प्रशिक्षण पूरा नहीं माना जाएगा। उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक को पत्र लिखा है। प्रशिक्षण परिषद के निदेशक सभी जिलों के डीईओ को निर्देशित करेंगे। पहले केवल 1 बार ही अटेंडेंस बनाना होता था। ऐसे में शिक्षक सुबह अटेंडेंस लगाने के बाद सेंटर से चले जाते थे। इसके साथ ही दूसरे जिलों में प्रशिक्षण होने की वजह से समस्या होती थी। ऐसे में बायोमेट्रिक अटेंडेंस सुबह, दोपहर और शाम तीन समय अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही पोस्टिंग वाले जिले के शिक्षा मुख्यालय में ही प्रशिक्षण के लिए सेंटर

निर्धारित किया गया है।

44243 की काउंसिलिंग पूरी, नियुक्ति पत्र मिलेगा : सक्षमता परीक्षा पास 44243 शिक्षकों की काउंसिलिंग पूरी हो गई है। सर्टिफिकेट, आधार नंबर, नाम, फोटो, थंब इंप्रेशन सहित अन्य का वेरिफिकेशन हो चुका है। अब उनको नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इससे पहले 20 नवंबर को 1.14 लाख शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देकर राज्य कर्मचारी बनाया गया था। लेकिन, 44243 शिक्षकों को मार्कशीट, आधार कार्ड सहित अन्य कारणों से काउंसिलिंग नहीं हो सकी थी।

भोजपुर में बालू घाट पर रास्ते को लेकर हुआ था विवाद

श्रीराम हत्याकांड में दो आरोपियों की गिरफ्तारी, पकड़े गए आरोपी को भेजा जेल

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के तीर्थकौल गांव के समीप बालू उठाव के लिए गए युवक की हत्या मामले में बुधवार को पुलिस ने दो नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान तीर्थकौल और नसरतपुर गांव निवासी अमित कुमार और निरंजन यादव के रूप में हुई है। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एसपी राज के अनुसार गिरफ्तार अमित कुमार का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध संदेश थाना में लूट एवं आर्म्स एक्ट के तीन केस मिले हैं। वो बालू घाट के रास्ते के संचालन से भी जुड़ा रहा है। कांड में अन्य की तलाश जारी है।

पिता ने बनाया आठ लोगों को नामजद आरोपित

एसपी ने बताया कि मृतक के पिता बलिराम सिंह ने संदेह जताते हुए आठ लोगों को नामजद आरोपित किया था। जिसके आधार पर पुलिस दोनों को पकड़ा है। शुरू से पुलिस की शक की सूई बालू घाट पर काम करने वाले संदिग्धों की ओर भी घूम रही थी। बता दें कि मृतक श्रीराम सिंह (20) संदेश थाना क्षेत्र के रेपुरा गांव निवासी बलिराम सिंह के पुत्र था। जिसके सिर और पीठ के भाग में गोली के जख्म का निशान पाया गया था। पुलिस को मृतक के पास से उसका मोबाइल और गोली का एक पिलेट भी मिला था। वो तीर्थकौल बालू घाट पर बालू लोडिंग करने का काम करता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद कांड के उद्भेदन के लिए सदर एएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया था। वैज्ञानिक व तकनीकी रूप से जांच चल रही थी। मृतक का पूर्व का आपराधिक इतिहास भी रहा था। मृतक पटना के बालू कारोबारी

देवराज हत्याकांड में वांछित था। परिजनों से मिली सूचना के अनुसार, प्रतिदिन की तरह श्रीराम सिंह रविवार की रात करीब नौ-दस बजे घर से खाना खाकर तीर्थकोल गांव स्थित बालू घाट पर बालू लोड करने के लिए निकला था। सोमवार की सुबह तीर्थकौल गांव स्थित सत्संग भवन के पीछेस्थित आम के बगीचे से शव बरामद किया गया था। विश्वास में ले जाकर हत्या करने की बात सामने आ रही है।

बड़े शहरों में जाम से निजात के लिए स्पेशल प्लान हाईकोर्ट सख्त, चीफ सेक्रेटरी को दिया आदेश

पटना, एजेंसी। बिहार के बड़े शहरों को अतिक्रमण और जाम से मुक्त किया जाएगा। अतिक्रमण हटाकर उसकी वीडियोग्राफी कराकर मुख्य सचिव (सीएस) को भेजनी होगी। इस अभियान की शुरुआत राजधानी पटना से की गई है। पटना को जाम, अतिक्रमण और अवैध खटाल समेत ऐसे अन्य सभी अवैध संरचनाओं को हटाने से संबंधित याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सख्त निर्देश दिया है। इससे संबंधित आदेश में मुख्य सचिव को खासतौर से हलफनामा दायर करने के लिए कहा गया है। पटना में जाम वाले इलाकों को चिह्नित कर यहां से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए इसकी वीडियोग्राफी कराने के लिए कहा है। साथ ही अलग-अलग समय में की गई इन चुनिंदा स्थानों की वीडियोग्राफी को कोर्ट में प्रस्तुत करना है। इससे पहले और बाद की स्थिति स्पष्ट हो सके। इसके अलावा उच्च न्यायालय ने

पटना में दोबारा संबंधित स्थानों पर अतिक्रमण न हो, इसके लिए प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी बनाने का भी आदेश दिया है। यह कमेटी निरंतर निगरानी और समन्वय स्थापित करने का काम करेगी। उच्च न्यायालय इस मामले में अगली सुनवाई 15 दिसंबर को करेगी। इस दिन मुख्य सचिव हलफनामा दायर करेंगे और अतिक्रमण हटाने, शहर में जाम की समस्या को दूर करने को लेकर की गई कार्रवाई से संबंधित पूरा ब्योरा स्पष्ट करेंगे। साथ ही यह भी बताएंगे कि सभी प्रमुख स्थानों से अतिक्रमण एवं सभी अवैध संरचना कब तक पूरी तरह से हटा दिया जाएगा। गृह विभाग की भूमिका इस पूरे मामले में समन्वय स्थापित करने की है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक : इस आदेश को आनन-फानन में लागू करने के लिए पूरा प्रशासन हरकत में आ गया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बुधवार को इससे संबंधित उच्च स्तरीय बैठक की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि पटना के प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक निगरानी एवं समन्वय कमेटी गठित की जाएगी। इसमें आईजी, डीएम, एसएसपी, नगर आयुक्त, एसपी ट्रैफिक समेत अन्य सभी संबंधित अधिकारी सदस्य होंगे। यह कमेटी यह सुनिश्चित करेगी कि जिन प्रमुख स्थानों से एक बार अतिक्रमण हटा दिया गया है, तो दूसरी बार यह नहीं लगे।

संदिग्ध हालत में नवविवाहिता की मौत : मुजफ्फरपुर में फंदे से लटकी मिली लाश

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र में एक महिला का संदिग्ध स्थिति में शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के मथुरापुर निवासी कुमोद कुमार की पत्नी संध्या कुमारी के रूप में की गई है। संध्या कुमारी का मायका सकरा थाना क्षेत्र के चासिमा गांव में है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात मृतक महिला की अपने पति से खाने को लेकर विवाद हुआ था। पति गुस्से में बाहर जा कर सो गया। जब सुबह देखा कि महिला का शव पंखे से लटकता मिला है। आठ माह पूर्व ही महिला की शादी सदर थाना क्षेत्र के कुमोद कुमार के साथ हुई थी। घटना के बाद मृतका के ससुराल के लोग घर छोड़कर फरार है।

फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर एसकेएमसीएच भेज दिया है। संध्या कुमारी के ससुराल पक्ष के परिजन विपिन कुमार ने बताया कि जब सुबह गांव मे मालूम पड़ा कि कुमोद कुमार की पत्नी ने आत्महत्या कर लिया है, जिसके बाद मौके पर पहुचा तो देखा की पंखे से शव लटका हुआ था, जिसके बाद सूचना मिली और पोस्मार्टम के लिए एसकेएमसीएच लाए। सदर थानाध्यक्ष अस्मित कुमार ने बताया है कि ससुराल पक्ष के लोग सभी घर छोड़कर फरार हो गए हैं। फिलहाल महिला के परिजनों ने कोई आवेदन नहीं दिया है। पुलिस जांच कर रही है।

सेना में हवलदार घायल बोला- डांसर्स के साथ अभद्रता का किया था विरोध ; बदमाशों ने 20-25 राउंड की फायरिंग

शादी में दुल्हन के भाई को मारी गोली

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के कोईलवर इलाके में बुधवार देर रात एक शादी में दुल्हन के भाई को गोली मार दी गई। दरअसल, बारात के स्वागत के लिए लड़की वालों की ओर से अर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था, जिसमें लेडी डांसर्स शामिल थीं। कुछ लड़के स्टेज पर चढ़कर डांसर्स के साथ अभद्रता करने लगे और हवाई फायरिंग करने लगे।

इसका विरोध करने पर लड़कों ने दुल्हन के भाई को गोली मार दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। मामला सक्कडी गांव का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात शादी समारोह में नाच में नर्तकियों के साथ अभद्र व्यवहार और हर्ष फायरिंग का विरोध करने पर हथियारबंद बदमाशों ने दुल्हन के भाई को गोली मार दी । जख्मी युवक को गोली दाहिने हाथ के कोहनी में लगी। फायरिंग में घायल दुल्हन के भाई को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया।

घायल आर्मी में हवलदार के पद पर तैनात : घायल दुल्हन के भाई की पहचान वार्ड नंबर 7 निवासी अर्जुन शर्मा के 38 साल के बेटे राजेश कुमार के रूप में हुई है। राजेश आर्मी में हवलदार के पद पर जम्मू कश्मीर के राजौरी में तैनात है। पटना रेफर किए जाने से पहले दुल्हन के भाई राजेश ने बताया कि अपनी छोटी बहन काजल की शादी पटना जिले के मनेर गांव के रहने वाले मिथलेश शर्मा के बेटे अभिनाश शर्मा से हो रही थी। बुधवार को बारात आई थी। शादी समारोह में बारातियों के स्वागत के लिए नर्तकियों के नाच के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

लड़की के गांव के रही रहने वाले हैं फायरिंग के आरोपी : राजेश ने बताया कि बारात आने के बाद द्वारपूजा और जयमाला हुआ। इसके बाद लोगों को खाना खिलाने का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच गांव के 8 से 10 की संख्या में हथियार लेकर बदमाश शामियाना में घुस गए और फायरिंग करने लगे। राजेश ने बताया कि कुछ युवक स्टेज पर चढ़कर नर्तकियों के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। जब हम लोगों ने लड़कों को समझाने की कोशिश की, तो उन्होंने पहले कुर्सी चलाकर मारपीट की, फिर फायरिंग शुरू कर दी।

सरोज नाम के एक लड़के ने सामने से मुझ पर फायरिंग की। पहली बार बचा, लेकिन दूसरी बार गोली मेरे कोहनी में लगी। हथियारबंद बदमाशों ने करीब 20 से 25 राउंड फायरिंग की। घटना के बाद समियाना में मौजूद बाराती और घरातियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। काफी देर बाद स्थिति काबू में आई। घटना के बाद विधिवत तरीके से शादी संपन्न हुई और गुरुवार सुबह दुल्हन को लेकर बारात पटना लौट गई।

कोहनी के आर-पार हो गई गोली

उधर, राजेश का सदर अस्पताल में इलाज करने वाले डॉक्टर ने बताया कि युवक के दाहिने हाथ के कोहनी में गोली लगी है, जो आर-पार हो गई है। गोली लगने के बाद काफी खून बह गया है जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई है। प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी युवक को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। वहीं घटना के सूचना मिलने के बाद कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम कुमार अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया है, आवेदन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हथियारों की जांच की जाएगी कि ये लाइसेंस वाले हैं या फिर अवैध हथियारों से हर्ष फायरिंग की गई है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

सीएम योगी बोले- अयोध्या में जो बाबर ने किया... वही संभल में हुआ, बांग्लादेश में भी वही हो रहा

अयोध्या , एजेंसी। रामनगरी में चार दिवसीय रामायण मेले का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। पांच से आठ दिसंबर तक सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में गीत-संगीत व अध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहमान होगी। सीएम सुबह अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी व रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई। जानकी महल ट्रस्ट में चल रहे विवाहोत्सव में भी सीएम के शामिल होने की संभावना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की पावन पूरी में से प्रथम पूरी है। हजारों वर्षों से विश्व मानवता का मार्ग अयोध्या ने प्रशस्त किया। अयोध्या एक ऐसी भूमि जहां कोई युद्ध करने का साहस नहीं कर सकता।

कहा कि पिछले वर्ष जनवरी में पीएम मोदी के हाथों 500 वर्षों के संघर्ष के बाद रामलला फिर से प्रतिष्ठित हुए। पीएम ने अयोध्या के नागरिकों के प्रति अपना अनुराग व्यक्त किया था। अयोध्या ने उनके साथ न्याय नहीं किया। लेकिन, श्रीराम ने हर प्रकार का संरक्षण दिया।

1982 में शुरू हुआ था रामायण मेला

कहा कि अयोध्या सांस्कृतिक रूप से विश्व में आगे बढ़ रहा। रामायण सीरियल को लोग देखने के लिए एक घंटे टीवी के सामने बैठते थे। डॉक्टर लोहिया ने रामायण उत्सव कार्यक्रम देश में प्रारंभ किए थे। जिसके मन में राम और जानकी के प्रति समर्पण नहीं है, उनको त्याग देना चाहिए। सीएम ने कहा कि डॉ लोहिया राजीनीति में आदर्शवादी थे। समाजवादी पार्टी परिवारवादी है। अपराधी गुंडों के संरक्षण के बिना यह उसी तरह तड़पते हैं, जैसे पानी बिना मछली। लोहिया के नाम पर राजनीति करेंगे लेकिन उनके आदर्श नहीं मानते। रामायण मेला समिति के संयोजक आशीष मिश्र ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी रामायण मेला में न सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम होंगे, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। रामायण मेले में चार दिनों तक कथा, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक गायन, नृत्य नाटिका आदि की प्रस्तुति होगी। संस्कृति विभाग के विभिन्न जिलों के 20 से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। साथ ही चार दिनों तक अलग-अलग कथा प्रवाचकों की ओर से रामकथा का प्रवचन भी किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले अयोध्या कुंभ में बाबर के आदमी ने क्या किया था? संभल में भी यही हुआ था। बांग्लादेश में भी यही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और डीएनए एक ही है। अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है, तो वही तत्व यहां भी आपको सौंपने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

कहा कि उन्होंने सामाजिक एकता को तोड़ने का पूरा इंतजाम कर रखा है। ये बातें करने वाले कुछ लोग ऐसे हैं, जिनकी विदेशों में संपत्ति है। अगर यहां कोई संकट आया, तो वे भाग जाएंगे। दूसरों को मरने के लिए यहीं छोड़ देंगे।

प्रख्यात समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की परिकल्पना पर पहले चित्रकूट और बाद में अयोध्या में रामायण मेले का आयोजन शुरू किया गया था। कांग्रेस शासन में तत्कालीन सीएम श्रीपति मिश्र ने 1982 में अयोध्या के रामायण मेला का उद्घाटन किया था। इसके लिए रामायण मेला समिति को व्यवस्था और संतों के प्रवचन आदि के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई। सरकारी तौर पर तभी से संस्कृति विभाग अपने फंड से सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रामलीलाओं के प्रस्तुतीकरण का दायित्व उठाता आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

साइबर अटैक ने अटका दी 10 हजार विधवाओं की पेंशन

बरेली , एजेंसी। साइबर हमले में महिला एवं बाल कल्याण विभाग के पोर्टल से बरेली जिले की 10 हजार विधवाओं का डाटा डिलीट हो गया। इस वजह से उनको पेंशन नहीं मिल पा रही है। वे विभाग के चक्कर काट रही हैं। अब पेंशन के लिए उनको नए सिरे से आवेदन करना होगा।

महिला एवं बाल कल्याण विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक करीब ढाई माह पहले हुए साइबर हमले में प्रदेशभर की करीब तीन लाख लाभार्थियों का डाटा पोर्टल से डिलीट कर दिया गया था। इसमें बरेली की भी 10 हजार लाभार्थी शामिल हैं। जब पेंशन की किस्त उनके खातों में नहीं पहुंची तो महिलाएं विभाग के चक्कर काटने लगीं। मुख्यालय तक बात पहुंची तो इसकी जानकारी हुई।

जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के मुताबिक मुख्यालय से खाता रिकवर कराने की पहल की गई, पर ऐसा नहीं हो सका। लाभार्थियों से दोबारा ऑनलाइन आवेदन कराया जा रहा है।

पुराना शहर निवासी लाभार्थी साधना अग्रवाल के मुताबिक पेंशन से घर खर्च चलता था। जुलाई के बाद जब खाते में पेंशन नहीं पहुंची तो उन्होंने विभाग से संपर्क किया। तब डाटा डिलीट होने का पता चला। दोबारा पंजीकरण कराने के साथ ही आधार कार्ड से लिंक बैंक खाता देना होगा। इसके तीन माह बाद खाते में पेंशन आएगी।

विधवा पेंशन न मिलने पर जगतपुर की विमला देवी, प्रियंका सक्सेना, शीला देवी, शांति, विद्या समेत दो दर्जन लाभार्थियों ने पूर्व में कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन भी किया था। उन्होंने विभाग के कर्मचारियों द्वारा सही जानकारी नहीं देने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की थी। जांच में पता चला कि इनमें से कई के खाते डिलीट हुए हैं तो कई के बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं।

वैश्यों को ओबीसी में शामिल किए जाने की उम्मीद जगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने वैश्य जाति को अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने के अनुरोध पर सर्वे कराने का फैसला किया है। इस निर्णय के तहत वैश्य जाति के सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और राजनैतिक स्तर का अध्ययन किया जाएगा।

आयोग का शोध दल 9 दिसंबर से 13 दिसंबर तक हरदोई जिले का भ्रमण करेगा। विभिन्न तहसीलों, कस्बों और गांवों में जाकर वैश्य जाति से संबंधित आंकड़े और जानकारी इकट्ठा करेगा। इस शोध दल में शोध अधिकारी कृष्ण कुमार, अपर शोध अधिकारी सत्यप्रकाश सिंह और राधेकृष्ण शामिल हैं।

सर्वे में सहयोग करें

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष ने वैश्य जाति के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे शोध दल को जानकारी उपलब्ध कराएं और सर्वे में सहयोग करें। यह अध्ययन वैश्य जाति की सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और राजनैतिक स्थिति को समझने और अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के लिए आधार तैयार करने में सहायक होगा।

कानपुर में बोले अखिलेश - मुख्यमंत्री अपना डीएनए चेक करायें, मैं भी कराऊंगा

सुनील बाजपेई

कानपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा डीएनए की बात करने से समाजवादी पार्टी के मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बहुत खफा हैं। आज गुरुवार को अखिलेश यादव ने यहां कहा कि एक संत होने के नाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को डीएनए की बात नहीं करनी चाहिए । वह अपना डीएनए चेक करायें। मैं भी कराऊंगा।

समाजवादी पार्टी के मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव यहां सांसद राजाराम पाल के बेटे की शादी में शामिल होने के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि वो कितना बायोलॉजी जानते हैं। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि वो बार-बार डीएनए जांच कराने की बात करते हैं। इसलिए मैं भी ये बात कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री भी अपना डीएनए चेक कराएं और मैं भी अपना डीएनए चेक कराऊंगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग खोखले हो गए हैं। वो खोखले नहीं होते तो जनता का समर्थन उन्हें मिलता। परिणाम जो भी आए, लेकिन हम लोग जानते हैं कि भाजपा हारी है। प्रशासन और पुलिस ने उन्हें जिताया है।

संभल हिंसा पर किए गए सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि संभल की घटना भी प्रशासन की देन है। पहले सर्वे में जिम्मेदार लोगों ने कोई रुकावट पैदा नहीं की। दोबारा सर्वे लगाने पर नारेबाजी की गई। ये भाजपा के लोगों ने कराया।

समाजवादी पार्टी द्वारा सीसामऊ विधानसभा सीट पर जीत हासिल करने के बाद पहली बार कानपुर आए पूर्व मुख्यमंत्री सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद राजा रामपाल के बेटे-बहू को आशीर्वाद देने के दौरान ही यहां सीसामऊ में जीत दर्ज करने वाली नसीम सोलंकी से भी मुलाकात की। इसी बीच कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता भी पहुंच गए। पुलिसकर्मियों ने यह हालत देखकर अखिलेश यादव को जल्दी से बाहर निकाला।

प्रवचन: स्वामी स्वरूपानंद ने हनुमानजी के दिव्य गुणों का किया बखान, भाव विभोर हुए भक्त

प्रयागराज , एजेंसी। गंगा तट पर स्थित चिन्मय मिशन में चार दिवसीय ज्ञान यज्ञ, मिशन के विश्व प्रमुख स्वामी स्वरूपानंद के प्रवचन का समापन हुआ। मिशन के सदस्य तथा श्रोताओं ने स्वामी जी के मुख से 'हनुमानाष्टक' की अद्भुत व सरस व्याख्या का आनंद लिया, महाराज ने हनुमान जी के व्यक्तित्व के दिव्य गुणों, उनकी अनन्य भक्ति तथा भगवान के काज के लिए सदैव तत्पर रहने वाले अलौकिक प्रेम के विषय में अद्भुत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

ये कक्षायें एक से चार दिसंबर तक रसूलाबाद स्थित मिशन की प्रयाग शाखा के अखिलेश्वर महादेव मंदिर में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम के समापन में मिशन के वरिष्ठ सदस्यों एवं अन्य पदाधिकारियों ने स्वामीजी के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया तथा कक्षा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इसके बाद गुरुदक्षिणा का कार्यक्रम हुआ और महाराज जी ने सबको प्रसाद पुस्तिका प्रदान की। सत्संगी भाइयों ने बुक स्टाल पर जाकर अपने व अपने बच्चों के लिये अनेक ज्ञानवर्धक मिशन की पुस्तकें भी खरीदीं। आश्रम में समष्टि भिक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी महात्माओं ने, ट्रस्ट के सदस्यों ने व भक्तों ने भाग लिया। श्री हनुमान जी के प्रति अनन्य भक्तिभाव से सम्पन्न होकर सभी भक्तों ने स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

लखनऊ जू: सर्दियों में बदला जानवरों का खानपान

लखनऊ , एजेंसी। सर्दी में दो महीने तक चिड़ियाघर के मगरमच्छ, घड़ियाल व सांप उपवास पर रहेंगे। इस दौरान उन्हें भोजन नहीं दिया जाएगा। अन्य जानवरों के खाने में सरसों की खरी, मूंगफली का छिलका, गुड़, अंडा व तेल की मात्रा बढ़ाई जाएगी।

दिसंबर माह में सर्दी बढ़ने का अनुमान है। इसे देखते हुए चिड़ियाघर के जानवरों को सर्दी से बचाने के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। पशु चिकित्सकों के मुताबिक, परिसर में एक हजार से अधिक जानवर रहते हैं। सभी की खुराक अलग-अलग है। चिड़ियाघर की निदेशक अदिति सिंह ने बताया कि सर्दी के मौसम में जानवरों की खुराक में बदलाव होता है।

बाजार का हाल :

30 दिन में बिके 1500 चार पहिया वाहन, पांच हजार बाइक

वाराणसी , एजेंसी। ऑटो मोबाइल्स सेक्टर के लिए साल का अंतिम सहालग नवरात्र और धनतेरस से कम नहीं है। वैवाहिक सीजन में ऑटो मोबाइल्स सेक्टर रफ्तार भर रहा है। चार पहिया और दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी है।

पिछले 30 दिन में 1500 चार पहिया वाहनों और करीब पांच हजार दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई है। आम दिनों में बिक्री का आंकड़ा एकदम आधा होता है। मगर, साल के अंतिम सहालग ने ऑटोमोबाइल सेक्टर के कारोबार को बढ़ा दिया है।

वाराणसी ऑटोमोबाइल्स डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने बताया कि सहालग के सीजन से ऑटोमोबाइल्स सेक्टर की गाड़ी तेजी से दौड़ रही है। शहर के 15 कार शोरूम से आम दिनों में 600 से 700 चार पहिया वाहनों की बिक्री होती है। लेकिन इस वैवाहिक सीजन में एक से 30 नवंबर तक 1500 से अधिक गाड़ियों की बिक्री हुई है।

इसमें आठ से दस लाख बजट की छोटी गाड़ियों की सबसे अधिक बिक्री है। इसके अलावा सेडान और एसयूवी भी शोरूमों से निकली हैं। सीएनजी और हाइब्रिड गाड़ियों की जबरदस्त बुकिंग हुई है।

बुलेट और पावर रेसिंग बाइक की रही जबरदस्त मांग

मोटर डीलर और एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष यूआर सिंह ने बताया कि शहर के 12 से अधिक शोरूमों पर पांच हजार से अधिक दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई। ऐसा सिर्फ नवरात्र और धनतेरस, दीवाली पर होता था लेकिन सहालग पर इन गाड़ियों की बिक्री ज्यादा हुई है।

साइबर ठगों ने राजरूपपुर के डॉक्टर से ठगे 50 लाख रुपये

प्रयागराज, एजेंसी। साइबर ठगों ने धूमनगंज राजरूपपुर के रहने वाले डॉ. आनंद प्रकाश श्रीवास्तव के बेटे का जीवन प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने खुद को पीएनबी का मैनेजर बताकर घटना को अंजाम दिया है। साइबर थाना पुलिस ने ठगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। धूमनगंज के राजरूपपुर में डॉ. आनंद प्रकाश श्रीवास्तव परिवार समेत रहते हैं। जबकि उनका बेटा बिहार के लखीसराय में रहता है। उन्होंने साइबर थाना पुलिस को बताया कि एक नवंबर को उनको लखीसराय जाना था।

इसलिए बेटे का जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कुछ दिन पहले 16 अक्तूबर को उन्होंने इंटरनेट पर सर्च किया। यहां से मिले नंबर के माध्यम से लखीसराय के पीएनबी में फोन किया। मैनेजर के लिए पूछा तो जवाब मिला कि वह मैनेजर मनोज कुमार है। जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की जानकारी देने पर उसने व्हॉटसएप पर एक नंबर दिया। कहा कि एपीके फाइल के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। इसके बाद खाता नंबर के साथ एटीएम पिन मांगा।

मना करने पर कहा कि सिस्टम में अपलोड करना है कोई दिक्कत नहीं होगी। जानकारी देते ही खाते ही कुल 50 लाख रुपये की रकम निकाल ली गई। शिकायत के आधार पर साइबर थाना ने केस दर्ज किया है।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी

मुंडेरा कैलाशपुरी निवासी रेनू प्रजापति से क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर पांच लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर पुलिस को बताया कि 27 नवंबर को उनके पास फोन आया। कहा कि आपकी क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ गई है। जवाब दिया कि बढ़ा दीजिए। अगले दिन फिर फोन आया। कहा कि लिमिट बढ़ाने के लिए भेजे गए ओटीपी को बताना होगा। तुरंत लिमिट बढ़ जाएगी। जानकारी देने पर खाते से तीन बार में 1.24 लाख क्रेडिट कार्ड से 69152 व 23815 की ठगी कर ली। साथ ही पर्सनल लोन में पांच लाख ठगे। इस तरह कुल 7.16 लाख रुपये की चपत लगा दी। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है।

यूपी का मौसम: प्रदेश में फैली चटख धूप, पर पछुआ के जोर से गिरेगा पारा

तीन दिन बाद प्रदेश में बदलेगा मौसम

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बुधवार को दिनभर तेज रफ्तार पछुआ हवाएं चलीं। हवाओं की वजह से दिन में खिली धूप में तपिश महसूस नहीं हुई। मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार को 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली पछुआ के असर से अगले तीन-चार दिन में तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट के आसार हैं।

पछुआ के जोर से कोहरा छंटेगा और हवा की गुणवत्ता भी सुधरेगी। प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट होगी और ठंड में इजाफा होगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक फेंगल चक्रवात के गुजर जाने के असर से यूपी में पछुआ ने जोर पकड़ा है। इसके असर से तापमान तो गिरेगा ही, हवा की सेहत भी सुधरेगी। बुधवार को वाराणसी में सर्वाधिक 31.1 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा।

वहीं प्रयागराज में अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री और फुरसतगंज में 30.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें अयोध्या में सबसे कम आठ डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

गोमतीनगर, कुकरैल की हवा की सेहत सुधरी

पछुआ के असर से हवा की गुणवत्ता में एक दिन में ही काफी सुधार दिखाई दिया। छह वायु प्रदूषण मापक स्टेशनों में से अलीगंज, लालबाग, तालकटोरा और बीबीएयू में एक साथ काफी दिनों बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक पीली श्रेणी में दर्ज हुआ। इससे पहले इन इलाकों में यलो या रेड श्रेणी में हवा की गुणवत्ता दर्ज हो रही थी। गोमतीनगर और कुकरैल की हवा ग्रीन श्रेणी में दर्ज हुई।

मंदिर के पुजारी को किया लहूलुहान :

पिता व बेटे ने चाकू से किया था खूनी हमला, चीख सुन लोगों ने पकड़ा

सोनभद्र , एजेंसी। सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली अंतर्गत पंचमुखी महादेव मंदिर के पुजारी पर गुरुवार की सुबह बाइक सवार पिता-पुत्र ने हमला बोल दिया। पुजारी पर चाकू से वार किए, जिसमें उनके हाथ और चेहरे पर चोट आई। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, भाग रहे हमलावरों को आसपास के लोगों ने दौड़ा कर पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। उन्हें भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रौप स्थित पंचमुखी मंदिर के पुजारी लक्ष्मण दुबे पहाड़ी के नीचे मकान बनाकर रहते हैं। गुरुवार को सुबह पूजन के बाद वह कहीं जा रहे थे, इसी दौरान बाइक से आए दो लोगों ने उन पर चाकू से हमला बोल दिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो हमलावर भागने लगे। उन्हें दौडाकर पकड़ लिया गया और जमकर पिटाई की गई।

हमलावारों की पहचान नगर से सटे कम्हारी गांव निवासी श्याम सुन्दर और उसके पुत्र अभिषेक के रूप में हुई। दोनों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। कोतवाल सत्येंद्र राय ने बताया कि पुजारी की हालत खतरे से बाहर है। घटना के कारणों की छानबीन की जा रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस में 3 महीने में गिरी PM बार्नियर की सरकार, पहली बार किसी PM को अविश्वास प्रस्ताव से हटाया गया

पेरिस। फ्रांस में 3 महीने पहले बनी PM मिशेल बार्नियर की सरकार बुधवार को गिर गई। फ्रांस की संसद में PM बार्नियर की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास हो गया। अब उन्हें अपनी पूरी कैबिनेट के साथ राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौंपना पड़ेगा। फ्रांस के 62 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब संसद में अविश्वास प्रस्ताव के पास होने के कारण किसी प्रधानमंत्री को सत्ता गंवानी पड़ रही है। संसद में वामपंथी एनएफपी गठबंधन की ओर से पेश अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 331 वोट पड़े, जबकि प्रस्ताव के पास होने के लिए 288 वोट ही काफी थे। 3 महीने पहले ही अपॉइंट किए गए कंजर्वेटिव नेता बार्नियर गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं। उन्हें फ्रांस के इतिहास में सबसे कम दिनों तक सरकार चलाने वाला प्रधानमंत्री माना जाएगा। फ्रांस की संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली में किसी भी एक पार्टी के पास बहुमत नहीं है। इसमें 3 पार्टियां हैं। मैक्रों का सेंट्रिस्ट अलायंस, वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली। वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली फिलहाल विपक्ष में हैं। ये दोनों आम तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ रहते हैं, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव में दोनों पार्टियां साथ आ गई। हाल ही में बार्नियर ने नया बजट पेश किया था। इसमें उन्होंने टैक्स बढ़ाने का फैसला किया। फ्रांस में आम तौर पर बजट को नेशनल असेंबली में वोटिंग के बाद पास किया जा सकता है, लेकिन बार्नियर ने बजट को बिना वोटिंग के ही पास करवाया और लागू कर दिया।इसके विरोध में वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली एकजुट हुए। उन्होंने बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया, जो पास भी हो गया।

अमेरिकी इंश्योरेंस कंपनी के CEO की गोली मारकर हत्या, न्यूयॉर्क में होटेल के बाहर शूट किया

न्यूयॉर्क। अमेरिकी कंपनी यूनाइटेड हेल्थकेयर की इंश्योरेंस यूनिट के CEO ब्रैन थॉम्पसन की बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) न्यूयॉर्क में गोली मारकर हत्या कर दी गई। थॉम्पसन को न्यूयॉर्क के हिलटन होटेल के सामने हमलावर ने शूट किया है। न्यूज पोर्टल ब्लूमबर्ग ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि थॉम्पसन को सीने में गोलियां मारी गई थीं। थॉम्पसन बुधवार को कंपनी की इन्वेस्टर डे कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए होटेल पहुंचे थे। कंपनी ने बताया कि उनके एक कर्मचारी की मेडिकल कंडीशन की वजह से कॉन्फ्रेंस को समय से पहले खत्म कर दिया गया है। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के मुताबिक एक नकाबपोश व्यक्ति ने थॉम्पसन पर गोलिया चलाई थीं। गोली लगने के बाद थॉम्पसन को माउंट सिनाई अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। न्यूयॉर्क पोस्ट ने प्रत्यदर्शियों के हवाले से बताया है कि हमलावर काफी देर घटना वाली जगह पर घूम रहा था। जैसे ही थॉम्पसन होटेल के बाहर पहुंचे, उसने गोलियां चलानी शुरू कर दी थी। गोली चलाने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस हमलावर की तलाश में है।

नोएडा में धरने पर बैठे 34 किसान गिरफ्तार, रातों-रात पुलिस ने धरना स्थल खाली कराया

नोएडा। नोएडा में पंचायत से पहले पुलिस ने 34 किसानों को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार देर रात पुलिस ने जीरो पॉइंट पर धरने के लिए बैठे किसानों को भी हटा दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से किसानों में आक्रोश है। दरअसल, बुधवार शाम को CM योगी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अराजकता कहीं भी बर्दाश्त नहीं होगी। चाहे वो संभल हो या ग्रेटर नोएडा। इसके बाद आनन-फानन में पुलिस ने एक्शन लिया। 2 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा के 10 संगठनों ने अपनी 4 मांगों को लेकर दिल्ली कूच का ऐलान किया था। अफसरों के आश्वासन के बाद किसानों ने 7 दिन का समय दिया और नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर आंदोलन को शिफ्ट कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दलित प्रेरणा स्थल आने वाले किसानों को रोक दिया। इसके साथ ही 8 किसान नेता समेत 123 किसानों को गिरफ्तार कर लिया। 4 दिसंबर को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) किसानों को छुड़ाने के लिए महापंचायत बुलाई। इसमें शामिल होने जा रहे महापंचायत में शामिल होने पहुंच रहे राकेश टिकैत को पुलिस प्रशासन ने अलीगढ़ के टप्पल पर रोक लिया। इसके बाद पंचायत से किसानों ने ऐलान किया कि अगर 1 घंटे में राकेश को नहीं छोड़ा तो आंदोलन होगा। किसानों के विरोध को देखते हुए पुलिस ने राकेश टिकैत को छोड़ दिया। टिकैत वहां से भागते हुए यमुना एक्सप्रेस-वे पर पहुंचे। पुलिस पीछे-पीछे दौड़ती रही। पुलिस को डर था कि टिकैत हाईवे पर न बैठ जाएं। हालांकि, वह से गाड़ी से ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हो गए। हालांकि, वह धरनास्थल तक नहीं पहुंच पाए थे।

हैदराबाद में फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़, 1 महिला की मौत, 3 घायल

हैदराबाद। हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 1 महिला की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात को संध्या थिएटर में फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए अल्लू अर्जुन आए थे। थिएटर के बाहर आरटीसी एक्स रोड पर इकट्ठा हुए फैंस अल्लू अर्जुन से मिलना चाहते थे। इसी दौरान अचानक भगदड़ मच गई। धक्का-मुक्की के कारण कई लोग एक-दूसरे पर गिर गए। कुछ लोग घायल भी हुए। स्थिति को कंट्रोल में लाने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। भीड़ कम होने के बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती किया। डॉक्टर ने 1 महिला को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। 3 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें अल्लू अर्जुन के फैंस को बेहोशी के हालात में देखा गया। पुलिस ने उन्हें होश में लाने की कोशिश की। अल्लू अर्जुन फैंस से मिलने लेट पहुंचे थे मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्क्रीनिंग के दौरान अल्लू अर्जुन समय पर नहीं पहुंचे थे। इस वजह से फैंस की भीड़ और बढ़ती चली गई। अल्लू के कार्यक्रम के आखिरी में जब संध्या थिएटर पहुंचे तो उन्हें देखने के लिए फैंस बेकाबू हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मौके पर तैनात सिक्योरिटी और पुलिस जवानों की संख्या भी उतनी नहीं थी, जितनी सिचुएशन को संभालने के लिए जरूरी थी।

हेमंत सोरेन कैबिनेट में 5 मंत्री रिपीट, JMM-कांग्रेस ने 50% मंत्रियों को किया ड्राप

रांची। हेमंत सोरेन के सीएम पद की शपथ लेने के 6 दिन बाद गुरुवार को राजभवन के अशोक उद्यान में 11 मंत्रियों ने शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने शपथ दिलाई। नई सरकार में 5 मंत्रियों को रिपीट किया गया है। जबकि, JMM और कांग्रेस ने अपने 50% मंत्रियों को बदला है। खास बात है कि राज्य गठन के बाद पहली बार फारवर्ड कोटे से मंत्री नहीं बनाया गया है। इससे पहले एक या दो मंत्री हमेशा फारवर्ड कोटे से बनते रहे हैं। पिछली बार गढ़वा से चुनाव जीते मिथिलेश ठाकुर ब्राह्मण चेहरे के तौर पर मंत्री बने थे। इस बार वह चुनाव हार गए हैं। इसके बाद INDIA ब्लॉक ने फारवर्ड कोटे को खत्म कर दिया है। जानकार मानते हैं कि फारवर्ड भाजपा के परंपरागत वोटर हैं। इस वजह से भी हेमंत सोरेन सरकार ने महत्व नहीं दिया। हालांकि, इस कोटे से मंत्री पद की रेस में चुन्ना सिंह और अनंत देव प्रताप का नाम चर्चा में था। मंत्रिमंडल में झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) से 6, कांग्रेस से 4 और राजद से एक विधायक मंत्री बने हैं। JMM के हफीजुल हसन ने उर्दू में शपथ ली। बाकी 10 मंत्रियों ने हिंदी में शपथ ली। हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को अकेले ही मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। JMM ने नई कैबिनेट में तीन मंत्रियों को रिपीट किया है। चाईबासा से विधायक दीपक बिरुवा, घाटशिला से विधायक रामदास सोरेन और मधुपुर से विधायक हफीजुल हसन अंसारी इस बार भी मंत्री बने हैं। तीनों हेमंत सोरेन की पिछली सरकार में मंत्री थे। वहीं, पार्टी ने तीन नए चेहरों गिरिडीह से विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, गोमिया से विधायक योगेंद्र प्रसाद और बिशुनपुर से विधायक चमरा लिंडा को मौका दिया है। योगेंद्र कुर्मी/महतो समाज से आते हैं और हेमंत सोरेन के काफी करीब हैं।

तालिबान ने महिलाओं की नर्सिंग की पढ़ाई पर लगाई पाबंदी

एजेंसी, काबुल

शिक्षा का आखिरी रास्ता भी बंद, क्रिकेटर राशिद खान बोले- इस्लाम में महिलाओं की तालीम जरूरी

तालिबान ने अफगानिस्तान में महिलाओं की नर्सिंग की ट्रेनिंग पर बैन लगा दिया है। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक काबुल में स्वास्थ्य अधिकारियों की हाल ही में बैठक हुई थी जिसमें तालिबान सरकार का फैसला सुनाया गया। अफगानिस्तान में स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन बैठक के दौरान ही उन्हें कहा गया कि महिलाएं और लड़कियां अब इन संस्थानों में पढ़ाई नहीं कर सकती हैं। इसकी कोई वजह नहीं बताई गई। क्रिकेटर राशिद खान ने तालिबान के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा कि तालिबान के इस फैसले का अफगानिस्तान पर गहरा असर पड़ेगा, क्योंकि देश पहले से ही मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी से जूझ रहा है।

राशिद ने लिखा इस्लाम में शिक्षा का अहम स्थान है, जिसे पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए जरूरी बताया गया है। अफगानिस्तान में महिलाओं के लिए शैक्षिक और चिकित्सा संस्थानों के बंद होने से मैं काफी दुखी हूं। अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी ने कहा कि लड़कियों को मेडिकल की पढ़ाई से प्रतिबंधित करने का फैसला सही नहीं है। इस्लाम ने हमेशा सभी के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया है। एमनेस्टी बोला- अफसानिस्तान में सबसे ज्यादा मातृ मत्यु दर, यह और बढ़ेगा अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने भी तालिबान सरकार से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। मिशन ने कहा कि इस फैसले से देश के हेल्थ सिस्टम और विकास पर बुरा असर पड़ेगा। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा महिलाओं की मौत बच्चों को जन्म देने के दौरान हो जाती है। देश में पहले से ही मेडिकल स्टाफ की कमी है। तालिबान के फैसले से देश पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। BBC के मुताबिक तालिबान के इस फैसले से देश में महिलाओं की पढाई का आखिरी रास्ता भी बंद हो गया है। तालिबान ने 2021 में अफगानिस्तान पर दोबारा कब्जा कर लिया था। इसके बाद से वह महिलाओं पर कई पाबंदियां लगा चुका है। सबसे पहले अलग-अलग सरकारी संस्थानों में काम कर रही महिलाओं से उनकी नौकरियां छीनी गईं। फिर उनकी पढ़ाई पर पाबंदियां लगाई गईं। अफगानिस्तान में महिलाएं सिर्फ छठी कक्षा तक ही पढ़ाई कर सकती हैं।

साउथ कोरिया में रक्षा मंत्री ने दिया इस्तीफा

एजेंसी, सियोल

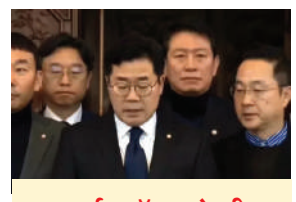

♦ मार्शल लॉ लगाने की जिम्मेदारी ली, कहा- मैंने संसद में सेना भेजी, देश में नया डिफेंस मिनिस्टर नियुक्त

साउथ कोरिया में मार्शल लॉ को लेकर हो रहे विवाद के बीच रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी योनहाप के मुताबिक किम योंग ने कहा कि वे देश में हुई भारी उथल-पुथल की जिम्मेदारी ले रहे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रपति यून सुक योल ने रक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। रक्षामंत्री किम की सलाह पर ही राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी।

गुरुवार को मीडिया ब्रीफिंग में उप-रक्षा मंत्री ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि किम योंग के आदेश पर ही सेना संसद में घुसी थी। उप-रक्षा मंत्री ने यह भी कहा उन्हें मार्शल लॉ के बारे में कुछ भी नहीं पता था। इसकी जानकारी उन्हें टीवी पर मिली। वे इस बात से दुखी हैं कि उन्हें कुछ पता नहीं था और इस वजह से सही समय पर इस घटना को रोक नहीं सके। किम योंग की जगह अब चोई ब्युंग-ह्वूक को साउथ कोरिया का नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। वे सेना में फोर स्टार जनरल रह चुके हैं और फिलहाल सऊदी अरब में साउथ कोरिया के राजदूत के पद पर हैं। चुंगम गुट क्या है जिस पर मार्शल लॉ की साजिश रचने के आरोप लग रहा विपक्षी पार्टी के सांसद किम मिन सोक ने आरोप लगाया है कि देश में मार्शल लॉ लगाने के पीछे 'चुंगम गुट' का हाथ है। चुंगम राजधानी सियोल में एक हाई स्कूल है जहां से राष्ट्रपति और उनके दोस्तों ने पढ़ाई की है। राष्ट्रपति बनने के बाद यून ने अपने दोस्तों को अहम पदों पर नियुक्त कर दिया। इन सभी के पास मार्शल लॉ लागू करने को लेकर कई अधिकार थे और ये कई महीने से इसकी तैयारी कर रहे थे। रक्षा मंत्री किम भी चुंगम से ही पढ़ चुके हैं और राष्ट्रपति के पुराने दोस्त हैं।

जयशंकर बोले- हम फिलिस्तीन के टू स्टेट सॉल्यूशन पर कायम

एजेंसी, नई दिल्ली

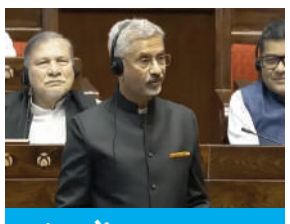

बंधकों का मुद्दा कम नहीं आंक सकते, इजराइल हमारी मुसीबत में साथ खड़ा रहा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज संसद में बोलते हुए इजराइल के साथ एक संप्रभु और आजाद फिलिस्तीनी देश को भारत का समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष खत्म करने के लिए भारत अपने टू स्टेट सॉल्यूशन पर कायम है। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद और बंधक बनाने के मुद्दों को कम करके नहीं आंका जा सकता या इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इजराइल के साथ डिफेंस पार्टनरशिप का बचाव करते हुए जयशंकर ने कहा- इजराइल ऐसा देश है जिसके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा में सहयोग का हमारा मजबूत रिकॉर्ड है। इजराइल उस वक्त भी हमारे साथ खड़ा रहा है जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में थी। हम जब कोई फैसला लेंगे तो एक बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखेंगे, लेकिन अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा का हित भी देखेंगे।

फिलिस्तीन से जुड़े 10 प्रस्ताव को भारत का समर्थन: संसद में प्रश्न काल के दौरान गाजा पर संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रस्तावों से भारत दूरी को लेकर सवाल उठाया गया। जिसके जवाब में उन्होंने कहा- इजराइल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से, फिलिस्तीन से जुड़े 13 प्रस्ताव यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली में लाए गए, जिनमें से भारत ने 10 प्रस्तावों के सपोर्ट में वोट किया और तीन प्रस्तावों पर वोटिंग से परहेज किया।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की दिल्ली सरकार को फटकार

कहा- 90 हजार मजदूरों को सिर्फ 2 हजार हर्जाना दिया, आप चाहते हैं वे भूखे रहें?

एजेंसी, नई दिल्ली

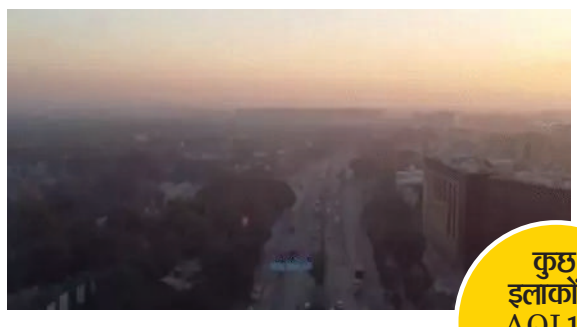

कुछ इलाकों में AQI 127 से नीचे आ गया है

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और यूपी सरकार के चीफ सेक्रेटरी से पूछा था कि GRAP-4 की पाबंदियां लागू होने के बाद कितने मजदूरों को हर्जाना दिया है। इसे लेकर आज दिल्ली सरकार की तरफ से सीनियर एडवोकेट शादान फरासत ने कहा कि हमने 90 हजार मजदूरों को 2 हजार का भुगतान किया है। दिल्ली चीफ सेक्रेटरी के वकील ने कहा कि हमने सभी मजदूरों का फंड रिलीज कर दिया है। 6 हजार रुपए बकाया है जो भी आज रिलीज हो जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि 90 हजार मजदूर 8 हजार रुपए के हकदार हैं। आप बचे हुए 6 हजार कब तक देंगे। क्या आप मजदूरों को भूखा रखना चाहते हैं। हम कंटेप्ट नोटिस जारी कर रहे हैं। यह सही नहीं है। इसके जवाब में दिल्ली सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि हम कल तक भुगतान कर देंगे। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने 5 दिसंबर तक GRAP-4 पाबंदियां लगाने को कहा था इससे पहले 2 दिसंबर को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने 5 दिसंबर तक पाबंदियां लगाए रखने के निर्देश दिए थे। बेंच ने कहा था- अगले तीन दिनों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) लेवल में गिरावट देखने के बाद ही GRAP-IV पाबंदियों में ढील दी जाएगी। कोर्ट ने 18 नवंबर से GRAP-IV की पाबंदियां लगाई हैं। GRAP-IV पाबंदियां लागू रहेगी या हटेगी, इस पर आज फैसला होगा। दिल्ली की हवा सुधरी दीवाली के बाद से लगातार खराब होती दिल्ली की हवा गुरुवार को बेहतर हुई। सुबह 8 बजे दिल्ली का AQI 161 दर्ज किया गया। यह मीडियम कैटेगरी में आता है। हालांकि बढ़ती ठंड की वजह से स्मॉग की परत भी देखी गई। इससे पहले दिल्ली का AQI खराब, बहुत खराब या खतरनाक कैटेगरी में ही दर्ज किया जा रहा था। कुछ इलाकों में AQI 127 तक भी नीचे आ गया है।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट रद्द करने की मांग, SC में सुनवाई, इसमें 1947 से पहले के पूजा स्थलों में बदलाव की इजाजत नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

हिंदू पक्ष ने 1991 में बने इस कानून को चुनौती दी है

सुप्रीम कोर्ट में आज प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 की कानूनी मान्यता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की तीन जजों की बेंच इस मामले को सुनेगी। हिंदू पक्ष ने 1991 में बने इस कानून को चुनौती दी है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। इस मामले में अब तक कुल छह याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी। याचिकाकर्ताओं में हिंदू पक्ष की तरफ से विश्वभद्र पुजारी पुरोहित महासंघ, सुब्रह्मण्यन स्वामी और अश्विनी उपाध्याय शामिल हैं। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से जमीअत उलमा ए हिंद कोर्ट पहुंचे हैं। हमारी मांग है कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 असंवैधानिक है। यह विवादित पूजा स्थल के मामलों में अदालत जाने का अधिकार छीनता है। इसमें कट-ऑफ तारीख 15 अगस्त 1947 है। इसे बदलकर साल 712 किया जाना चाहिए, जब मुहम्मद बिन कासिम ने पहली बार हमला किया था और भारत में हजारों मंदिरों को ध्वस्त कर दिया था।

विष्णु शंकर जैन, हिंदू पक्ष के वकील: अब जानिए प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट-1991 क्या है? 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने पूजा स्थल कानून बनाया। ये कानून कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे एक से तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। अयोध्या का मामला उस वक्त कोर्ट में था इसलिए उसे इस कानून से अलग रखा गया था।

प्रियंका गांधी की अमित शाह से मुलाकात

कहा- राजनीति से ऊपर उठकर वायनाड लैंडस्लाइड पीड़ितों की मदद करें

एजेंसी, नई दिल्ली

PM ने कुछ नहीं किया

वायनाड सांसद प्रियंका गांधी के नेतृत्व में बुधवार को केरल के सांसदों का डेलिगेशन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिला। मुलाकात के दौरान केंद्र की ओर से वायनाड में लैंडस्लाइड से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए 2 हजार करोड़ रुपए का फंड रिलीज करने की मांग की गई। संसद भवन में 10 मिनट तक चली इस मीटिंग के बाद प्रियंका ने बताया कि उन्होंने शाह से कहा- राजनीति को परे रखकर वायनाड के लोगों को राहत पहुंचानी चाहिए। PM भी वायनाड गए थे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। प्रियंका ने कहा- हमने गृह मंत्री को वायनाड की स्थिति के बारे में बताया है। वहां के लोग पूरी तरह से बर्बाद हो गए हैं। उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं बचा है। लोगों के घर, बिजनेस, स्कूल सब कुछ बह गया है। वहां लोगों की जितनी मदद की जाए, वो करनी चाहिए। वायनाड में प्रभावित लोगों के लिए सब कुछ बर्बाद हो गया है। ऐसे में अगर केंद्र सरकार कुछ नहीं करती है तो हम क्या कर सकते हैं? दरअसल, वायनाड में 29 जुलाई की रात करीब 2 बजे और 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुई थीं।

संसद सत्र- निशिकांत बोले-विपक्ष सरकार गिराने की कोशिश कर रहा

एजेंसी, नई दिल्ली

राहुल से पूछा- क्या आप खालिस्तान समर्थकों और कश्मीर तोड़ने वालों से नहीं मिले

संसद के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को 8वां दिन था। इस दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच तीखी बहस हुई। निशिकांत दुबे ने आरोप लगाए कि विपक्ष सरकार गिराने की लगातार कोशिशें कर रहा है। निशिकांत ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या आप खालिस्तान समर्थकों और कश्मीर का विभाजन चाहने वालों से नहीं मिले? निशिकांत ने ये भी बताया कि विपक्षी नेताओं का एक धड़ा पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई में देश को मिली तरक्की को गलत साबित करना चाहता है। एक संस्था मीडियापार्ट ने एक रिपोर्ट में बताया कि OCCRP संगठन का यह काम है कि कैसे संसद की कार्यवाही को रोका जाए। निशिकांत ने कहा कि मैं विपक्ष के नेता से ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के सलिल चौधरी से संबंधों पर 10 सवाल पूछना चाहता हूं। क्या उन्होंने (सलिल चौधरी) भारत जोड़ो यात्रा के लिए पैसा नहीं दिया? निशिकांत ने कहा कि राहुल अमेरिका गए थे और वहां मुश्फिकुल फजल से मिले। फजल, बांग्लादेश में हत्याओं के लिए जिम्मेदार हैं।

राहुल इल्हान उमर, रो खन्ना और बारबरा ली से मिले थे। ये लोग अमेरिका में मोदी के कार्यक्रमों का विरोध करते हैं। आप (राहुल) उन लोगों से मिले, जो खालिस्तान बनाना चाहते हैं और कश्मीर का विभाजन कराना चाहते हैं। असम से सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि भाजपा झूठ बोल रही है। वे संसद नहीं चलाना चाहते। राहुल गांधी देश में शांति कायम करना चाहते हैं।

गृहमंत्री बोले- भारत में UN पीस-कीपिंग फोर्स तैनात हो

एजेंसी, ढाका

ममता के बयान पर पलटवार, अगले हफ्ते बांग्लादेश जा सकते हैं भारतीय विदेश सचिव

भारत-बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच बांग्लादेश के गृह मंत्री जहांगीर आलम चौधरी ने भारत विरोधी बयान दिया है। चौधरी ने कहा कि यूनाइटेड नेशंस पीस कीपिंग फोर्स (शांति सेना) को बांग्लादेश में नहीं बल्कि भारत में तैनात किया जाना चाहिए। उनका यह बयान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की बांग्लादेश में पीस कीपिंग फोर्स तैनात करने की मांग के बाद आया है, जिसमें उन्होंने पीएम मोदी से बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत हस्तक्षेप करने की अपील की थी। इसी बीच भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री अगले हफ्ते ढाका जा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मिस्री दोनों देशों के बीच 9 और 10 दिसंबर को होने वाली फॉरेन ऑफिस कन्सलटेशन(FOC) में हिस्सा लेंगे। 5 अगस्त को शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद यह पहली बार होगा जब भारत का कोई बड़ा अधिकारी बांग्लादेश का दौरा करेगा। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहिद हुसैन ने बताया कि FOC 10 दिसंबर को होनी थी, लेकिन अब यह 9 दिसंबर को हो सकती है। बैठक में बांग्लादेशी विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन भी शामिल होंगे। शेख हसीना पर बांग्लादेश इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल में केस चल रहा है। वे जुलाई और अगस्त में हुए विरोध के दौरान नरसंहार की आरोपी हैं। 5 अगस्त को सरकार गिरने के बाद वे वहां से भागकर भारत आ गई थी, जिससे दोनों देशों में तनाव बढ़ गया। हाल ही में हिंदू धर्म गुरू चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की बाद यह तनाव और बढ़ गया है। हर साल मिलते हैं दोनों देशों के लीडर FOC भारत और बांग्लादेश के बीच हर साल होने वाली उच्च स्तरीय वार्ता है। इसमें दोनों देशों के बीच वीजा, पॉलिसी, व्यापार और दूसरे मुद्दों पर बातचीत होती है।

पिछले साल यह मुलाकात 24 नवंबर को दिल्ली में हुई थी। इसमें भारत की तरफ से तत्कालीन विदेश सचिव विजय मोहन क्वात्रा और बांग्लादेश की तरफ से मसूद बिन मोमेन शामिल हुए थे। इसमें सीमा सुरक्षा, व्यापार और भारत बांग्लादेश के बीच संबंधों को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई थी। उस समय यह तय हुआ था कि अगली मुलाकात बांग्लादेश में होगी। ईश निंदा के कथित आरोप में अब हिंदू युवक गिरफ्तार बांग्लादेश में यूनुस सरकार के दावों के बावजूद हिंदुओं व अल्पसंख्यकों पर हमले थम नहीं रहे हैं।

मंगलवार देर रात सुमनगंज जिले में कट्टरपंथियों की भीड़ ने हिंदुओं के घरों पर हमला किया। भीड़ का आरोप था कि एक हिंदू युवक ने फेसबुक पोस्ट में ईश निंदा की थी। उपद्रवी भीड़ ने 100 से ज्यादा हिंदुओं के घरों में तोड़फोड़ की और घर में बने पूजा स्थल भी तोड़ दिए गए। हिंदुओं की दुकानों में भी लूटपाट हुई। इस वजह से मंगलवार देर रात में ही सभी 200 हिंदू परिवार पलायन कर गए। पुलिस ने ईश निंदा के आरोप में सुमनगंज के मंगलारगांव के आकाश दास (20) को गिरफ्तार किया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

गुलाबी गेंद पर अपना वर्चस्व कायम रखना चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी, एडिलेड

एडिलेड में गुरुवार को दिन के अधिकांश समय तेज धूप और शुष्क गर्मी रही, लेकिन उसके बाद बादल छा गए। हवा शांत थी और पब्लिक-एड्रेस सिस्टम के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रगान बजाए गए, जो शुक्रवार दोपहर से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन-रात के टेस्ट की तैयारियों का हिस्सा था। पहले दिन कुछ स्थानों पर आंधी-तूफान आने का पूर्वानुमान है, लेकिन इससे कोई खास असर नहीं पड़ेगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में भारत 1-0 से आगे है, रोहित शर्मा की टीम इस बढ़त को बरकरार रखना चाहती है, क्योंकि इस मैदान पर पहले से ही मिश्रित संकेत मिल रहे हैं। सुनील गावस्कर, संदीप पाटिल, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीरेंद्र सहवाग, अजीत अगरकर और विराट कोहली यहां अलग-अलग मौकों पर हीरो रहे हैं। हालांकि पिछली बार भारतीय टीम यहां केवल 36 रनों पर सिमट गई थी। इस हालिया मुकाबले से पहले, इस बात पर गहन चर्चा हुई है कि गुलाबी गेंद रोशनी में कैसे चलेगी और गोधूलि के समय में क्या मुश्किल होगा। भारत ने अपने चार दिन-रात के टेस्ट मैचों में से तीन जीते हैं और ये सभी जीत घरेलू परिस्थितियों में आए थे। 2020 में एडिलेड में एकमात्र विदेशी मुकाबला हारने के बाद, मेहमान टीम के पास अपनी गलतियों को सुधारने का मौका है।

रोहित और शुभमन गिल की वापसी से भारतीय टीम मजबूत दिख रही है। रोहित ने यह पुष्टि कर दी है कि केएल राहुल यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे। भारतीय कप्तान ने कहा कि दोनों ने पर्थ में शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया और टीम के हित में, यह बेहतर है कि वह खुद मध्य क्रम में खेलें। पर्थ की तरह भारत आर. अश्विन और रवींद्र जडेजा के बिना मैदान में उतरेगा या नहीं, यह देखना अभी बाकी है। भारत के लिए पहले टेस्ट में कोहली की नाबाद 100 रन की पारी, जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी और दो डेब्यू करने वाले हर्षित राणा और नितीश कुमार का प्रदर्शन, ये सभी मनोवैज्ञानिक रूप से फायदेमंद हैं। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर दबदबा बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, भले ही भारत ने पिछले दो दौरों पर सीरीज जीतकर इस धारणा को तोड़ दिया हो, लेकिन इस बार पैट कमिंस और उनकी टीम जीत के लिए बेताब है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने मैच के पहले कहा, "पहले टेस्ट के बाद हमें लंबा ब्रेक मिला था और अब यह दूसरा टेस्ट हमारे लिए पहला टेस्ट जैसा लग रहा है।" पर्थ में 295 रनों की हार ने ऑस्ट्रेलिया में बाहरी आलोचनाओं को बढ़ावा दिया, लेकिन मेजबान टीम इन बातों को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहती। हालांकि, चिंता बनी हुई है क्योंकि मध्यक्रम के मजबूत बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गेंदबाजों में, स्कॉट बोलैंड, जो चोटिल जोश हेजलवुड की जगह लेंगे, के पास अपेक्षित कौशल है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास एक शक्तिशाली सीम अटैक है जबकि ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी योगदान देंगे।

हैमिल्टन और मर्सिडीज उपलब्धियों और यादों के 12 साल का सफर हुआ समाप्त

एजेंसी, नई दिल्ली

लुईस हैमिल्टन इस सप्ताहांत अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स में मर्सिडीज के लिए अपनी अंतिम रेस में भाग लेंगे, क्योंकि वह 2025 सीजन के लिए फेरारी में स्थानांतरित हो रहे हैं। सात बार के विश्व चैंपियन ने 12 साल के कार्यकाल के बाद सिल्वर एरो को अलविदा कहेंगे, जिसके दौरान टीम ने आठ कंस्ट्रक्टर्स टाइटल (2014-21) जीते, और हैमिल्टन ने छह ड्राइवर्स क्राउन (2014, 2015, 2017, 2018, 2019, 2020) जीते। मर्सिडीज ने 2014 में अपनी पहली कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती और 50 से अधिक वर्षों के अंतराल के बाद ग्रिड में फिर से प्रवेश किया। हैमिल्टन ने उसी वर्ष मर्सिडीज के साथ अपना पहला ड्राइवर खिताब जीता, 2008 में मैक्लेरेन के साथ अपना पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका दूसरा खिताब था। उनके टीम के साथी निको रोसबर्ग ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, और दूसरे स्थान पर रहे। ब्रिटिश ड्राइवर ने 2016 में भी जीत हासिल की, जबकि रोसबर्ग एक बार फिर उनसे पीछे रहे। हालांकि, 2016 में खिताब की लड़ाई टीम के साथियों के बीच काफी संघर्षपूर्ण रही, जिसमें जर्मन ने हैमिल्टन को पांच अंकों से हराया। रोसबर्ग अपनी शानदार उपलब्धि के बाद हैमिल्टन के साथ वाल्टेरी बोटास शामिल हुए, इस जोड़ी ने मैदान पर अपना दबदबा बनाया और 2017-2021 तक टीम को लगातार पांच खिताब दिलाए, एक ऐसा दौर जिसमें हैमिल्टन ने माइकल शूमाकर के सात चैंपियनशिप के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए लगातार चार ड्राइवर खिताब (2017-2020) जीते। 2021 में, वह एक बार फिर आगे चल रहे थे, लेकिन उनका सामना रेड बुल के कट्टर प्रतियोगी और अंततः चार बार के विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन से हुआ। इस सीजन के आखिरी मुक़ाबले में एक विवादास्पद अंत हुआ जिसमें वेरस्टैपेन ने हैमिल्टन को एक अंक से हराया जबकि मर्सिडीज ने अपना खिताब बरकरार रखा। इसके बाद, मर्सिडीज रैंकिंग में नीचे गिर गई और हैमिल्टन का फ़ॉर्म भी उसके साथ ही गिर गया। यह शीर्ष टीमों के साथ बने रहने में विफल रही है और तीन सालों में सिर्फ़ पाँच रेस जीत पाई है।

एडिलेड में ओपनिंग करेंगे केएल राहुल, रोहित शर्मा ने की पुष्टि

एजेंसी, एडिलेड

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पुष्टि की है कि केएल राहुल शुक्रवार से एडिलेड में शुरू होने वाले दूसरे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करना जारी रखेंगे।

मैच की पूर्व संध्या पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित ने खुलासा किया कि वह मध्य क्रम में बल्लेबाजी करेंगे, हालांकि उन्होंने सटीक स्थान नहीं बताया।

रोहित ने कहा, "मैं पहले टेस्ट में घर से केएल राहुल की बल्लेबाजी देख रहा था। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, इसलिए उनकी स्थिति बदलने की कोई जरूरत नहीं है। केएल इस

समय उस स्थान के हकदार हैं। मैं मध्य क्रम में कहीं बल्लेबाजी करूंगा।" राहुल ने पर्थ में महत्वपूर्ण रन (26 और 77) बनाए थे, जिसमें भारत की 295 रनों की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पर्थ में रिकॉर्ड तोड़ 295 रनों की जीत के बाद भारत फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) सीरीज में 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट शुक्रवार से एडिलेड में डे-नाइट फॉर्मेट में खेला जाएगा। इससे पहले गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा की और तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया, जो एडिलेड ओवल में चोटिल जोश हेजलवुड की जगह लेंगे।

एडिलेड टेस्ट पिछले 18 महीनों में बोलैंड का ऑस्ट्रेलिया के लिए पहला मैच होगा। कप्तान कमिंस ने यह भी पुष्टि की कि मिशेल मार्श एडिलेड टेस्ट में गेंदबाजी करने के लिए फिट होंगे। बोलैंड का पिछला टेस्ट प्रतिष्ठित एशेज 2023 सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ था।

पांचवीं बार पुरुष जूनियर एशिया कप चैम्पियन बना भारत, फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हराया

अरजीत सिंह हुंदल ने 4 गोल दागकर दिलाई जीत

एजेंसी, मस्कट (ओमान)

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने आज मस्कट (ओमान) में पुरुष जूनियर एशिया कप के हाई स्कोरिंग फाइनल में पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। अरिजीत सिंह हुंदल के चार गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने बुधवार को फाइनल मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर खिताब की हैट्रिक लगाई। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत का पांचवां खिताब रहा। इससे पहले भारत ने वर्ष 2004, 2008, 2015 और 2023 में भी यह खिताब अपने नाम किया था। कोविड-19 महामारी के कारण यह टूर्नामेंट 2021 में आयोजित नहीं किया जा सका था। हॉकी इंडिया ने इस अवसर पर प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ को 1 लाख का नकद इनाम देने की घोषणा की। अरिजीत सिंह हुंदल ने चौथे, 18वें और 54वें मिनट में तीन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और 47वें मिनट में मैदानी गोल दागा. भारत के लिए एक अन्य गोल दिलराज सिंह (19वें मिनट) ने किया। जबकि पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (30वें और 39वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दिल किया। सूफियान का साथ हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में मैदानी गोल कर बखूबी दिया। हालांकि उनकी कोशिशें टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं रहीं। मैच के शुरुआत में पाकिस्तान टीम ने काफी तेजी दिखाई और खेल के तीसरे ही मिनट में शाहिद के मैदानी गोल से बढ़त बना ली। हालांकि कुछ ही सेकेंड में भारत ने अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और हुंदल ने शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए स्कोर बोर्ड को एक-एक की बराबरी पर ला दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपने खेल में सुधार किया और 18वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, जिससे हुंदल ने एक बार फिर गोल में बदला। एक मिनट बाद दिलराज ने भी एक बेहतरीन मैदानी गोल कर भारत की बढ़त को 3-1 कर दिया। पाकिस्तान ने 30वें मिनट में सूफियान के पेनल्टी कॉर्नर पर दागे गोल से स्कोर 2-3 किया।

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन घोषित की, चोटिल हेजलवुड की जगह लेंगे बोलैंड

एजेंसी, एडिलेड

तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के आगामी एडिलेड टेस्ट में चोटिल जोश हेजलवुड की जगह लेंगे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने गुरुवार को प्लेइंग इलेवन की घोषणा की। एडिलेड टेस्ट पिछले 18 महीनों में ऑस्ट्रेलिया के लिए बोलैंड का पहला मैच होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार, कप्तान कमिंस ने यह भी पुष्टि की कि मिशेल मार्श एडिलेड टेस्ट में गेंदबाजी करने के लिए फिट होंगे। बोलैंड ने अपना पिछला टेस्ट प्रतिष्ठित एशेज 2023 सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। दूसरी ओर, मार्श को पीठ की अकड़न से

जूझने के बाद भी प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है, जिसकी वजह से वे पर्थ टेस्ट में भारत की दूसरी पारी के दौरान पूरी ताकत से गेंदबाजी नहीं कर पाए थे।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कमिंस ने कैनबरा में बोलैंड के प्रदर्शन का जिक्र किया, जब उन्होंने प्रधानमंत्री एकादश के लिए भारत के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच खेला था। कप्तान ने कहा कि बोलैंड की तैयारी "बहुत अच्छी" रही है। कमिंस ने कहा, "कुछ दिन पहले कैनबरा में उन्होंने कुछ अच्छे शॉट लगाए थे, उनकी तैयारी बहुत अच्छी रही है। वह अपनी लय और अपने प्रदर्शन से खुश हैं। लेकिन आप जानते हैं कि एक कप्तान के तौर पर स्कॉटी जैसे खिलाड़ी का सीधे मैदान में आना बहुत बढ़िया है। आप जानते हैं कि अगर आपको जरूरत पड़े तो वह बहुत सारे ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं, वह बहुत ही सुसंगत हैं और इस स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसलिए वह खेलने के लिए तैयार दिखते हैं।" कमिंस ने कहा कि कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने गुलाबी गेंद से बहुत ज़्यादा टेस्ट खेले हैं, लेकिन उनमें से कुछ ने बहुत ज़्यादा नहीं खेला है। कप्तान ने कहा कि खिलाड़ियों ने पिछले कुछ दिनों में अच्छी ट्रेनिंग की है। उन्होंने कहा, "यह कहना मुश्किल है कि हमारे कुछ खिलाड़ियों ने बहुत ज़्यादा खेला है, उनमें से कुछ ने बहुत ज़्यादा गुलाबी गेंद नहीं खेली है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में भारतीय महिला टीम को हराया,मेगन स्कट ने झटके पांच विकेट

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से आसान जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। जीत की नींव ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने रखी, जिन्होंने पहले भारत को सिर्फ़ 100 रन पर ढेर कर दिया और फिर इसके बाद 33 ओवर शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

तेज गेंदबाज मेगन स्कट ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए पहली बार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में पांच विकेट चटकाए, जिससे भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.2 ओवर में केवल 100 रनों पर ढेर हो गई। भारत के लिए जेमिमा

रौड्रिग्स ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। जेमिमा के अलावा हरलीन देओल ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बनाए। 101 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से ओपनर फोबे लिचफील्ड ने 29 गेंदों में 35 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में दो ओवरों में लगातार छह चौके शामिल थे, जिससे घरेलू टीम लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही थी। हालांकि रेणुका ठाकुर ने तीन विकेट लेकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की, लेकिन डेब्यू कर रही ओपनर जॉर्जिया वोल ने दबाव का सामना करते हुए 42 गेंदों में नाबाद 46 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को आसान जीत दिलाई।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं किया

एजेंसी, वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने गुरुवार को वेलिंगटन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आगामी दूसरे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है। टीम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है और उसी टीम को बरकरार रखा गया है, जिसने पहला टेस्ट मैच खेला था।

इससे पहले क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट में, इंग्लैंड ने आठ विकेट से जीत हासिल की, जिससे उन्हें कीवी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने में मदद मिली। आईसीसी के अनुसार, अपने पिछले 47 टेस्ट मैचों में, कीवी टीम ने आगामी वेलिंगटन टेस्ट सहित केवल तीन बार अपरिवर्तित टेस्ट एकादश की घोषणा की है। इस बीच, इंग्लैंड ने भी एक अपरिवर्तित प्लेइंग इलेवन की घोषणा की है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने पहले टेस्ट में अपनी टीम के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्होंने फील्डिंग पर अतिरिक्त ध्यान नहीं दिया। लैथम ने कहा, "हमने इस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया है। हम समझते हैं कि हम पिछले गेम में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हम चीजों को यथासंभव बराबर रखने की कोशिश करते हैं। हम हमेशा पर्दे के पीछे से काम करते हैं, भले ही चीजें हमारे पक्ष में हों या नहीं।

न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवनः टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, टिम साउथी, मैट हेनरी, विल ओ'रुरके।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीः अभिषेक शर्मा ने केवल 28 गेंदों पर जड़ा शतक

भारत के सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने गुरुवार को मेघालय के खिलाफ पंजाब के लिए खेलते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच के दौरान महज 28 गेंदों में शतक पूरा किया और किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 शतक बनाने के उर्विल पटेल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अभिषेक की 11 छक्कों वाली विस्फोटक पारी की बदौलत पंजाब ने 10वें ओवर में 143 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस प्रदर्शन ने टूर्नामेंट में सलामी बल्लेबाज के औसत प्रदर्शन को भी तोड़ दिया। गुरुवार को मैच से पहले अभिषेक ने छह पारियों में 149 रन

बनाए थे, जिसमें से सिर्फ़ एक बार उन्होंने पचास या उससे ज़्यादा का स्कोर बनाया था। इस टूर्नामेंट में पहले गुजरात के उर्विल पटेल ने इंदौर में त्रिपुरा के खिलाफ 28 गेंदों पर शतक बनाकर रिकॉर्ड बनाया था। इस साल के संस्करण से पहले, भारत की घरेलू टी20 प्रतियोगिता में सबसे तेज शतक ऋषभ पंत के नाम था, जिन्होंने 2018 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों पर शतक बनाया था। टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने साइप्रस के खिलाफ सिर्फ 27 गेंदों में शतक बनाया था।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

सर्दियों में अपने खाने में डालें एक चम्मच घी

सर्दियों में घी खाने के एक नहीं अनेक फायदे होते हैं। ठंडे मौसम में शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्मी और पोषण की बहुत जरूरत होती है। ऐसे में घी इन सारी शारीरिक जरूरतों को पूरा करता है। साथ ही जोड़ों के दर्द से भी बहुत राहत देता है।

सर्दियों के आते ही लोग आमतौर पर अपने खान-पान में बदलाव करते हैं, ताकि वे गर्म और स्वस्थ रहें। वे ऐसे भोजन की तलाश करते हैं, जो ऊर्जा, आराम और पोषण देकर ठंडे मौसम से निपटने में मदद करें। घी ऐसा ही एक खाद्य पदार्थ है, जो लंबे समय से कई पारंपरिक भारतीय व्यंजनों और आयुर्वेदिक परंपराओं में शामिल रहा है। घी जरूरी फैट, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर एक पौष्टिक खाद्य पदार्थ है। अपने खाने में एक चम्मच घी मिलाने से आप कई तरह के स्वास्थ्य लाभ हासिल कर सकते हैं, खासकर सर्दियों में।

ठंडे मौसम में जब शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्मी और पोषण की आवश्यकता होती है, तो ये पोषक तत्व विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं। सर्दियों के मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए अपने भोजन में एक चम्मच घी मिलाने के कुछ अविश्वसनीय फायदे मिलते हैं।

घी खाने के स्वास्थ्य लाभ

बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता- घी में ब्यूटिरेट, एक शॉर्ट-चेन फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में होता है, जिसमें सूजन-रोधी और रोग प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुण होते हैं। लिहाजा, यह प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने, संक्रमण और बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए एक बेहतरीन भोजन बनाता है।

पाचन में लाता है सुधार- अपने गर्म गुणों के साथ घी पाचन एंजाइमों के संश्लेषण को बढ़ावा देता है, जो भोजन के बेहतर पाचन में मदद करते हैं। नतीजतन, आपके भोजन के वसा में घुलनशील विटामिन और पोषक तत्व बेहतर अवशोषित होते हैं।

त्वचा में लाता है नमी- ओमेगा-3 फैटी एसिड त्वचा की परतों में नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं। वहीं, घी त्वचा को अंदर से पोषण देने में मदद करता है, जिससे यह हाइड्रेटेड और कोमल बनी रहती है। इसके अतिरिक्त, त्वचा की बनावट में सुधार या शुष्क क्षेत्रों को शांत करने के लिए घी को बाहरी रूप से लगाया जा सकता है। यह सर्दियों में होने वाली त्वचा की समस्याओं को दूर करता है।

वजन बनाए रखता है- एक उच्च वसा वाला भोजन होने के बावजूद, घी का सेवन कम मात्रा में करने से अच्छे वजन को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। घी में मौजूद मध्यम-श्रृंखला फैटी एसिड (एमसीएफए) शरीर की वसा को अधिक प्रभावी ढंग से जलाने और चयापचय को बढ़ाने की क्षमता में सहायता करते हैं।

जोड़ों के दर्द से राहत- सर्दियों के दौरान नियमित रूप से घी खाने से जोड़ों की अकड़न को कम करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही गतिशीलता बढ़ाने और ठंड के मौसम में होने वाले बार-बार दर्द से राहत मिलती है। घी ऊर्जा देता है, जो काम करने, व्यायाम करने या रोजमर्रा की गतिविधियों में आपको गतिशील बनाए रखती है। भोजन के साथ एक चम्मच घी ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखती है। एक चम्मच घी ऊर्जा की कमी को पूरा करता है और शारीरिक और मानसिक प्रदर्शन अच्छा रहता है।

खाना ही नहीं, पीने की चीजें भी बढ़ाती हैं यूरिक एसिड

यूरिक एसिड बढ़ने से किडनी और जोड़ों की बीमारी हो सकती है। इनसे बचने के लिए हाई प्यूरीन फूड का सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन इसके साथ कुछ पीने की चीजों से भी दूरी बना लेनी चाहिए। आइए जानते हैं कि कौन से 5 परहेज इस बीमारी से बचाने में मदद करते हैं।

यूरिक एसिड शरीर के लिए एक अपशिष्ट पदार्थ है, यानी इसका कुछ ज्यादा इस्तेमाल नहीं है। लेकिन अगर खून में इसका लेवल (हाइपरयूरिसीमिया) बढ़ जाता है तो किडनी और जोड़ों में खतरनाक बीमारी बन सकती है। अक्सर लोगों को लगता है कि प्यूरीन से भरे फूड खाने से ही यूरिक एसिड का लेवल बढ़ता है, लेकिन ऐसा नहीं है। हाई यूरिक एसिड के नुकसान क्या हैं? कई सारी पीने की चीजें भी यूरिक एसिड के बढ़ने का कारण बन सकती हैं। इनके अंदर भी प्यूरीन होता है। आंख बंद करके इन्हें पीने की गलती किडनी को भुगतनी पड़ सकती है। क्योंकि हाई यूरिक एसिड धीरे-धीरे किडनी स्टोन कर सकता है। साथ ही जोड़ों की गठिया बीमारी का खतरा भी बनाता है। हाई यूरिक एसिड से बचने के लिए 5 परहेज का ध्यान जरूर रखें। इसमें खाने और पीने दोनों की सावधानी शामिल है। साथ में कुछ और परहेज भी बताए हैं जो यूरिक एसिड को कम रखने के लिए जरूरी हैं।

हाई प्यूरीन फूड से बचें

प्यूरीन के पचने के बाद शरीर यूरिक एसिड बनाता है। इसलिए हाई प्यूरीन वाले फूड्स का सेवन कम करके या बिल्कुल दूर होकर इस अपशिष्ट पदार्थ को बढ़ने से रोका जा सकता है। मेडलाइन प्लस के मुताबिक रेड मीट, ऑर्गन मीट, कुछ सीफूड में प्यूरीन ज्यादा हो सकता है।

मीठे फल और शहद खाएं कम

अगर आपको हाई यूरिक एसिड है तो मीठे फल या शहद का सेवन बिल्कुल कम कर दें। क्योंकि इनके अंदर फ्रुक्टोज नाम की नेचुरल शुगर होती है। बॉडी जब इसे तोड़ती है तो प्यूरीन बनता है जो कि यूरिक एसिड का लेवल बढ़ा सकता है।

इन पीने की चीजों से भी रहें दूर

शराब पीने से यूरिक एसिड लेवल तेजी से बढ़ सकता है। क्योंकि बियर जैसी एल्कोहॉलिक ड्रिंक में हाई प्यूरीन हो सकता है। साथ ही कम प्यूरीन वाली एल्कोहॉलिक ड्रिंक भी शरीर में प्यूरीन का उत्पादन बढ़ा सकती हैं। इसके अलावा मीठी ड्रिंक्स का सेवन भी कम कर दें।

वजन और ब्लड शुगर न बढ़ने दें

अगर आप यूरिक एसिड के खतरनाक नुकसानों से बचना चाहते हैं तो कभी भी मोटापा और ब्लड शुगर को कंट्रोल से बाहर न जाने दें। क्योंकि दोनों समस्याओं की वजह से किडनी का फंक्शन धीमा पड़ सकता है। जिसकी वजह से शरीर से पूरा यूरिक एसिड बाहर नहीं निकल पाता और खून में बढ़ने लगता है।

ऐसी दवाइयों पर रखें ध्यान

कुछ शोध मानते हैं कि खास प्रकार की दवाइयों का सेवन करने की वजह से भी यूरिक एसिड जमा हो सकता है। जिनमें एस्पिरिन, डयूरेटिक्स, विटामिन बी3, इम्यून सप्रेसिंग ड्रिग, टीबी की एक दवा, कुछ बीपी की दवाएं आदि शामिल हैं। अगर आप इनका उपयोग कर रहे हैं तो यूरिक एसिड का लेवल चेक करते रहें।

क्या खाएं, क्या पीएं?

यूरिक एसिड कम करने के लिए आपको कुछ चीजों का सेवन बढ़ा देना चाहिए। ये चीजें इस समस्या से बचाने का भी काम करती हैं। सबसे पहले तो अपनी डाइट में फाइबर से भरपूर फूड और सब्जियों को शामिल करें। चेरीज का सेवन बेहतर माना जाता है। इसके अलावा बिना मीठे की कॉफी और पानी का पर्याप्त सेवन भी करना चाहिए।

कच्चे दूध को पीने से हो सकती है मिल्क बोर्न इलनेस

आमतौर पर पाश्चुराइजेशन और तमाम प्रोसेसिंग के बाद दूध को पैकेटबंद करके घर-घर पहुंचाया जाता है। कुछ लोग कच्चे दूध को पीना अधिक स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि कच्चा दूध पीने से कई मिल्क बोर्न इलनेस यानी दूध की वजह से होने वाली बीमारियों के होने की आशंका बढ़ जाती है, जिसे फूड पॉयजनिंग भी कह सकते हैं। कच्चे दूध को पीने से शरीर के इम्यूनिटी सिस्टम का कई जीवाणुओं जैसे E. Coli, लिस्टीरिया और सालमोनेला बैक्टीरिया आदि से सीधा संपर्क होता है। पाश्चुराइजेशन की क्रिया इन बैक्टीरिया को नष्ट कर देती है और दूध को पीने के लिए सुरक्षित बनाती है।

हो सकती हैं ये समस्याएं भी

मगर, कच्चा दूध पीने से कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोग, खासतौर से बच्चे, बूढ़े और प्रेग्नेंट महिलाओं को तेजी से मिल्क बोर्न इलनेस होने की आशंका होती है। प्रेग्नेंसी के दौरान लिस्टीरिया जर्म के संपर्क में आने से मिसकैरेज या बीमार नवजात का जन्म हो सकता है। कच्चे दूध या कच्ची सब्जियां खाने से ऐसी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। कच्चा दूध पीने से शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

ऐसे दिख सकते हैं इसके लक्षण

- डायरिया
- उल्टी
- पेट में मरोड़
- पेट में दर्द
- गैस
- सिरदर्द
- बदन दर्द
- बुखार

अति गंभीर मामलों में इससे गुलियन-बैरे सिंड्रोम की आशंका बढ़ जाती है, जिसमें पैरालिसिस, किडनी फेल, स्ट्रोक या डेथ भी हो सकती है।

ये संकेत बताते हैं कि आप हैं सुपर स्ट्रेस में, इनसे बचने के आसान हैं तरीके

जरूरत से ज्यादा तनाव लेने पर शरीर और मन कई तरह से संकेत देने लगता है। मगर, लोग उसे समझ ही नहीं पाते हैं। लिहाजा, उनका इलाज भी नहीं हो पाता है। ऐसे में जरूरत है कि आप समय पर इसके लक्षणों को पहचानें और उससे उबरने के तरीकों पर ध्यान दें।

स्ट्रेस आजकल के जीवनशैली का एक अभिन्न अंग बन चुका है। स्ट्रेस किसी भी रूप में किसी को भी हो सकता है। हमारे शरीर पर स्ट्रेस कई रूप में दिखता है। हमें ऐसा लगता है कि स्ट्रेस मात्र एक मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर है, लेकिन असल में ये मानव शरीर को हर तरीके से प्रभावित करता है। पूरा शरीर, दिल और दिमाग अपने तरीके से स्ट्रेस में होने के संकेत देता है। जरूरत है तो इन्हें समझने की और इनके अनुसार अपने जीवनशैली में बदलाव लाने की। तो आइए जानते हैं कि शरीर किस तरह इस बात का संकेत देता है कि आप हैं सुपर स्ट्रेस में-

क्या आप भी महसूस करते हैं ऐसा

शरीरिक लक्षण- सिरदर्द, बदन दर्द, मांसपेशियों में तनाव, माइग्रेन, उल्टी, मितली, पेटदर्द, पेट में ऐंठन या डायरिया। भूख कम या जरूरत से अधिक लगना।

भावनात्मक बदलाव- स्ट्रेस हमारी भावनाओं पर अटैक करता है। इससे मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन, एंजाइटी, चिंता, अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शांत होने में या रिलैक्स महसूस करने में समय लग सकता है। हर समय लो मूड और उदासी सी महसूस होती है।

बौद्धिक लक्षण- स्ट्रेस से बौद्धिक क्षमता में कमी होती है। इससे फोकस करने में कमी, निर्णय क्षमता में कमी, भूलने की समस्या बढ़ने लगती है। लगातार चिंता और दिमाग में तेजी से आते विचार बौद्धिक क्षमता को कम करते हैं।

व्यवहारिक बदलाव- किसी काम में आपकी प्रोडक्टिविटी कम हो जाती है। आप आसानी से चौंक जाते हैं या डर कर कांपने लगते हैं। अपनी पर्सनल केयर का ख्याल नहीं रखते। नाखून चबाते हैं। हर बात पर चिड़चिड़ा जाते हैं या ओवर रिएक्ट करते हैं।

आध्यात्मिक बदलाव- भगवान पर भरोसा कम होने लगता है। पूजा पाठ या तीज त्योहार में मन नहीं लगता है। जीवन के सकारात्मक पहलुओं को इग्नोर करते हैं और अपने जीवन का लक्ष्य ही समझ नहीं आता है।

सुपर स्ट्रेस के लक्षणों से ऐसे निपटें

- नींद पूरी करें। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए यह जरूरी है।
- काम से ब्रेक लें और जगह बदलें। कहीं घूमने जाएं और मूड फ्रेश करें।
- नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। स्ट्रेस से उबरने में मदद मिलती है।
- प्रतिदिन योग और ध्यान करने के साथ ही डीप ब्रीदिंग करना नहीं भूलें।
- जिस काम में दिलचस्पी हो, उसे जरूर करें। इससे दिमाग शांत होता है।
- किसी से बातें करें। अकेले अपने अंदर स्ट्रेस को दबाकर रखने से बचें।
- अगर कोई आपको नहीं समझे, तो बिना संकोच काउंसलर की मदद लें।

ज्वाइंट पेन से उठने-बैठने में है समस्या इन एक्सरसाइजों से पाएं राहत

ज्वाइंट पेन से राहत पाने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली से यह समस्या बढ़ती है। लो इंपैक्ट एक्सरसाइज, जोड़ों पर दबाव न बनाएं, दर्द में राहत दिलाती हैं। नियमित एक्सरसाइज से स्थिति बेहतर हो सकती है।

आजकल लगभग सभी घरों में ज्वाइंट पेन से पीड़ित कोई न कोई जरूर मिल जाएगा। खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली ने सम्पूर्ण सेहत के साथ समझौता किया है, इसलिए कैल्शियम युक्त पौष्टिक खानपान के साथ जरूरी है। ऐ एक्सरसाइज भी जरूर की जाएं, जिससे ज्वाइंट पेन में राहत मिले। ऐसी ही कुछ सरल एक्सरसाइज करें, जिससे जोड़ों पर बहुत दबाव न बने और लो इंपैक्ट वाली एक्सरसाइज इस ज्वाइंट पेन से राहत भी दिलाए।

जोड़ों में दर्द उठना एक बेहद मुश्किल समय होता है। उठने बैठने में तकलीफ बेड रेस्ट और आराम करने पर मजबूर कर देती है। सच्चाई ये है कि ज्वाइंट पेन में जरूरत से ज्यादा बेड रेस्ट किया जाए, तो ये स्थिति को और भी बिगाड़ सकता है। जरूरी है कि ज्वाइंट पेन में आप नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। ज्वाइंट पेन में कौन सी एक्सरसाइज जरूरी है, जो जोड़ों पर आवश्यकता से अधिक दबाव न बनाए और दर्द से राहत भी दिलाए...

वॉकिंग- दिनभर चले बिना किसी का काम नहीं चलता। ये एक ऐसी बेसिक जरूरत है जिसके ऊपर सभी अपने दैनिक क्रियाकर्मो के लिए निर्भर हैं। लेकिन मात्र उठ कर अपना काम कर लेना एक्सरसाइज नहीं कहलाता। कम से कम 20 मिनट या आधा घंटा वॉक जरूर करें। अधिक देर तक बैठे न रहें क्योंकि ये आपके कमर और कंधे की हड्डियों को जाम करता है और फिर ये दर्द में बदल जाता है। इसलिए वॉक करना न भूलें।

स्विमिंग- ये एक लो इंपैक्ट एक्सरसाइज है जो जोड़ों पर कम दबाव डालती है। स्विमिंग के दौरान पानी का दबाव शरीर के वज़न को झेलता है जिससे जोड़ों पर कम दबाव पड़ता है। इससे एक प्रकार की रेजिस्टेंस होती है जो कि मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। ये फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने के साथ वेट लॉस में भी मददगार साबित होती है जिससे जोड़ों पर दबाव कम होता है और ज्वाइंट पेन से राहत मिलती है।

स्ट्रेचिंग- ये मांसपेशियों के दर्द और खिंचाव से राहत दिलाता है। एल्बो बेंड, एक पैर से बैलेंस, पंजों से अल्फाबेट लिखने की क्रिया आदि जैसी हल्की फुल्की स्ट्रेचिंग मांसपेशियों में फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाती है और ज्वाइंट पेन और कमज़ोरी से भी राहत दिलाती है।

साइक्लिंग- स्टडी बताती है कि साइक्लिंग करने से ऑस्टियोआर्थराइटिस के ज्वाइंट पेन से राहत मिलती है। ये जोड़ों के तनाव को कम करता है और ज्वाइंट पेन को दूर करता है। फिर भी अगर साइक्लिंग करने से दर्द बढ़ता है तो डॉक्टर के निर्देश पर ही इसे करें।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

अनिल कपूर ने पूरा किया 'सूबेदार' का शेड्यूल

बॉलीवुड अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'सूबेदार' का शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस फिल्म में वह मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। सोमवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया पर सेट से कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं।

अनिल कपूर ने लिखा भावुक नोट

अभिनेता ने बीटीएस तस्वीरों के साथ एक नोट भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सपनों से हकीकत तक, दृष्टि से निर्माण तक, 'सूबेदार' समर्पण और दिल से आकार लेता है! शेड्यूल पूरा हो गया है, लेकिन जादू अभी शुरू हो रहा है। टीम, जुनून और यात्रा के लिए आभारी हूं।

क्या है फिल्म की कहानी?

'सूबेदार' की अर्जुन मौर्य अनिल कपूर द्वारा अभिनीत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक पूर्व सैनिक है। अनिल कपूर का किरदार जैसे-जैसे वह व्यक्तिगत और सामाजिक चुनौतियों का सामना करता है, उसे अपनी बेटी श्यामा के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों को सुधारना होगा। कभी देश के लिए लड़ने वाले एक सैनिक सूबेदार को अब अपने घर और परिवार की रक्षा के लिए अंदर के दुश्मनों से लड़ना पड़ता है।

फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है और इसका निर्माण विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और त्रिवेणी ने मिलकर किया है। फिल्म का प्रीमियर प्राइम वीडियो पर होगा।

अनिल कपूर का वर्क फंट

अनिल कपूर के आगामी कार्यों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में पास 'वॉर 2' है, जिसमें वह ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगे। अभिनेता के पास यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा' भी है, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

फिल्म जेलर के गाने कवाला से लेकर स्त्री 2 के आज की रात तक में अपनी अदाओं और डांस मूव्स से हर किसी को झूमने पर मजबूर करने वाली ऐक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों चर्चा में हैं, अपनी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर को लेकर। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म में तमन्ना एक ऐसी सिंगल मदर बनी हैं जो हीरों की चोरी के आरोप में फंस जाती है।

डांस ऐसा करो कि दूसरे नाचने पर मजबूर हो जाए

फिल्म मुकद्दर का सिकंदर का से जुड़ने की खास वजह क्या रही? कैसा अनुभव रहा?

यह फिल्म करने की सबसे बड़ी वजह ये रही कि मुझे नीरज सर की फिल्में हमेशा से बहुत पसंद रही हैं। उनकी फिल्मों में जिस तरह बहुत ही आम लोगों की कहानी होती है, जो बहुत ही अजीब परिस्थिति में पड़ जाते हैं और फिर उन हालातों से वे कैसे जूझते और निकलते हैं, वो मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि ये उनकी एक थीम है तो जब मैंने ये स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे लगा कि यह एक अलग दुनिया है और हिंदी फिल्मों में निश्चित तौर पर लोगों ने मुझे अब तक ऐसे रोल में नहीं देखा है। फिर, यह साल बहुत ही दिलचस्प रहा है, क्योंकि बहुत अलग-अलग किस्म की फिल्में आई हैं। ऐसे में, इस तरह की फिल्म के लिए यह एक बेहतरीन समय है। यह एक तेज रफ्तार की हीस्ट थ्रिलर है। आप जैसे-जैसे इन किरदारों की जिंदगी को समझने लगते हैं, उनसे जुड़ते जाते हैं, तो मेरे लिए कुल मिलाकर यह एक बहुत अच्छा अनुभव रहा।

इन दिनों हर तरफ आपके डांस नंबर्स का जलवा है, वो फिर कवाला हो या आज की रात, हर कोई इन पर झूम रहा है। आपके लिए डांस क्या है?

डांस से मेरा रिश्ता बहुत ही दिलचस्प रहा है, क्योंकि मैंने डांस सीखा नहीं है। मैं ट्रेंड डांसर नहीं रही हूं। मैं कभी डांस स्कूल नहीं गई। मैंने सेट पर ही डांस सीखा है तो मैं अपने डांस का श्रेय उन सभी कोरियोग्राफर्स को देना चाहूंगी, जिनसे मैंने सीखा। प्रभु देवा सर, राज सुंदरम सर, प्रेम रक्षित सर, वृंदा मैम और साउथ के बहुत सारे कोरियोग्राफर्स ही मेरे टीचर रहे हैं। उन्होंने मुझे फिल्म डांस समझने में काफी मदद की, क्योंकि फिल्म डांस बाकी से काफी अलग होता है। मेरा मानना है कि डांस शो ऑफ करने की चीज नहीं है कि मैं ये मुश्किल स्टेप कर सकती हूं। डांस ऐसा होना चाहिए कि उसे देखकर दूसरे का मन भी नाचने के लिए मचल जाए। मेरी कोशिश कभी ये नहीं होती कि देखो, मैं कितने मुश्किल स्टेप कर सकती हूं, मेरी कोशिश यही रहती है कि जब कोई मेरी ओर देखे और उसे मेरे अंदर की मस्ती या कोई एक्सप्रेशन पसंद आ जाए और उनका मन भी डांस करने का कर जाए और शायद इसीलिए लोग उससे कनेक्ट करते हैं।

विक्रांत मैसी के सिनेमा से ब्रेक पर बोले हर्षवर्धन राणे

विक्रांत मौसी ने सोमवार को अपने फिल्मी करियर से ब्रेक लेने की घोषणा की है। सोशल मीडिया पर की इस घोषणा के बाद विक्रांत मैसी चर्चा में आ गए हैं। विक्रांत को विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वी फेल से पहचान मिली, इन दिनों वे द साबरमती रिपोर्ट में नजर आ रहे हैं। विक्रांत के इस एलान के बाद लोग तरह- तरह के कयास लगा रहे हैं। खबरों की मानें तो लोग विक्रांत मैसी के करियर को लेकर चर्चा कर रहे हैं, कहीं ये पीआर स्टंट तो नहीं है।

ये एक अस्थायी ब्रेक हो सकता है। ये हमेशा का रिटायरमेंट है या नहीं इसे लेकर संशय बना हुआ है। ये किसी अन्य प्रोजेक्ट को लेकर कोई रणनीति तो नहीं है। इसको लेकर विक्रांत मैसी के सह कलाकार हर्ष वर्धन राणे ने कुछ बातें रखी हैं। हर्षवर्धन राणे ने कहा कि ये पीआर एक्टिविटी हो सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विक्रांत बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की तरह फिल्में बनाना शुरू कर देंगे। हर्षवर्धन ने कहा विक्रांत सुलझे हुए और स्पष्ट व्यक्ति हैं। विक्रांत मैसी के काम के तरीके का मैं हमेशा सम्मान करता हूं। मैं आशा करता हूं कि यह किसी फिल्म निर्माता द्वारा उन पर थोपी गई कोई पीआर गतिविधि हो।

बॉयफ्रेंड एंटनी के साथ दो वेडिंग सेरेमनी करेंगी कीर्ति सुरेश

कुछ दिन पहले अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अपने माता-पिता के साथ आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थिति श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर पहुंची थी। यहां उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया। जब वह मंदिर के बाहर आई तो उन्होंने मीडिया को बताया कि वह अपनी अगली फिल्म की सफलता के लिए भगवान का आशीर्वाद लेने आई, साथ ही दिसंबर महीने में उनकी गोवा में शादी है। इस तरह से कीर्ति सुरेश ने अपनी होने वाली शादी की बात को कंफर्म कर दिया था। अब खबर है कि वह दो तरह से शादी करेंगी यानी फैंस को उनकी दो वेडिंग सेरेमनी देखने को मिलेंगी।

हिंदू-क्रिशियन वेडिंग होगी

कीर्ति धर्म से हिंदू हैं और एंटनी क्रिशियन, यही कारण है कि दोनों अपने-अपने धर्मों के रीति-रिवाज से शादी करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 12 दिसंबर 2024 को दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे। सुबह हिंदू रीति से शादी होगी और उसी दिन शाम को क्रिशियन रीति से कीर्ति और एंटनी शादी करेंगे। इस तरह से कीर्ति के फैंस को उनकी दो वेडिंग सेरेमनी देखने को मिल सकती हैं। वह दो तरह के दुल्हन के गेटअप में नजर आएंगी। कीर्ति सुरेश बॉयफ्रेंड एंटनी को लगभग 15 साल से डेट कर रही हैं। उन्होंने अब तक अपने रिश्ते को दुनिया के सामने जाहिर नहीं किया। कुछ दिन पहले ही एंटनी के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली जिसमें अपने इतने लंबे साथ की बात को बयां किया था। अब इन दोनों के प्यार को मंजिल मिल गई, दोनों दिसंबर में गोवा में शादी कर रहे हैं। कीर्ति सुरेश एक तरफ अपनी शादी में व्यस्त हैं। वहीं वह अपनी आने वाली फिल्म बेबी जॉन को लेकर भी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता वरुण धवन की पत्नी के रोल में नजर आएंगी। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस को वह यादगार भी बताती हैं।

शादी के बाद शोबिज को अलविदा कह देंगी शोभिता धुलिपाला? नागा चैतन्य ने बताई सच्चाई

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला के वेडिंग फंक्शन जोरो-शोरों से जारी हैं। कुछ सालों की डेटिंग के बाद नागा और शोभिता ने शादी कर हमेशा साथ रहने का फैसला कर लिया है। इसी कड़ी में नागा ने अपने हालिया इंटरव्यू में शादी को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने उस सवाल का भी जवाब दिया जो सभी प्रशंसकों के मन में है कि क्या शोभिता अपनी शादी के

रही हैं। शोभिता एक पारिवारिक लड़की हैं, और हमारे पास सब कुछ है उन्होंने कुछ त्यौहार भी एक साथ मनाए, मुझे यकीन है कि समय के साथ हमारा बंधन और भी मजबूत होगा।

नागा ने दी प्रतिकिया

इंटरव्यू के दौरान जब नागा चैतन्य से पूछा गया कि क्या शोभिता उनकी तरह फिल्मों में अपना करियर जारी रखेंगी, तो बिना किसी हिचकिचाहट के नागा ने कहा, हां, बिल्कुल। अभिनेता ने अपने कबूलनामे के बाद हर प्रशंसक के संदेह को दूर कर दिया और नेटिजन्स यह सुनकर खुश होंगे कि इतने प्रभावशाली फिल्मी परिवार में शादी के बाद भी उन्हें शोभिता की जादुई स्क्रीन उपस्थिति का अनुभव मिलेगा। उसी इंटरव्यू में नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला के परिवार के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, प्रत्येक तेलुगु घराने की तरह, शोभिता का परिवार भी बहुत सम्मानित और प्यारा है। मेरे साथ बेटे की तरह व्यवहार किया जाता है। नागा चैतन्य ने आगे कहा, शुरू से ही बहुत आराम और कई चीजें समान

नागा-शोभिता का वर्कफंट

नागा चैतन्य का अगला प्रोजेक्ट थंडेल है, जो 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाला है। एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट भी है जिसका वह हिस्सा हैं। दूसरी ओर, शोभिता को आखिरी बार लव, सितारा और एमी-नामांकित शो द नाइट मैनेजर में देखा गया था।

शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी

कंतारा स्टार ऋषभ शेट्टी ने निर्देशक संदीप सिंह की आगामी ऐतिहासिक ड्रामा द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया जा चुका है, जिसमें शिवाजी महाराज के किरदार में ऋषभ शेट्टी को देखकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। भारतीय राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने इस ऐतिहासिक फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर कुछ ही देर पहले ऋषभ शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है, जिसे लेकर कंतारा स्टार ऋषभ के प्रशंसक बेहद खुश और उत्साहित हैं। बतौर निर्देशक संदीप की ये दूसरी फिल्म है। ऋषभ ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया और लिखा, हमारा सम्मान और विशेषाधिकार, भारत के महानतम योद्धा राजा - भारत के गौरव की महाकाव्य गाथा प्रस्तुत है। इसके साथ ही ऋषभ ने बताया कि फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

शिवाजी की बायोपिक

शिवाजी की बायोपिक निर्देशक के तौर पर यह संदीप की पहली फीचर फिल्म होगी। इस प्रोडक्शन में महान योद्धा राजा की कहानी को पर्दे पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय तकनीकी और बेहतरीन ग्राफिक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी निर्देशक संदीप की फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाना शब्दों से परे सम्मान की बात है। वे एक राष्ट्रीय नायक हैं जिनका प्रभाव इतिहास से परे है और मुझे उनकी कहानी को स्क्रीन पर लाने में बहुत गर्व महसूस होगा।

फिल्म को लेकर संदीप सिंह का बयान

संदीप सिंह ने टोरंटो टाइटल, बॉक्सिंग बायोपिक मैरी कॉम में उन्होंने सह-निर्माता के रूप में काम किया। इसके अलावा संदीप ने अलीगढ़ और स्लम सॉकर फिल्म झुंड सहित कई फिल्मों का निर्माण किया है। संदीप ने बायोपिक पीएम नरेंद्र मोदी और बायोपिक मैं अटल हूं और स्वातंत्र्य वीर सावरकर का निर्माण किया है। संदीप सिंह ने कहा, ऋषभ शेट्टी इस भूमिका के लिए मेरी पहली और एकमात्र पसंद थे। ऋषभ वाकई में छत्रपति शिवाजी महाराज की ताकत, भावना और वीरता का प्रतीक हैं। यह फिल्म कई सालों से मेरा सपना रही है और इस कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर लाना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है।

फिल्म जी ले जरा को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

फरहान अख्तर ने साल 2021 में फिल्म जी ले जरा का एलान किया था। उन्होंने यह भी साझा किया था कि फिल्म में आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में होंगी। इतना ही नहीं प्रियंका चोपड़ा भी जी ले जरा का हिस्सा हैं। हालांकि, एलान के बाद से फिल्म पर कोई बड़ा अपडेट सामने नहीं आया है। वहीं, अब इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका ने कहा, आपको इस बारे में एक्सेल एंटरटेनमेंट से बात करनी होगी। प्रियंका ने बॉलीवुड में अपनी वापसी का संकेत देते हुए खुलासा किया कि वह फिल्म निर्माताओं से मिल रही हैं और स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं।